केरल में शशि थरूर के साथ... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

टॉक्सिक में अपने किरदार को... 11

वर्ष - 02, अंक - 02 | गाजियाबाद / सोमवार 06 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों ने पीएम को लिखा पत्र

- ब्लैक बॉक्स डेटा जारी करने की मांग, 260 लोगों की हुई थी मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे को 10 महीने हो गए हैं। अब पीड़ितों के परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 'कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर' (सीवीआर) और 'ब्लैक बॉक्स' का डेटा जारी करने का आग्रह किया है। बता दें कि इस हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी। एअर इंडिया की उड़ान एआई 171 (बोइंग 787-8 का विमान) लंदन जाने वाली थी। लेकिन यह विमान 12 जून, 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय

हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ क्षण बाद ही एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में आग लग गई जिससे उसमें सवार 242 लोगों में से 241 व्यक्तियों समेत जमीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई। गुजरात भर से लगभग 30 शोक संतप्त परिवार शनिवार को अहमदाबाद में एकत्रित हुए और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस त्रासदी के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए सीवीआर और 'ब्लैक बॉक्स' (फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर) का डेटा जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि हम जानना चाहते हैं कि दुर्घटना का कारण क्या था और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी। इस पत्र की प्रतियां विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो , नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को भेजी गई हैं।

भारत ने 7 साल बाद ईरान के लिए खोल दिया रास्ता

- फिर शुरू की शियादेश से तेल और एलपीजी की खरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में चल रहे भीषण युद्ध की वजह से तेल की सप्लाई में काफी दिक्कतें आ रही हैं। ऐसे में भारत के पेट्रोलियम मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि भारतीय कंपनियों ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए ईरान से कच्चा तेल खरीदा है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। अमेरिका के दबाव की वजह से भारत ने मई 2019 से

ईरान से तेल लेना बंद कर दिया था, लेकिन अब युद्ध के हालातों को देखते हुए इसे फिर से शुरू किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि भारतीय कंपनियों ने ईरान से तेल का इंतजाम कर लिया है और इसके पैसों के भुगतान में अब कोई रुकावट नहीं है। पिछले महीने अमेरिका ने तेल की कमी को दूर करने के लिए ईरानी तेल पर लगे प्रतिबंधों में कुछ समय के लिए ढील दी थी, जिससे यह सौदा आसान हो गया। भारत अब 40 से ज्यादा देशों से तेल खरीदता है। कंपनियों को पूरी छूट है कि वे अपनी जरूरत और फायदे के हिसाब से कहीं से भी तेल मंगवा सकें। कच्चे तेल के साथ-साथ भारत ने ईरान से 44,000 मीट्रिक टन एलपीजी गैस भी खरीदी है। यह गैस एक ऐसे जहाज से आई है जिस पर पहले पाबंदी लगी थी। यह जहाज बुधवार को मंगलौर बंदरगाह पहुंचा और वहां गैस उतारने का काम शुरू हो गया है।

चुनावी रेवड़ियों से राज्यों पर बढ़ता जा रहा कर्ज

लाड़ली बहना के कारण एमपी का कर्ज रेड लाइन में

महाराष्ट्र में भी भारी असर, राशन किट योजना की बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव में फ्री राशन, महिलाओं को नकदी जैसी 'मुफ्त की रेवड़ियों' वाली योजनाएं राज्यों के लिए बड़ा बोझ बन रही हैं। हालत यह है कि इनको पूरा करने के लिए राज्य न पर्याप्त संसाधन जुटा पा रहे हैं और न संतुलित बजट बना पा रहे हैं। कुछ राज्यों में तो इन घोषणाओं का बोझ कुल राजस्व प्राप्तियों के 30 से 40 फीसदी तक पहुंच गया है। हिमाचल जैसे छोटे राज्य में नकदी संकट की विकट स्थिति है। राज्य में सीएम, मंत्री, विधायकों समेत अफसरों के वेतन-पेंशन टालने पड़े। तेलंगाना को चुनावी घोषणाओं के लिए हर साल 1 लाख करोड़ चाहिए, पर बजट की कमी से कई योजनाएं अटकी हैं। मप्र में लाड़ली बहना योजना के चलते जीएसडीपी के

मुकाबले कर्ज 27 से बढ़कर 32 फीसदी पहुंच गया। महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना के दबाव के कारण किट योजना बंद कर दी गई है।

संकट क्यों घोषणाएं ज्यादा कमाई कम

मप्रः लाड़ली बहना, मुफ्त सिलेंडर और बिजली सब्सिडी पर ही सालाना करीब 950 हजार करोड़ खर्च हो रहे। तेलंगानाः नौ चुनावी वादों में 6 लागू। इन पर 950,713 करोड़ सालाना खर्च। बाकी के लिए 40 हजार करोड़ चाहिए। पंजाबः राजस्व प्राप्त 91.26 लाख करोड़। योजनाएं 92.6 लाख करोड़। वेतन - पेंशन, ब्याज पर 90 हजार करोड़। राजस्थानः सड़क, पानी पर होने वाला खर्च का बजट 28 फीसदी तक कम किया। मुफ्त सेनेटरी पैड मिलना बंद।

स्कूल बसों का लंदन जैसा हाईटेक नेटवर्क तेलंगाना में

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद का हाईटेक इलाका 'साइबराबाद' अब बड़े बदलाव की दहलीज पर है। अक्सर ट्रैफिक जाम व स्कूल छोड़ते वक्त होने वाली अफरा-तफरी से जूझने वाले इस क्षेत्र के लिए साइबराबाद पुलिस और 'सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल' (एससीएससी) ने 'लंदन ट्रांसपोर्ट मॉडल' से प्रेरित मास्टरप्लान तैयार किया है। नए 'स्टूडेंट मोबिलिटी सिस्टम' का मकसद जाम खत्म करना, बच्चों की सुरक्षा को अभेद्य बनाना, माता-पिता का तनाव घटाने के साथ स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार के मौके भी पैदा करना भी है। साइबराबाद पुलिस कमिश्नर डॉ. एम. रमेश बताते हैं, 'हाईटेक सिटी और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक का बड़ा हिस्सा स्कूल जाने वाले बच्चों और उन्हें छोड़ने जाने वाले निजी वाहनों का होता है।

एआई से रूटिंग, पुलिस कंट्रोल रूम से कनेक्टिविटी रहेगी

सिस्टम को हाईटेक बनाने के लिए एआई और जीआईएस (जियोग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम) की मदद ली जा रही है। एआई से विश्लेषण होगा कि किस क्षेत्र के छात्र किस स्कूल में जा रहे हैं। उसी आधार पर स्मार्ट रूटिंग की जाएगी। इससे एक ही क्षेत्र के कई स्कूलों के लिए साझा बस रूट तैयार किए जा सकेंगे। इससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी।

एलपीजी के मोर्चे पर फिर से मिली बड़ी खुशखबरी !

- ग्रीन आशा ने पार किया स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, अब तक निकल चुके हैं 9 शिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध खत्म होता नहीं दिख रहा। ऐसे में कई देश एनर्जी क्राइसिस से जूझ रहे हैं। हालांकि, एलपीजी के मोर्चे पर देश के लिए खुशखबरी है। भारतीय ध्वज वाले जहाज ग्रीन आशा ने ईरान के पास मौजूद संकरे समुद्री रास्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव शुरू होने के बाद, यह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकलने वाला भारत का नौवां जहाज है। ईरान ने अमेरिका, इजरायल से युद्ध शुरू होने के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है। इसको दुनिया के एनर्जी सेक्टर के लिए काफी अहम रास्ता माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि विश्व में होने वाले पेट्रोलियम के कुल व्यापार में से 20 फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक,ग्रीन आशा एक एलपीजी टैंकर है और बढ़ते जोखिमों के बावजूद इसका सफलतापूर्वक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार करना, इस क्षेत्र पर भारत की निरंतर निर्भरता को दर्शाता है। मिडिल ईस्ट तनाव ने वैश्विक ईंधन आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है। इससे दुनिया के ऊर्जा बाजार कठिन चुनौती से गुजर रहे हैं। समुद्री आंकड़ों से पता चलता है कि इस मार्ग का इस्तेमाल करने वाले लगभग 60 फीसदी मालवाहक जहाज या तो ईरान से आ रहे हैं या ईरान के लिए ही जा रहे हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारतीय जहाजों की गतिविधि अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है।

अब तक ये भारतीय शिप कर चुके हैं होर्मुज पार

भारतीय ध्वज वाले जहाज ग्रीन आशा ने ईरान के पास मौजूद होर्मुज स्ट्रेट को पार कर लिया है। ग्रीन आशा की यात्रा से पहले, कम से कम आठ भारतीय जहाज इस रूट से गुजर चुके हैं। इनमें एलपीजी ले जाने वाले बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम शामिल थे। जिन्होंने इस संघर्ष क्षेत्र से लगभग 94,000 टन माल का परिवहन किया। मार्च के अंत में, पाइन गैस और जग वसंत सहित चार भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकरों ने तीन दिनों की अवधि में 92,600 टन से अधिक एलपीजी की आपूर्ति की।

ईरान का दावा-एक और अमेरिकी विमान गिराया

- बोला- रेस्क्यू मिशन में शामिल सी-130 को किया जमींदोज

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने रविवार को दावा किया है कि उसने अमेरिकी रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल सी-130 कैटेगरी का एक विमान मार गिराया। फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि यह विमान इस्फहान के दक्षिणी इलाके में लापता अमेरिकी एयरमैन की तलाश में लगा हुआ था। यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ देर पहले ही ट्रम्प ने घोषणा की है कि लापता एयरमैन को स्पेशल ऑपरेशन चलाकर सुरक्षित बचा लिया गया है।

12 हजार करोड़ की लागत ढाई घंटे में पूरा होगा सफर

पीएम मोदी जल्द देने वाले हैं दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। लोग इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। यह एक्सप्रेसवे उत्तर भारत के रोड इंफ्रास्ट्रक्चर में एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा का समय लगभग 2.5 घंटे जाएगा। इससे इस रूट पर आने-जाने वालों को तेज और ज़्यादा बेहतर विकल्प मिलेगा। 210 किलोमीटर का यह कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ेगा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के चालू होने से दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर भीड़ कम होने की उम्मीद है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे 210 किलोमीटर का है। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद यात्रा का समय कम होगा। अभी दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा का समय लगभग 6.5 घंटे है। एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद यात्रा का समय सिर्फ 2.5 घंटे हो जाएगा। इससे टूरिस्टों को भी सबसे अधिक फायदा होगा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे छह-लेन वाला एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर है। इस पर कारों के लिए तय स्पीड लिमिट 100 किमी प्रति घंटा है। यह एक्सप्रेसवे दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर के पास से शुरू होता है और देहरादून पहुंचने से पहले उत्तर प्रदेश के शहरों को जोड़ता है।

मिट्टी में मिले माफिया से कम नहीं था सालार मसूद

सीएम योगी बोले-महाराजा सुहेलदेव ने मसूद को जहन्नुम में भेजा

लखनऊ (एजेंसी)। भारतेंदु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संवेदनशील सरकार ही संकट के समय जनता की रक्षा करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में राजनीतिक कारणों से कई महान नायकों को भुला दिया गया, लेकिन अब उन्हें सम्मान दिलाने का कार्य किया जा रहा है। योगी ने महाराजा सुहेलदेव के शौर्य का उल्लेख करते हुए कहा कि एक हजार वर्ष पूर्व उन्होंने विदेशी आक्रांता सालार मसूद को परास्त कर देश और समाज की रक्षा की थी।

पहले जिस स्थान पर सालार मसूद के नाम पर मेले लगते थे, वहीं अब महाराजा सुहेलदेव के स्मारक पर लोग श्रद्धा व्यक्त करने पहुंच रहे हैं। सीएम योगी ने कहा- सालार मसूद एक माफिया से कम नहीं था। जो माफिया अभी मिट्टी में मिले

हैं, उन्हीं का एक रूप सालार मसूद भी था। इसने न केवल सोमनाथ मंदिर को तोड़ा था, बल्कि अयोध्या में रामजन्मभूमि को भी इसी ने पहली बार क्षतिग्रस्त किया था। महाराज सुहेलदेव ने न सिर्फ उसे मारा था बल्कि ऐसी मौत दी थी जिसे इस्लाम में सबसे खराब माना जाता है। उन्होंने सालार मसूद को लोहे के तवे में बांधकर आग में जलाया था।

1921 की जनगणना का किया उल्लेख

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने 1921 की जनगणना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में अकाल और स्पेनिश फ्लू जैसी महामारी के कारण देश की आबादी बढ़ने के बजाय घट रही थी और तीन करोड़ से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई थी, लेकिन उस समय की सरकार संवेदनहीन बनी रही। उन्होंने कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया लॉकडाउन की स्थिति में थी और प्रवासी श्रमिक अपने घरों को लौट रहे थे, तब राज्य सरकार ने उनके भोजन और सुरक्षित घर वापसी की व्यवस्था की।

- 36 घंटे में दुश्मन के बीच से पायलट को सुरक्षित निकाला

ईरान में सफल रहा अमरीका का 'मिशन पायलट'

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के एक एफ-15 फाइटर जेट को ईरान के ऊपर मार गिराए जाने के 36 घंटे बाद उसके दोनों पायलट को अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने बचा लिया है। शनिवार को स्पेशल कमांडो यूनिट ने दर्जनों लड़ाकू विमानों के साथ ईरान में ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी फोर्स को उस इलाके तक पहुंचने से रोकने के लिए हमले भी किए। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, लेकिन अंत में अमेरिकी टीम पायलट को सुरक्षित निकालने में

सफल रही और सभी सैनिक ईरान से बाहर आ गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया है। अमेरिका और ईरान एयरमैन को ढूंढ़ रहे थे। ईरान की आईआरजीसी भी उसे पकड़ने के लिए वहां पहुंच गई थी।

पैराशूट से उतरने के बाद घायल हुआ था अफसर

अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस ने 3 अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि ईरान ने शुक्रवार को एफ-15 विमान गिरा दिया था। उसमें दो लोग थे। एक मेन पायलट और एक एयरमैन यानी वेपन सिस्टम ऑफीसर (जो हथियारों को ऑपरेट करता है)। मेन पायलट को कुछ घंटों के भीतर ही बचा लिया गया था। लेकिन एयरमैन पैराशूट से उतरने के बाद घायल हो गया। चोट लगने के बावजूद वह चलने की हालत में था। इसके बाद वह ईरान के पहाड़ी इलाके में छिप गया और वहां एक दिन से ज्यादा समय तक पकड़ से बचता रहा।

सबरीमाला में महिलाओं की एंट्री की तैयारी !

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की पीठ करेगी मामले की सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से शुरू हुआ विवाद अब एक ऐतिहासिक संवैधानिक मोड़ पर खड़ा है। 7 अप्रैल 2026 से भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता

- मस्जिदों पर भी होगा असर, 7 अप्रैल की तारीख हो गई तय

वाली 9 जजों की संविधान पीठ उन व्यापक कानूनी सवालों पर सुनवाई शुरू करने जा रही है। यह न केवल हिंदू धर्म, बल्कि मुस्लिम, पारसी और दाऊदी बोहरा समुदायों की धार्मिक प्रथाओं को भी प्रभावित करेंगे। सुप्रीम कोर्ट की यह पीठ केवल सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर विचार नहीं कर रही है। अदालत के सामने असल चुनौती यह तय करना है कि क्या व्यक्तिगत मौलिक

अधिकार किसी समुदाय के धार्मिक अधिकारों से ऊपर हैं। इस फैसले का असर मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश, पारसी महिलाओं के अधिकारों और दाऊदी बोहरा समुदाय में प्रचलित प्रथाओं पर भी पड़ेगा। 2018 में तत्कालीन सीजेआई दीपक मिश्रा की बेंच ने 4-1 के बहुमत से सबरीमाला में सभी आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश की अनुमति दी थी। कोर्ट ने कहा था कि भक्ति को लैंगिक भेदभाव का शिकार नहीं बनाया जा सकता। एकमात्र महिला जज, जस्टिस इंदु मल्होत्रा ने तब असहमति जताते हुए कहा था कि धार्मिक प्रथाओं की तर्कसंगतता की जांच करना अदालतों का काम नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट के सामने होंगे कई सवाल

संविधान पीठ कुछ मुद्दों पर स्पष्टता लाने की कोशिश कर सकती है। धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का दायरा और सीमा क्या है। अनुच्छेद 25 (व्यक्तिगत अधिकार) और अनुच्छेद 26 (धार्मिक संप्रदाय के अधिकार) के बीच तालमेल कैसे बैठेगा। क्या धार्मिक संप्रदाय के अधिकार संविधान के भाग-मौलिक अधिकार के अधीन हैं। अनुच्छेद 25 और 26 में प्रयुक्त नैतिकता शब्द का अर्थ क्या है। क्या इसमें संवैधानिक नैतिकता शामिल है। क्या अदालतें यह तय कर सकती हैं कि कोई धार्मिक प्रथा उस धर्म का अनिवार्य हिस्सा है या नहीं। अनुच्छेद 25(2)(ए) में हिंदुओं के वर्गों का वास्तविक अर्थ क्या है। क्या कोई व्यक्ति जो उस विशेष धार्मिक संप्रदाय का हिस्सा नहीं है।

दिल्ली में पार्किंग विवाद को लेकर महिला सब-इंस्पेक्टर ने बुजुर्ग दुकानदार को थप्पड़ मारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहिणी सेक्टर 7-8 की डिवाइडिंग रोड पर शनिवार रात पार्किंग को लेकर एक विवाद भड़क गया। जानकारी के अनुसार, कार सवार महिला ने 78 वर्षीय एक बुजुर्ग दुकानदार को थप्पड़ मार दिया, जिससे आसपास के दुकानदारों में हंगामा मच गया।घटना के दौरान आरोपित महिला ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए अन्य दुकानदारों को धमकी देना भी शुरू कर दिया। इस पर स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने पर महिला चालक को हिरासत में लिया गया और उससे पूछताछ जारी है। महिला ने अपना नाम सब-इंस्पेक्टर भारती तोमर बताया है। पुलिस ने पीड़ित बुजुर्ग दुकानदार के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना ने इलाके में तनाव पैदा कर दिया था।पुलिस ने लोगों को शांति बनाए रखने और जांच में सहयोग करने की अपील की है।

बहराइच में साधारण प्रिंटर से नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में पुलिस ने जाली मुद्रा तैयार करने और उसे बाजार में खपाने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी किसी अत्याधुनिक या हाईटेक मशीन के बजाय एक साधारण कलर प्रिंटर का इस्तेमाल कर नकली नोट छाप रहे थे। ये आरोपी इन नोटों को स्थानीय बाजारों में असली बताकर चला भी रहे थे।पुलिस ने कार्रवाई के दौरान इस गैंग के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से 500 रुपये के 23 नकली नोट बरामद हुए हैं, जिनकी कुल कीमत 11,500 रुपये है। इसके साथ ही पुलिस ने वह कलर प्रिंटर भी जब्त कर लिया है, जिसका उपयोग नोटों की छपाई के लिए किया जा रहा था। बहराइच के पुलिस अधीक्षक विजयजीत श्रीवास्तव ने बताया कि खैरिघाट इलाके में शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई थी, जिसमें चारों आरोपियों को रंगे हाथ दबोचा गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुरूचरण सिंह उर्फ विजय, सलीम उर्फ सूरज, हरिराम लोधी और अर्जुन के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया है कि वे कलर प्रिंटर की मदद से नोट तैयार करते थे। उनकी कार्यप्रणाली यह थी कि वे नकली नोटों को असली जैसा दिखाने के लिए उन्हें छोटे-छोटे लेनदेन में इस्तेमाल करते थे, ताकि किसी को उन पर शक न हो। गिरोह अक्सर भीड़भाड़ वाले बाजारों और छोटी दुकानों को निशाना बनाता था, जहां व्यस्तता के कारण लोग नोटों की बारीकी से जांच नहीं कर पाते थे। इस सफल ऑपरेशन के बाद पुलिस अब इस नेटवर्क की गहराई तक जाने में जुटी है। जांच का मुख्य केंद्र यह है कि यह गिरोह कब से सक्रिय था और अब तक कितनी नकली करंसी बाजार में खपा चुका है। साथ ही पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि क्या इस रैकेट के तार अन्य जिलों या राज्यों से भी जुड़े हैं। फिलहाल, चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि वे बड़े नोटों का लेनदेन करते समय सतर्क रहें और उनकी प्रामाणिकता की जांच अवश्य करें।

माओवादी प्रशांत की अस्पताल में मौत, शव लेने नहीं पहुंचा परिवार का कोई सदस्य

-जेल में बंद पत्नी ने पत्र लिखकर कहा- प्रशासन करे अंतिम संस्कार की व्यवस्था

रांची(एजेंसी)। भाकपा माओवादी के वरिष्ठ नेता और पोलित ब्यूरो सदस्य प्रशांत बोस का 3 अप्रैल को निधन हो गया। उनके निधन के बाद अंतिम संस्कार को लेकर प्रशासन के सामने एक खास स्थिति बन गई, क्योंकि उनके परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं है।उनके निधन के बाद उनका शव रिम्स की मोर्चरी में रखा गया है।इस बीच उनकी पत्नी शीला मरांडी, जो खुद भी माओवादी संगठन की नेता हैं और फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय जेल में बंद हैं, उन्होंने जेल प्रशासन के जरिए जिला प्रशासन को पत्र भेजा है। उन्होंने पत्र में कहा है कि उनके पति का कोई अन्य परिजन नहीं है, इसलिए प्रशासन ही उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था करे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशांत बोस पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के यादवपुर इलाके के रहने वाले थे। उन्हें 12 नवंबर 2021 को झारखंड पुलिस ने सरायकेला जिले के कांड्रा स्थित मुंडरी चेक पोस्ट के पास गिरफ्तार किया था। उस समय उनके साथ उनकी पत्नी शीला मरांडी और चार अन्य माओवादी भी पकड़े गए थे। गिरफ्तारी के वक्त प्रशांत बोस पर सरकार ने एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया था। बताया जाता है कि वह उस समय इलाज कराने जा रहे थे। गिरफ्तारी से पहले उन्होंने कई राज्यों में नक्सल गतिविधियों को फैलाने में अहम भूमिका निभाई थी। झारखंड में उनके खिलाफ 70 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वहीं, उनकी पत्नी शीला मरांडी भी माओवादी संगठन की सेंट्रल कमेटी की सदस्य और नारी मुक्ति संघ की प्रमुख रह चुकी हैं फिलहाल वह जेल में बंद हैं।

हिंद महासागर में 4.2 तीव्रता का आया भूकंप, जान-माल का नुकसान नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। रविवार तड़के हिंद महासागर में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिसने क्षेत्र में भूगर्भीय हलचल पैदा की। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक यह भूकंप समुद्र तल से करीब 90 किलोमीटर की गहराई पर आया। सुबह के समय आए इस भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। विशेषज्ञों ने इसे सामान्य और कम तीव्रता वाला भूकंप बताया है, जिसके कारण किसी बड़े खतरे की संभावना नहीं बनी। साथ ही, किसी भी प्रकार की सुनामी चेतावनी भी जारी नहीं की गई है।हालांकि वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्र के अंदर होने वाली ऐसी हलचलें भूगर्भीय गतिविधियों का संकेत होती हैं, जिन पर लगातार निगरानी बनाए रखना जरुरी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप केवल सतह पर ही नहीं, बल्कि पृथ्वी के अंदर कई गहराइयों पर भी उत्पन्न होते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भूकंपों को उनकी गहराई के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है। उथले भूकंप सतह से 70 किलोमीटर तक की गहराई में आते हैं, मध्यवर्ती भूकंप 70 से 300 किलोमीटर के बीच और गहरे भूकंप 300 से 700 किलोमीटर तक की गहराई में उत्पन्न होते हैं।वर्तमान भूकंप मध्यवर्ती श्रेणी में आता है, जो अपेक्षाकृत कम विनाशकारी होता है। हिंद महासागर का क्षेत्र भूगर्भीय दृष्टि से अत्यंत सक्रिय है।

सरकार ने की अपील: पैनिक न हों देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है, अफवाहों से बचें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट में उत्पन्न बाधाओं के बीच, भारत सरकार ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि देश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और सुचारू है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर नागरिकों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पैनिक बाइंग यानी घबराहट में खरीदारी न करने की पुरजोर अपील की है।

सरकार ने भरोसा दिलाया है कि पेट्रोलियम उत्पादों से लेकर कुकिंग गैस तक की उपलब्धता बिना किसी रुकावट के बनी हुई है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सरकार घरेलू एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस की आपूर्ति को घरों, अस्पतालों और अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कर रही है। रिफाइनरी उत्पादन बढ़ाकर मांग को नियंत्रित करने के लिए विशेष उपाय लागू किए गए हैं, जिसमें एलपीजी रिफिलिंग के अंतराल को

व्यवस्थित करना भी शामिल है। सरकार ने लोगों से आग्रह किया है कि वे केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें और ऊर्जा संरक्षण पर ध्यान दें।ईंधन की कालाबाजारी और अवैध जमाखोरी को रोकने के लिए सरकार सख्त कदम उठा रही है। जारी रिपोर्ट के अनुसार, अब तक देश भर में 3,700 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की गई है। इस कार्रवाई के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले एलपीजी वितरकों को लगभग 1,000 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं और अब तक 27 डीलरों के लाइसेंस निलंबित किए जा चुके हैं। सरकार ने साफ कर दिया है कि संकट का फायदा उठाने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मंत्रालय द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद वितरण केंद्रों पर एलपीजी की कमी की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। बीते शुक्रवार को ही देशभर में करीब 51 लाख एलपीजी सिलेंडर बांटे गए, जिनमें से 95 प्रतिशत मांग ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरी की गई। एहतियात के तौर पर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई को फिलहाल 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया है और विकल्प के रूप में केरोसिन व कोयले जैसे ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। मंत्रालय ने अंत में पुष्टि की है कि सभी रिफाइनरियां कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार के साथ काम कर रही हैं और देश भर के पेट्रोल पंप पूरी तरह से भरे हुए हैं, इसलिए घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

हमें पैसे नहीं चाहिए, सच्चाई जाननी है, ब्लैक बॉक्स रिकॉर्डर डेटा सार्वजनिक किया जाए

-अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ित परिवारों ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान हादसे के 10 महीने बाद करीब 30 पीड़ित परिवारों ने शनिवार को पीएम मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने मोदी से फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर डेटा सार्वजनिक करने की मांग की है।परिजनों ने कहा कि हमें पैसे नहीं चाहिए।हमें सच्चाई जाननी है। हम जानना चाहते हैं कि हादसा क्यों हुआ और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी। परिजनों का कहना है कि अगर ब्लैक बॉक्स डेटा सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, तो कम से कम इसे निजी तौर पर परिवारों के साथ साझा किया जाए। बता दें 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहा बोइंग 787-8 विमान टेकऑफ के तुरंत बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिर गया था। इस हादसे में 241 यात्री और 19 अन्य लोगों समेत कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। पीड़ित परिवारों ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में एअर इंडिया की तरफ से मदद की कमी का आरोप लगाया। हादसे में अपनी मां को खोने वाली किंजल पटेल ने एअर इंडिया की वेबसाइट के इस्तेमाल में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया, जहां पीड़ितों के सामान की पहचान करनी होती है। उन्होंने कहा कि वेबसाइट पर 25,000 से ज्यादा सामानों की लिस्ट हैं, लेकिन तस्वीरें साफ नहीं हैं। इससे कुछ भी ढूंढ पाना या पहचान कर पाना नामुमकिन है। वहीं अपनी मां, भाई और बेटी को खोने वाले खेड़ा के रोमिन वोरा ने बताया कि डिजिटल साधनों की जानकारी न होने के कारण कई परिवारों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक ईमेल आईडी है और जवाब आने में 15 दिन तक लग जाते हैं। गांव के कई लोग ईमेल इस्तेमाल करना भी नहीं जानते। उन्होंने यह भी कहा कि वेबसाइट पर निजी सामान को सार्वजनिक रूप से दिखाना असंवेदनशील है। पीड़ित परिवारों ने पत्र की कॉपी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो, डीजीसीए और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को भी भेजी हैं। इस मामले में एअर इंडिया की प्रतिक्रिया का इंतजार है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने पिछले साल जुलाई में प्लेन क्रैश की शुरुआती जांच रिपोर्ट सौंपी थी। फाइनल रिपोर्ट इस साल जून में यानी हादसे की पहली बरसी के आसपास आने की संभावना है।

केरल में शशि थरूर के साथ अभद्रता और काफिला रोकने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

-पुलिस ने मामला दर्ज कर अन्य आरोपियों की कर रही तलाश

वंडूर (एजेंसी)। केरल में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के साथ चुनाव प्रचार के दौरान अभद्रता और काफिला रोकने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना शनिवार को केरल के वंडूर क्षेत्र में हुई थी, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई। पुलिस के मुताबिक चेल्लिथोडु इलाके में कुछ युवकों ने शशि थरूर के काफिले को रोक लिया और उनके साथ गाली-गलौज की थी। घटना के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया, जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने स्थिति को संभाला। मामले में थरूर के गनमैन की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि घटना के समय शशि थरूर यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के उम्मीदवार एपी अनिल कुमार के समर्थन में प्रचार कर रहे थे। इस दौरान उनका काफिला जैसे ही चेल्लिथोडु क्षेत्र से गुजर रहा था, कुछ युवकों ने रास्ता रोककर विरोध प्रदर्शन किया। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता थरूर ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि इससे उनके चुनाव प्रचार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वे अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक अभियान जारी रखेंगे।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। साथ ही बाकी आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें केरल में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ऐसे में चुनावी माहौल के बीच इस तरह की घटनाएं प्रशासन के लिए चुनौती बन सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जैसे-जैसे मतदान की तारीख करीब आ रही है, राज्य में चुनावी गतिविधियां तेज हो रही हैं और इसके साथ ही तनाव की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में प्रशासन और राजनीतिक दलों दोनों की जिम्मेदारी है कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो।

मच्छरों के आतंक पर अनोखा प्रदर्शन, विधायक ने मच्छरदानी पहनकर सरकार को घेरा

हैदराबाद (एजेंसी)। शहर में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और इससे फैलने वाली बीमारियों को लेकर विपक्ष ने एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक देविरेड्डी सुधीर रेड्डी गुरुवार को मच्छरदानी से बना कपड़ा पहनकर मीडिया के सामने पहुंचे। इस अनूठे लिबास में उन्होंने तेलंगाना की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और शहर की चिंताजनक स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया।

सुधीर रेड्डी ने आरोप लगाया कि हैदराबाद के नागरिक मच्छरों के बढ़ते आतंक से बेहाल हैं और रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार इस समस्या पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल रही है। विधायक ने दावा किया कि उनकी पार्टी के शासनकाल में झीलों और जलाशयों में मच्छरों को रोकने के लिए पांच चरणों वाली एक वैज्ञानिक प्रणाली लागू की गई थी, जिससे मच्छरों की संख्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया था। उनका आरोप है कि वर्तमान सरकार ने उन प्रभावी उपायों को बंद कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप अब शहर में मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के मामलों में भारी वृद्धि देखी जा रही है। विधायक ने ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) पर भी लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नगर निकाय पर्याप्त फॉगिंग और एंटी-लार्वा अभियान चलाने में नाकाम रहा है, जिससे सरकारी अस्पतालों में बुखार के मरीजों की कतारें लंबी होती जा रही हैं। रेड्डी ने मांग की कि सरकार तत्काल बीआरएस शासनकाल के वैज्ञानिक नियंत्रण उपायों को फिर से शुरू करे

और एक आपातकालीन योजना बनाकर जनता को राहत दिलाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते मच्छर नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए, तो हैदराबाद की एक वैश्विक शहर के रूप में बनी छवि को गहरा नुकसान पहुंच सकता है। हालांकि, विपक्षी विधायक के इन गंभीर आरोपों और अनोखे प्रदर्शन पर फिलहाल सत्ताधारी दल या नगर निगम प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

उत्तर भारत में तूफानी बारिश का कहर, यूपी-बिहार समेत 9 राज्यों में ओलावृष्टि का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मौसम में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। एक के बाद एक सक्रिय हुए दो पश्चिमी विक्षोभों ने गर्मी के तेवरों को ढीला कर दिया है। मार्च के अंत में जहां भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी थी, वहीं अप्रैल की शुरुआत बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ हुई है। मौसम विभाग ने 5 अप्रैल को दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब समेत देश के 9 राज्यों में आंधी और बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बेमौसम की इस मार ने आम जनजीवन को प्रभावित करने के साथ-साथ किसानों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। राजधानी दिल्ली में शनिवार को हुई जोरदार बारिश के बाद रविवार को भी ठंडी हवाओं का दौर जारी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 7 अप्रैल को दूसरा पश्चिमी विक्षोभ अपने चरम पर होगा, जिसके प्रभाव से 8 अप्रैल तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। हालांकि 6 अप्रैल को हल्की राहत की उम्मीद है, लेकिन बिजली गिरने की चेतावनी के चलते लोगों को बेवजह घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। राजस्थान के कई हिस्सों में कुदरत का अलग ही रूप देखने को मिला है, जहां भारी ओलावृष्टि के कारण जमीन पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। बीकानेर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर जैसे संभागों में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। वहीं, उत्तर प्रदेश के झांसी, मुजफ्फरनगर और अलीगढ़ जैसे पश्चिमी जिलों के साथ-साथ लखनऊ और कानपुर में भी मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। बिहार के पटना, गया और चंपारण इलाकों में भी बादलों की आवाजाही और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। पहाड़ी राज्यों का हाल भी जुदा नहीं है।

सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश पर सुप्रीम कोर्ट के 9 जज करेंगे सुनवाई, मस्जिदों पर भी असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में 7 अप्रैल 2026 का दिन एक बड़े संवैधानिक बदलाव का गवाह बनने जा रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ उन जटिल और व्यापक कानूनी सवालों पर सुनवाई शुरू करेगी, जिनका सीधा असर हिंदू, मुस्लिम, पारसी और दाऊदी बोहरा समुदायों की धार्मिक प्रथाओं पर पड़ना तय है। यह मामला केवल सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब यह एक ऐसी बड़ी बहस बन चुका है जो व्यक्तिगत अधिकारों और धार्मिक स्वायत्तता के बीच की रेखा स्पष्ट करेगा।

अदालत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि क्या किसी व्यक्ति के मौलिक अधिकार किसी समुदाय के सामूहिक धार्मिक अधिकारों से ऊपर हो सकते हैं। इस सुनवाई का प्रभाव मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश, गैर-पारसी व्यक्ति से विवाह करने वाली पारसी महिलाओं के अग्नि मंदिर में प्रवेश के अधिकार और दाऊदी बोहरा समुदाय में प्रचलित प्रथाओं की वैधता पर भी पड़ेगा। गौरतलब है कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने 4-1 के बहुमत से सबरीमाला में सभी आयु वर्ग

की महिलाओं के प्रवेश की अनुमति दी थी, तब कोर्ट ने कहा था कि भक्ति को लैंगिक आधार पर विभाजित नहीं किया जा सकता। हालांकि, 2019 में कोर्ट ने महसूस किया कि इस मुद्दे के तार कई अन्य धर्मों की प्रथाओं से भी जुड़े हैं, जिसके बाद इसे बड़ी बेंच को भेज दिया गया था।

सीजेआई सूर्य कांत के नेतृत्व वाली इस नई बेंच में जस्टिस बीवी नागरत्ना सहित देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के अनुभवी जज शामिल हैं। पीठ मुख्य रूप से संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 की व्याख्या करेगी। अदालत यह देखेगी कि धार्मिक स्वतंत्रता का दायरा क्या है और इसमें प्रयुक्त नैतिकता शब्द का अर्थ संवैधानिक नैतिकता है या सामाजिक। साथ ही, यह भी तय किया जाएगा कि क्या अदालतें यह निर्धारित करने का अधिकार रखती हैं कि कोई प्रथा किसी धर्म का अनिवार्य हिस्सा है या नहीं। इस मामले में अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और कई जैन संगठनों ने भी हस्तक्षेप किया है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि जो प्रथाएं महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती हैं, उन्हें धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं माना जा सकता। वहीं, धार्मिक संस्थाओं का कहना है कि धर्म की अपनी आंतरिक स्वायत्तता होती है और सदियों पुरानी परंपराओं में न्यायिक हस्तक्षेप उचित नहीं है। 7 अप्रैल से शुरू होने वाली यह दैनिक सुनवाई तय करेगी कि भविष्य का भारत संवैधानिक मूल्यों और धार्मिक मान्यताओं के बीच कैसा संतुलन बनाएगा।

दुष्कर्मी खरात पुलिस के चंगुल में... वीरान पड़ा मंदिर और फार्महाउस 'ब्रह्मसदन'

फार्महाउस का गार्डन एरिया चीकू, बेल, अंगूर और 5 हजार आम के पेड़

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले के मीरगांव में मौजूद ईशान्येश्वर महादेव मंदिर और अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का 20 एकड़ का फार्महाउस 'ब्रह्मसदन' में अब सन्नाटा पसरा हुआ है। खरात के 58 अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद मंदिर और फार्महाउस चर्चा में आए। मंदिर कभी वीआईपी और नेताओं के लिए आकर्षण था, लेकिन अब पुजारी भी सुरक्षा और पूछताछ के डर से नियमित पूजा नहीं हो रही हैं।

पुजारी का कहना है कि मंदिर में कभी भी कोई अश्लील घटना नहीं हुई। मंदिर में विशेष पूजा केवल बड़े नेता और वीआईपी के आने पर होती थी। फरार पत्नी और पुलिस हिरासत में बेटे के कारण अब मंदिर में कोई भक्त नहीं आता। 18 मार्च को खरात की गिरफ्तारी के बाद एसआईटी ने फार्महाउस की 8 घंटे तक पूछताछ की, जहां रिवॉल्वर, 21 कारतूस और विजिटर बुक मिली। फार्महाउस अब

पुलिस द्वारा सील है।

फार्महाउस का गार्डन एरिया चीकू, बेल, अंगूर और रसभरी के पेड़ों से भरा है, और 5,000 आम के पेड़ों का बाग भी इस फार्महाऊस में मौजूद है। स्थानीय लोग आरोप लगाते हैं कि खरात ने नदी के बहाव और ग्राम जमीन पर कब्जा किया। 2004-05 में खरात ने गांव और आसपास की करीब 50 एकड़ जमीन खरीदी। उनका मंदिर निर्माण और संपत्ति बढ़ाना लोगों के लिए परेशानी बन गया।

स्थानीय पुलिस का कहना है कि गांववालों से कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली, जबकि सरकार ने उनके शिवनिका संस्थान को पानी की आपूर्ति दी थी, इस फिलहाल बंद किया गया है। गांव वाले बताते हैं कि खरात की लाइफस्टाइल बेहद आलीशान थी, जिसमें मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू और फॉर्च्युनर जैसी गाड़ियां शामिल थीं।

इस घटना से गांव का माहौल बदल गया है। मंदिर और फार्महाउस, जो पहले श्रद्धालुओं और वीआईपी के लिए केंद्र थे, अब खामोशी और पुलिस निगरानी के तहत हैं। खरात के खिलाफ 10 मामले दर्ज हैं, जिनमें 8 सेक्सुअल हैरेसमेंट से संबंधित हैं। एसआईटी लगातार जांच कर रही है और अब तक उनकी 1,500 करोड़ रुपए की संपत्ति का खुलासा हो चुका है। मंदिर और फार्महाउस का यह उजाड़ हाल ग्रामीण और श्रद्धालुओं के लिए एक चेतावनी बन गया है कि किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा उसके कृत्यों से प्रभावित हो सकती है। स्थानीय लोग और पुजारी अब केवल पुलिस जांच पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं।

तमिलनाडु में जोर पकड़ रही हिंदू पॉलिटिक्स, वैचारिक कट्टरता पर भारी पड़ती चुनावी रणनीति

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति ऐतिहासिक रूप से आत्म-सम्मान आंदोलन, तर्कवाद और नास्तिकता के स्तंभों पर टिकी रही है। लेकिन 2026 के चुनावी समर में राज्य की राजनीतिक जमीन पर एक अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिल रहा है। जो नेता कल तक धार्मिक कर्मकांडों और रूढ़ियों के मुखर विरोधी हुआ करते थे, वे आज मंदिरों की चौखट पर नतमस्तक नजर आ रहे हैं। यह बदलाव द्रविड़ राजनीति के गढ़ में एक नई वैचारिक दिशा की ओर इशारा करता है, जिसे जानकार सॉफ्ट हिंदुत्व और सर्व-समावेशी छवि बनाने की कवायद मान रहे हैं।

द्रमुक के प्रमुख चेहरे और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, जो पूर्व में सनातन धर्म और धार्मिक प्रथाओं पर अपनी विवादित टिप्पणियों के लिए चर्चा में रहे हैं, हाल ही में अपने निर्वाचन क्षेत्र के मंदिर में पूजा-अर्चना करते देखे गए। द्रविड़ विचारधारा के कट्टर समर्थक माने जाने वाले उदयनिधि का यह बदला हुआ स्वरूप चौंकाने वाला है। इसी तरह, पूर्व सांसद डॉ. सेंथिल कुमार, जो पहले सरकारी परियोजनाओं में भूमि पूजन और धार्मिक अनुष्ठानों का विरोध कर विवादों में घिरे थे, अब चुनाव प्रचार के दौरान सक्रिय रूप से मंदिरों का दौरा कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि नेता अब बहुसंख्यक मतदाताओं को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहते। इस बार के चुनाव में धार्मिक सीमाओं का धुंधला होना एक बड़ा ट्रेंड बनकर उभरा है। चुनावी रैलियों में जहां मुस्लिम उम्मीदवार माथे पर विभूति लगाए नजर आ रहे हैं, वहीं हिंदू उम्मीदवार मस्जिदों में जाकर वोट मांग रहे हैं। यह रणनीतिक बदलाव केवल धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि जातिगत समीकरणों को साधने के लिए भी इस्तेमाल किया जा रहा है। थेवर समुदाय से आने वाले मंत्री थंगम थेनारासु का दलित नेता इमैनुएल सेकरन के स्मारक पर जाना इस बात का प्रमाण है कि पार्टियां अब केवल अपने पारंपरिक वोट बैंक के भरोसे नहीं रहना चाहतीं। विशेषज्ञों का मानना है कि तमिलनाडु में सांप्रदायिक रेखाएं भले ही पहले से बहुत गहरी न रही हों, लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में दलित और अल्पसंख्यक वोटों की गोलबंदी के लिए प्रतीकों का सहारा लेना जरूरी हो गया है। राजनीति में प्रतिद्वंद्विता के बीच मानवीय गरिमा के उदाहरण भी सामने आ रहे हैं। गुम्मिडीपूंडी में अन्नाद्रमुक उम्मीदवार वी. सुधाकर द्वारा अपने प्रतिद्वंद्वी द्रमुक उम्मीदवार के पैर छूकर आशीर्वाद लेना यह दर्शाता है कि उम्मीदवार अपनी छवि को विनम्र और सुसंस्कृत बनाने पर जोर दे रहे हैं। 2026 का यह चुनाव निश्चित रूप से वैचारिक कट्टरता के बजाय व्यावहारिक राजनीति और समावेशी रणनीतियों के नए अध्याय के रूप में याद किया जाएगा।

महर्षि कश्यप जयंती समारोह : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पहुंचे गाजियाबाद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महर्षि कश्यप जयंती के अवसर पर गाज़ियाबाद में जगह-जगह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। घंटाघर रामलीला मैदान में राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पहुंचे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दिव्यांगजनों को 319 सहायक उपकरण वितरित किए। इनमें 80 ट्राईसाइकिल/बैसाखी, 40 व्हीलचेयर, 74 कान की मशीन, 40 सेंसर स्टिक, 40 स्मार्ट केन, 20 टीएलएम किट तथा 25 कृत्रिम हाथ/पैर शामिल रहे। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं - भागीरथ सेवा संस्थान, इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन सेंटर, आनंदा ट्रेनिंग सेंटर एवं अद्वैत संस्थान द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में दिव्यांग बच्चों द्वारा तैयार की गई हस्तनिर्मित वस्तुओं को देखकर उन्होंने उनके कौशल, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास की सराहना की। नीव शक्ति संस्थान के मूक-बधिर बच्चों द्वारा सारे जहाँ से अच्छा गीत की सांकेतिक भाषा में प्रस्तुति ने सभी को भावविभोर कर दिया, वहीं भागीरथ सेवा संस्थान के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक को भी दर्शकों ने खूब सराहा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार उनके समग्र विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु विभिन्न योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। राज्य मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने एवं उन्हें सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए सतत प्रयासरत है। कार्यक्रम में विधायक संजीव शर्मा, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नगीना में पुलिस और गो-तस्करों के बीच मुठभेड़, दो हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, एक घायल

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना थाना क्षेत्र में पुलिस और गो-तस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में दो शातिर हिस्ट्रीशीटरों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में गोवंशीय मांस, तस्करी में प्रयुक्त कार, अवैध तमंचा और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। क्षेत्राधिकारी नगीना अंजनी कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ तस्कर गोवंशीय मांस की खेप लेकर क्षेत्र से गुजरने वाले हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुख्मापुर गांव के जंगल में सघन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने भागने का प्रयास किया और पुलिस वाहन से टकराकर गिर गया। इस बीच कार में सवार अन्य तस्करों ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक अभियुक्त के पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद भी दोनों बदमाशों को मौके पर ही दबोच लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान वाहिद उर्फ टल्ली और अल्ताफ निवासी मोहल्ला कलालान, नगीना के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी नगीना थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं। वाहिद उर्फ टल्ली के विरुद्ध लगभग 20 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जबकि अल्ताफ पर 14 मुकदमे विभिन्न धाराओं में दर्ज हैं।

मौके से पुलिस ने एक अवैध तमंचा, खोखा कारतूस, गो-कशी में प्रयुक्त उपकरण तथा भारी मात्रा में गोवंशीय मांस बरामद किया है। घटना के बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ की जा रही है, जिससे इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और गोवंशीय मांस की सप्लाई चेन का खुलासा हो सके। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

महर्षि कश्यप व निषाद महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई गई, बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का आह्वान

बिजनौर (शिखर समाचार)। महर्षि कश्यप एवं निषाद महाराज की जयंती के अवसर पर इंदिरा बाल भवन में कश्यप समाज द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के गणमान्य लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और शिक्षा के महत्व पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के माध्यम से समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक उत्थान का संदेश दिया गया। इंदिरा बाल भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास की नींव होती है। बिना शिक्षा के समाज प्रगति के पथ पर आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। समाज के प्रत्येक परिवार को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों को भी समान रूप से शिक्षा के अवसर प्रदान करें। वक्ताओं ने युवाओं को नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, संस्कार और अनुशासन को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन दीपक कुमार कश्यप ने प्रभावी ढंग से किया। इस अवसर पर हिमांशु कश्यप, ओमपाल सिंह कश्यप (जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय लोकदल), भूपेंद्र कश्यप (संगठन अध्यक्ष, निषाद पार्टी), नवीन कश्यप, मोहन सिंह कश्यप, पवन कश्यप, तरुण कश्यप, नरेश कश्यप, जीत सिंह कश्यप, धनीराम कश्यप, सुभाष प्रधान, प्रीतम सिंह कश्यप, राहुल कश्यप, राशी रानी कश्यप, सविता कश्यप, लाल सिंह कश्यप, अमित कश्यप, रोनी कश्यप, लाबन सिंह कश्यप (गायक), कैलाश कश्यप (ठेकेदार),

शिव कुमार कश्यप तथा कुशल पाल कश्यप सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें समाज की परंपराओं, इतिहास और सांस्कृतिक मूल्यों की सुंदर झलक देखने को मिली। झांकियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया और समाज की एकजुटता का संदेश दिया।

इसके उपरांत महर्षि कश्यप व निषाद महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए निकली। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए और पूरे उत्साह, श्रद्धा एवं उल्लास के साथ जयंती समारोह मनाया गया। पूरे आयोजन के दौरान सामाजिक समरसता, भाईचारे और शिक्षा के प्रति जागरूकता का वातावरण बना रहा।

गुरु अभिनंदन समारोह में उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

हापुड़ (शिखर समाचार)। एटीएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में गुरु अभिनंदन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उनकी भूमिका को सम्मान देना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि मजिस्ट्रेट अभिषेक त्यागी, संस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल, सचिव रजत अग्रवाल और महानिदेशक डॉ. मनोज कुमार सिंह सहित कई गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

मुख्य अतिथि अभिषेक त्यागी ने कहा कि शिक्षा समाज की प्रगति की आधारशिला है और शिक्षक उसके सशक्त स्तंभ हैं। ऐसे आयोजन शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हैं और उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।

संस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने शिक्षकों को समाज की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति बताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थी सफलता की राह पर आगे बढ़ते हैं। वहीं, महानिदेशक डॉ. मनोज कुमार सिंह ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण का आधार स्तंभ बताया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्य, नवाचार और विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही शिक्षा में नवाचार, संस्थागत सहयोग और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। अंत में अतिथियों और सम्मानित शिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

भाजपा जिला कार्यकारिणी में उपाध्याय समाज को प्रतिनिधित्व मिलने पर सम्मान समारोह आयोजित

शामली (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय योगी नाथ उपाध्याय समाज सेवा संगठन के तत्वावधान में भाजपा जिला कार्यकारिणी में उपाध्याय समाज को प्रतिनिधित्व मिलने के उपलक्ष्य में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इसे सामाजिक एकता व सम्मान का प्रतीक बताया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में योगी तेजपाल उपाध्याय तथा एमएलसी वीरेंद्र सिंह मौजूद रहे। इसके अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप और मानस संगल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि उपाध्याय समाज गुरु गोरखनाथ की परंपरा से जुड़ा एक संगठित, जागरूक और प्रगतिशील समाज है, जो शिक्षा, खेल और राजनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगातार अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। एमएलसी वीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह सम्मान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज के सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज की भागीदारी से ही लोकतंत्र मजबूत होता है। वहीं योगी तेजपाल उपाध्याय ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि समाज की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है, और इसी के बल पर समाज निरंतर आगे बढ़ सकता है। कार्यक्रम के संयोजक अनिल उपाध्याय रहे, जबकि मंच संचालन मास्टर तेजपाल सिंह ने कुशलतापूर्वक किया। समारोह की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राम किशन उपाध्याय ने की। इस अवसर पर संजय उपाध्याय, केपी भट्टी, रामपाल योगी, डिंपल उपाध्याय, सत्येंद्र नारायण, रमेश प्रधान, सुनील कुमार, रामवीर, ललित उपाध्याय, विनोद प्रमुख, श्रीपाल आर्य, अभय तोमर, नीतू कश्यप, निशिकांत संगल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अमेरिका की कार्यशैली पर इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी का तीखा प्रहार, यूएनओ को भेजा ज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी ऑफ इंडिया एवं हिंदू संगठन के पदाधिकारियों की गढ़ रोड स्थित वुड इंडिया में बैठक आयोजित की गई, जिसमें ईरान अमेरिका इस्राइल युद्ध को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई। बैठक में अमेरिका की कार्यशैली की कड़ी निंदा करते हुए इसे विश्व पर जबरन थोपा गया संघर्ष बताया गया। वक्ता नरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि इस युद्ध का मुख्य सूत्रधार अमेरिका है, जो वैश्विक स्तर पर गुंडागर्दी जैसी नीति अपनाते हुए विश्व शांति को खतरे में डाल रहा है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के कारण कई देशों में व्यापारिक गतिविधियां ठप हो रही हैं और मानवता पर गंभीर संकट मंडरा रहा है।

बैठक में संयुक्त राष्ट्र संगठन (यूएनओ) को ज्ञापन भेजकर तत्काल युद्धविराम कराने और विश्व को विनाश से बचाने की मांग की गई। इसके साथ ही सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई, जिसमें बच्चों की शादी में हो रही देरी को लेकर चिंता व्यक्त की गई।

इस अवसर पर रविंद्र गुप्ता, ब्रिज मोहन अग्रवाल, शरद अग्रवाल, राम सर्राफ, वीरेंद्र कुमार, पंकज अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल चोटी, पुनीत गर्ग, अर्चना कंसल, पूनम गुप्ता, शिल्पी गर्ग, अनिता गुप्ता, महेंद्र शर्मा, विमेश गोयल, गिरीश अग्रवाल, लच्छीराम कंसल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

बैटरी चोरी करने वाले 3 अभियुक्तों को कौशांबी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना कौशांबी पुलिस ने चैकिंग के दौरान बैटरी चोरी करने वाले 3 अभियुक्त शहजाद, कन्हैया और शहजादा को चेकिंग के दौरान अंसल कट से गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 2 लिथियम टावर बैटरी, 1 कैपेसीटर, 1 अन्य बैटरी, 30 दुपहिया वाहन बैटरी , 1 इलेक्ट्रिक तराजू व घटना में प्रयुक्त 1 वाहन बरामद किया। खास बात यह है कि यह गैंग रोड किनारे खड़े दोपहिया वाहनों को निशाना बनाता था। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि अंसल कट के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध श्री व्हीलर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब श्री व्हीलर की जांच की तो उसमें बड़े पैमाने पर बैटरी मौजूद थी। पूछताछ करने पर पता चला कि यह सभी बैटरी चोरी की है,

जिसके बाद तीनों को गिरफ्तार करते हुए कार्यवाही शुरू की गई। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने मेरठ में टावर से यह बैटरी चोरी की थी और दो पहिया वाहनों की बैटरी रोड किनारे खड़े वाहनों से चोरी की है। इन सभी बैटरी को वह दिल्ली बेचने के लिए जा रहे थे।

प्रतिबंधित लकड़ियों से भरी तीन बुग्गियां पकड़ी गईं, वन विभाग की सख्त कार्रवाई

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर वन रेंज की टीम ने अवैध कटान के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए रामजीवाला बीट क्षेत्र से प्रतिबंधित लकड़ियों से भरी तीन बुग्गियां पकड़ लीं। वन विभाग ने तीनों बुग्गियों को जब्त कर सीज कर दिया है। वन क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि अभियान के दौरान गश्त करते समय टीम को रामजीवाला बीट से संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर जांच की गई तो तीन बुग्गियों में कुकाट प्रजाति की प्रतिबंधित लकड़ी भरी मिली, जिसे अवैध रूप से जंगल से काटकर लाया जा रहा था। जांच में सामने आया कि ये तीनों बुग्गियां ग्राम पक्कातालाब निवासी सलमान, ताहिर और सईद अहमद की हैं। वन विभाग की टीम ने तीनों को पकड़कर रेंज कार्यालय लाया और बुग्गियों को सीज कर दिया। प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला कि ये लकड़ियां जंगल से अवैध रूप से काटकर कस्बे में अलग अलग स्थानों पर बेची जाती थीं। वन विभाग ने इस कार्रवाई के साथ ही कस्बे में स्थित एक लकड़ी की टाल पर भी छापेमारी की, जहां से संदिग्ध लकड़ी बरामद कर रेंज कार्यालय में जमा कराई गई। संबंधित संचालक को कड़ी चेतावनी दी गई कि अवैध रूप से काटी गई लकड़ियों की खरीद-फरोख्त से दूर रहें और ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत वन विभाग को दें। वन क्षेत्राधिकारी ने स्पष्ट किया कि अवैध कटान और लकड़ी तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म के प्रयास की रिपोर्ट न लिखने पर भोजपुर थाना प्रभारी निलंबित, तीन आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विधवा महिला के साथ दुष्कर्म के प्रयास के मामले में रिपोर्ट दर्ज न करने पर भोजपुर थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर अब तीन आरोपियों के विरुद्ध भोजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी महिला का अपने जेठ के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। तीन दिन पूर्व महिला अपने पुत्र के साथ खेत पर गई थी। इसी दौरान उसका जेठ और उसके बेटे वहां पहुंच गए। आरोप है कि उन्होंने महिला और उसके पुत्र के साथ मारपीट की तथा पुत्र के सामने ही महिला के साथ अभद्रता करते हुए दुष्कर्म का प्रयास किया। किसी तरह मां-बेटे ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद महिला शिकायत दर्ज कराने भोजपुर थाने पहुंची, लेकिन थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने कथित रूप से अभद्र व्यवहार करते हुए रिपोर्ट दर्ज करने से मना कर दिया। इसके बाद शनिवार को महिला पुलिस कमिश्नर रविंद्र गोड़ के कार्यालय पहुंची और पूरे मामले से अवगत कराया। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर कराई गई जांच में मामला सही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सुरेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया। साथ ही सिहानी गेट कोतवाली में तैनात अतिरिक्त निरीक्षक प्रताप सिंह को भोजपुर थाने का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर सुबोध, बृजेश राठी और शुभम राठी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सरकारी नल से पानी लेने गई किशोरी का अपहरण, युवक व उसके माता पिता पर मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव से 15 वर्षीय किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने एक युवक तथा उसके माता-पिता के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री शुक्रवार को घर के पास स्थित सरकारी नल से पानी लेने के लिए गई थी। इसी दौरान एक युवक वहां पहुंचा और आरोप है कि उसने अपने माता पिता के सहयोग से किशोरी को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। घटना के बाद परिजनों ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अजहरुद्दीन, फजरू तथा एक महिला के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और किशोरी की बरामदगी के लिए टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा : कार चालक का पैर काटना पड़ा

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे पर रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई, जिसमें कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों को उसकी जान बचाने के लिए पैर काटना पड़ा। पुलिस के अनुसार कोंडली (दिल्ली) निवासी श्रीपाल सिंह ने शिकायत में बताया कि उनका पुत्र दिनेश कुमार 6 मार्च को जेवर से दिल्ली लौट रहा था। शाम करीब साढ़े सात बजे एटीएस बिल्डर के सामने यह हादसा हुआ। घटना के बाद मौके पर पहुंचे एक्सप्रेसवे कर्मियों और पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे बेहतर उपचार के लिए नोएडा के मैक्स अस्पताल रेफर किया गया। गंभीर संक्रमण फैलने के चलते डॉक्टरों को उसका एक पैर काटना पड़ा। फिलहाल घायल की स्थिति नाजुक बनी हुई है। पीड़ित पिता की शिकायत पर पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कचरा प्रबंधन के नए नियम लागू, अब चार श्रेणियों में बांटना अनिवार्य

गोरखपुर, एजेंसी। शहर को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल शहर बनाने की दिशा में नगर निगम ने बड़ा कदम उठाते हुए एक अप्रैल से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम लागू कर दिए हैं। नई व्यवस्था के तहत अब शहर के हर घर, दुकान और संस्थान को कचरे को चार अलग-अलग श्रेणियों में बांटना अनिवार्य कर दिया गया है। नियमों का पालन न करने पर जुर्माने का प्रावधान भी रखा गया है। नगर निगम की ओर से इस प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए रंग-आधारित डस्टबिन वितरित किए जा रहे हैं। हरे डस्टबिन में गीला जैविक कचरा, नीले में सूखा पुनर्चक्रण योग्य कचरा, लाल में सेनेटरी वेस्ट और काले डस्टबिन में हानिकारक कचरा जैसे ई-वेस्ट और दवाएं डालनी होंगी। साथ ही कचरा संग्रहण वाहनों को भी चार हिस्सों में विभाजित किया गया है, ताकि कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। जनजागरूकता के लिए नगर निगम ने विशेष टीमें गठित की हैं, जो घर-घर जाकर लोगों को कचरा पृथक्करण के लिए जागरूक और प्रशिक्षित कर रही हैं। सभी 11 आदर्श वार्ड सहित शहर के 80 वार्डों में चयनित घरों को चार रंगों के डस्टबिन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। नए नियमों के तहत बड़े पैमाने पर कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानों को भी जिम्मेदारी दी गई है। प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक कचरा पैदा करने वाले संस्थान, बड़े भवन और अधिक जल खपत वाली इकाइयों को अपने परिसर में ही गीले कचरे का निस्तारण करना होगा। इसके लिए कंपोस्टिंग या बायोगैस प्लांट अनिवार्य किया गया है। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने नागरिकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें, अन्यथा 'पॉल्यूटर पेज' सिद्धांत के तहत कार्रवाई की जाएगी।

फैशन टीवी की फ्रेंचाइजी के नाम पर ठगी, तीन आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

गोरखपुर, एजेंसी। एक बार बाय फैशन टीवी की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर देशभर में करोड़ों की ठगी के तीन आरोपियों को रामगढ़ताल पुलिस ने शुक्रवार को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में खुद को कंपनी का प्रबंध निदेशक बताने वाले काशिफ खान उर्फ कशीफ सरदार हाशिम खान मलिक, ऑपरेशन हेड कृष्णा देवी और वित्त नियंत्रक नवीन आहूजा उर्फ नवीन सर आहूजा शामिल हैं। रामगढ़ताल पुलिस आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर शहर ला रही है और जल्द ही मामले का पर्दाफाश करेगी। मामले में एक आरोपी वैभव मणि त्रिपाठी पहले ही जेल भेजा जा चुका है, जबकि एक महिला कर्मचारी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। मामले की शिकायत जूही सिंह पत्नी राकेश सिंह, निवासी शिवपुर कॉलोनी, रामगढ़ताल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से की थी। जूही सिंह पार्क हॉस्पिटैलिटी नामक फर्म संचालित करती हैं, जिसमें वैभव मणि त्रिपाठी और करुणेश प्रताप शाही अंशधारक थे। आरोप है कि वैभव ने खुद को फैशन टीवी प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित बताते हुए कानपुर और गोरखपुर में 'एफ बार बाय फैशन टीवी' की फ्रेंचाइजी दिलाने का प्रस्ताव दिया। आरोप है कि जूही सिंह और उनके पति राकेश सिंह ने आरोपी वैभव मणि के झांसे में आकर अलग-अलग किस्तों में करीब एक करोड़ रुपये नकद और बैंक ट्रांजेक्शन के माध्यम से आरोपी और उनके सहयोगियों के खातों में ट्रांसफर कर दिए। यह राशि फ्रेंचाइजी, इंफ्रास्ट्रक्चर और सेटअप तैयार कराने के नाम पर ली गई। जांच में पता चला कि कभी फ्रेंचाइजी दिखाई गई और न ही किसी वैध अनुबंध का पालन हुआ। बाद में फैशन टीवी प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करने पर कंपनी ने किसी भी अनुबंध या भुगतान से साफ इनकार किया। प्रस्तुत अनुबंध पत्र में फर्जी हस्ताक्षर पाए गए, जिसकी पुष्टि हस्तलेखन विशेषज्ञ की रिपोर्ट से हुई। जब जूही ने रुपये वापस मांगे तो आरोपी की ओर से जानमाल की धमकी दी गई।पुलिस ने मामले में आरोपी वैभव को फरवरी में गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने फर्जीवाड़े के मुख्य आरोपियों काशिफ खान उर्फ कशीफ सरदार हाशिम खान मलिक, ऑपरेशन हेड कृष्णा और वित्त नियंत्रक नवीन आहूजा उर्फ नवीन सर आहूजा के नाम बताए थे।

हजारों की संख्या में सफाईकर्मी वोटिंग के लिए रवाना

असम के चुनावों का लखनऊ की सफाई पर पड़ा सीधा असर

लखनऊ, एजेंसी। इन दिनों शहर में बहुत सारे घरों-मोहल्लों से कूड़ा नहीं उठ रहा है। वजह ये है कि कूड़े का उठान करने वाली रामकी कंपनी (लखनऊ स्वच्छता अभियान) और लायंस एनवायरो के करीब 200 कर्मचारी असम विधानसभा चुनाव में वोट डालने के लिए परिवार के साथ घर लौट गए हैं। इससे उन इलाकों में भी कूड़ा उठान पर असर पड़ा है जहां पर असम मूल के करीब 200 लोग निजी तौर पर घर-घर से कूड़ा उठाने का काम करते हुए आजीविका चलाते हैं। असम विधानसभा चुनाव के लिए आठ अप्रैल को मतदान होना है। माना जा रहा है कि मतदान के बाद सभी कर्मचारियों को वापस लौटने में 12 अप्रैल तक का समय लग सकता है। तब तक 50 हजार घरों के लिए कूड़ा उठान की समस्या बनी रहेगी।

वैकल्पिक कर्मचारियों से भी राहत नहीं : शहर के 77 वार्डों में रामकी कंपनी कूड़ा एकत्र करने काम करती है। इस कंपनी के करीब 600 कर्मचारी घरों से कूड़ा कलेक्शन का काम करते हैं। इनमें से करीब 150 कर्मचारी चुनाव में वोट डालने के लिए असम अपने घर चले गए हैं। कंपनी ने वैकल्पिक कर्मचारी लगाए हैं मगर लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। वजह ये है कि वैकल्पिक कर्मचारियों को सभी घरों के बारे पूरी जानकारी नहीं है। ऐसे में बहुत से ऐसे घर, मोहल्ले और अपार्टमेंट हैं जहां कूड़ा कलेक्शन के लिए कर्मचारी के न पहुंचने की शिकायतें हैं।

पूरा परिवार ही गया है घर : शहर के 33 वार्डों में लायंस एनवायरो कंपनी कूड़ा कलेक्शन का काम करती है। इस कंपनी के करीब 50 कर्मचारी असम अपने घर गए हैं। खास ये है कि कर्मचारी अकेले नहीं गए बल्कि पूरे परिवार को साथ लेकर गए हैं। इन कर्मचारियों के परिवार में अन्य सदस्य जैसे पत्नी, भाई आदि भी निजी तौर पर अलग-अलग इलाकों में घरों से कूड़ा उठाने का काम करते हैं। लायंस एनवायरो का भी दावा है कि उसने वैकल्पिक कर्मचारियों की तैनाती की है लेकिन यहां भी व्यवस्था पूरी तरह से सामान्य नहीं है।

सड़कों पर भी दिखने लगे हैं कूड़े के ढेर : दोनों कंपनियों के कर्मचारियों और निजी कूड़ा एकत्र करने वालों को मिलाकर देखें तो शहर में करीब 50 हजार घरों से कूड़ा कलेक्शन प्रभावित है। इससे प्रभावित मोहल्लों और कॉलोनियों में भी सड़कों पर कूड़ा नजर आने लगा है।

पांच दिन से नहीं उठा घरों से कूड़ा : चौक के दिलाराम बारादरी मोहल्ले में रहने वाली पूनम ने बताया कि पांच दिन से कूड़ा लेने वाले नहीं आ रहे हैं। घरों में कूड़ा बढ़ता जा रहा है। बदबू फैल रही है। घर के आसपास कोई ऐसी जगह भी नहीं जा कूड़ा फेंका जा सके। इससे बहुत दिक्कत हो रही है। इसी इलाके में रहने वाली ममता ने बताया कि कई दिनों से कूड़ा लेने वाली गाड़ी नहीं आई है। घर में कूड़ा सड़कर बदबू दे रहा है। कोई सूचना भी नहीं है कि कब तक गाड़ी नहीं आएगी।

कंपनी का दावा...अलग से लगाए हैं कर्मचारी : रामकी कंपनी के परियोजना प्रमुख अभय रंजन का कहना है कि कुछ कर्मचारी बाराबंकी व आसपास से बुलाए गए हैं। वह नए हैं इससे कुछ जगह समस्या आ रही होगी मगर जहां से शिकायत आती है उसे तुरंत दूर कराया जाता है। लायंस एनवायरो के मुखिया रणधीर सिंह ने कहा कि वैकल्पिक कर्मचारी लगाए गए हैं। कहीं से समस्या की कोई शिकायत नहीं है।

यदि कहीं पर कूड़ा कलेक्शन की समस्या आ रही है तो उसे दूर कराया जाएगा। कंपनियों को वैकल्पिक इंतजाम करना होगा। इस बारे में कंपनियों से भी बात की जाएगी कि अपने स्तर से निगरानी रखते हुए व्यवस्था में सुधार करें।

बड़ा बदलाव, पहले साल से इलेक्टिव कोर्स

एआई-डेटा साइंस की भी पढ़ाई अनिवार्य

लखनऊ, एजेंसी। एकेटीयू नए सत्र से एनईपी लागू कर पहले वर्ष से इलेक्टिव कोर्स शुरू करेगा। छात्र अन्य विषयों का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे। एआई, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस को प्रैक्टिकल रूप में शामिल किया गया है, जिससे छात्रों को व्यावहारिक कौशल, प्रोजेक्ट अनुभव और उद्योग से जुड़ने के अवसर मिलेंगे।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) नए सत्र से एनईपी को पूरी तरह से लागू करने में जुट गया है। इसके तहत पहले साल से ही छात्रों को इलेक्टिव कोर्स लेने (पढ़ने) का विकल्प मिलेगा। वो दूसरे विषय से संबंधित जानकारी भी ले सकेंगे। वहीं अलग-अलग ब्रांच का सिलेबस भी अपडेट किया गया है। इसमें आज की जरूरत के अनुरूप एआई, मशीन लर्निंग, डाटा साइंस आदि को प्रैक्टिकल रूप में शामिल किया गया है।

विश्वविद्यालय न केवल सैद्धांतिक ज्ञान देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, बल्कि नए इलेक्टिव कोर्स के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक कौशल से भी युक्त करने की तैयारी कर रहा है। इसका उद्देश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है।

इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसे उभरते क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जाएगा। एकेटीयू के डीन यूजी प्रो. अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि हम चार क्रेडिट के कोर्स में 60 घंटे पढ़ाई कराएंगे। इसमें छात्र तीन थ्योरी और एक इलेक्टिव कोर्स ले सकेंगे।

इसी तरह 30 घंटे का प्रैक्टिकल एक क्रेडिट का होगा। इतना ही नहीं हमने कोर्स को इस बार ऐसे डिजाइन किया है कि इलेक्ट्रिकल में अलग, मैकेनिकल में अलग गणित पढ़ाई जाएगी। जिसको जैसी जरूरत होगी, वैसा प्लान बनाया गया है। इमर्जिंग तकनीकी एआई, डेटा साइंस आदि को अनिवार्य किया गया है।

प्रदेश के इंजीनियरिंग संस्थानों के छात्र अब सिर्फ गणित व विज्ञान की तकनीकी जानकारी ही नहीं लेंगे। बल्कि एआईसीटीई के बदले हुए नियमों के तहत वे मानव मूल्यों, सामाजिक विज्ञान आदि की पढ़ाई भी करेंगे। इसके तहत एक्स्ट्रा कॅरिकुलर एक्टिविटी में 100 प्वाइंट तय किए गए हैं। छात्रों को एक साल में 25 प्वाइंट अर्जित करने होंगे। विश्वविद्यालय की ओर से नए सत्र के लिए तैयार किए गए पाठ्यक्रम में इसे शामिल किया गया है।

एकेटीयू इन इलेक्टिव कोर्स के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव देगा। छात्रों को विभिन्न इलेक्टिव कोर्स में प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षा का अनुभव देगा।

चैनल हैक कर विदेशी यूट्यूबरों को महंगे दाम में बेचता था जालसाज, वाराणसी का आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी, एजेंसी। यूट्यूब चैनल हैक करने वाले आरोपी सचिन राजभर को साइबर क्राइम सेल और फूलपुर पुलिस ने शुक्रवार रात पिंडरा से गिरफ्तार किया। मिलियन सब्सक्राइबर वाले चैनलों को टारगेट और हैक करने के बाद विदेशी यूट्यूबरों को महंगे दामों में बेचता था। गिरफ्तार आरोपी फूलपुर थाना क्षेत्र के पिंडरा रूप चंदपुर पारागडीह का निवासी है।

एसीपी साइबर अपराध विदुष सक्सेना ने बताया कि सूचना पर टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में चिन ने बताया कि इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप से यूट्यूब चैनल खरीदने का झांसा देकर पीड़ितों से उनके चैनल, जीमेल के लॉगिन क्रेडेंशियल्स लेता था। फिर दुरुपयोग कर चैनल हैक कर लेता था।

साइबर सेल प्रतिबिंब टीम के प्रभारी हिमांशु त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट समेत अन्य आरोपों में बिहार और पंजाब में तीन प्राथमिकी दर्ज हैं। साइबर सेल प्रभारी मनोज तिवारी ने बताया कि आरोपी का अन्य आपराधिक इतिहास का पता लगाया जा रहा है। फूलपुर पुलिस ने आरोपी का चालान किया है।

किसी को भी न बताएं अपना लॉगिन, पासवर्ड : एसीपी विदुष सक्सेना ने अपील की कि किसी भी ऑनलाइन नौकरी, निवेश, लॉटरी और प्रलोभन संबंधी प्रस्तावों पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता जांच लें। अनजान व्यक्तियों को किसी भी प्रकार की धनराशि ट्रांसफर न करें। अनजान व्यक्ति के साथ अपने सोशल मीडिया, जीमेल, यूट्यूब अकाउंट की लॉगिन जानकारी साझा न करें।

मेडिलाइफ हॉस्पिटल में भी हुआ था ट्रांसप्लांट

होटल में ठहरती थी ऑपरेशन टीम, सीसीटीवी से खुलेंगे राज

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में अवैध किडनी ट्रांसप्लांट की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। गुरुवार को गिरफ्तार किए गए दो ओटी टेक्नीशियन कुलदीप सिंह राघव और राजेश कुमार ने पूछताछ में बताया कि चार माह पहले दिसंबर 2025 में भी आहूजा हॉस्पिटल के अलावा मेडिलाइफ हॉस्पिटल में एक महिला मरीज की किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी।

सीएमओ कार्यालय को पत्र लिखकर जुटाई जा रही है जानकारी : डीसीपी पश्चिम एमएम कासिम आबिदी ने बताया कि मेडिलाइफ हॉस्पिटल में हुए ट्रांसप्लांट में महिला मरीज और डोनर की जानकारी की जा रही है। यह अस्पताल कन्नौज के तिर्वा का रोहन, सौरिख का संदीप और औरैया का नरेंद्र संचालित कर रहे थे। जनवरी 2026 में किसी मरीज की मौत होने पर सीएमओ कार्यालय ने इसे सील कर दिया था। सीएमओ कार्यालय को पत्र लिखकर इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

केशवपुरम के होटल में रुके थे डॉक्टर: दिसंबर 2025 में सर्जरी से पूर्व डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ केशवपुरम के एक होटल में रुके थे। पुलिस ने होटल के पुराने रिकार्ड और सीसीटीवी कैमरे की फुटेज मांगी है। सर्जरी के बाद किडनी रोगी और डोनर को कहां-कहां भर्ती किया गया इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। डीसीपी पश्चिम ने बताया कि पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगी हैं।

कानपुर, मेरठ से डॉक्टर व टेक्नीशियन को उठाया : किडनी प्रकरण में पुलिस ने कानपुर और मेरठ से दो को उठाया है। इसमें एक डॉक्टर और दूसरा टेक्नीशियन बताया जा रहा है। दोनों पर डोनर और रिसीवर की सेटिंग कराने का आरोप है। पुलिस की टीमें उनसे पूछताछ कर रही हैं। डीसीपी पश्चिम ने बताया कि जो भी नाम सामने आ रहे हैं उनकी जांच की जा रही है।

ओटी मैनेजर डॉ. अली ने सहयोगियों के साथ मिलकर किया था किडनी ट्रांसप्लांट : कानपुर किडनी ट्रांसप्लांट प्रकरण की जांच कर रही पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है। अब तक जिस डॉ. मुदस्सर अली सिद्दीकी को यूरो सर्जन बताया जा रहा था वह असल में ओटी मैनेजर निकला।

युद्ध के बीच 'रिलीफ योजना से मिली संजीवनी

20 करोड़ के उत्पाद खाड़ी देशों को रवाना

कानपुर , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच अभी भी तनाव चरम पर बना हुआ है। इस बीच युद्धग्रस्त सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान को शहर से निर्यात फिर से शुरू हो गया है। रिलीफ योजना के तहत 25 मार्च से दो अप्रैल के बीच शहर से 20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के छोटे निर्यात ऑर्डर भेजे गए हैं। इन खेपों को हवाई जहाज से भेजा गया है। निर्यात किए गए सामानों में केमिकल, सैडलरी, चमड़ा के बने उत्पाद, कपड़ा और खाद्य वस्तुएं शामिल हैं। अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी से युद्ध चल रहा है।

इसके चलते गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देशों में शामिल सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कुवैत, कतर और बहरीन के अलावा इस्राइल, ईरान को निर्यात ठप हो गया था। इस कारण शहर के निर्यातकों को अरबों रुपये का झटका लगा था। हालांकि समुद्री मार्गों में अभी भी शहर के निर्यातकों के कन्साइनमेंट फंसे हुए हैं। समुद्र से माल भेजने में अभी भी जोखिम बना हुआ है। इसको देखते हुए सरकार ने 19 मार्च को रिलीफ योजना शुरू की थी।

इन देशों में होने वाले निर्यातों पर लागू की गई है योजना : यह योजना उन निर्यातकों के लिए है, जो पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण माल भेजने में देरी, परिवहन लागत में वृद्धि और बीमा प्रीमियम महंगा होने जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। योजना के तहत पहले से बीमित निर्यातकों को 100 फीसदी तक जोखिम कवर मिलेगा।

नए निर्यातकों को सरकारी सहायता के साथ 95 फीसदी तक जोखिम कवर दिया जाएगा। यह योजना संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत, इराक, ईरान और इस्राइल जैसे देशों में होने वाले निर्यातों पर लागू की गई है।

20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के निर्यात ऑर्डर भेजे : फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन (फियो) के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि रिलीफ योजना के तहत शहर के कुछ निर्यातकों ने हवाई जहाज के जरिये अपने-अपने छोटे निर्यात ऑर्डर संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और ओमान को भेजे हैं। 25 मार्च से दो अप्रैल के बीच शहर से 20 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के ये निर्यात ऑर्डर भेजे गए हैं। इसमें केमिकल, सैडलरी, कपड़ा और खाद्य वस्तुएं शामिल हैं। जीसीसी देशों को शहर से पूर्व में भी चमड़ा और चमड़ा का उत्पाद, किचन सब्जी मसाला, कपड़ा, इंजीनियरिंग आदि का निर्यात किया जाता था। युद्ध के कारण निर्यात पूरी तरह से ठप हो गया था लेकिन अब जोखिम के बीच हवाई जहाज से निर्यात ऑर्डर भेजे गए हैं।

ओशिनिया क्षेत्र के देशों में मिलेंगे अवसर : आलोक ने बताया कि केंद्र सरकार ने न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और ओमान के साथ जल्द मुक्त व्यापार समझौता लागू करने की बात कही है। इससे निर्यातकों को संकट के बीच बाजार में पैठ बनाने का बड़ा मौका होगा। न्यूजीलैंड छोटा देश जरूर है लेकिन वहां पर चमड़ा और कपड़ा बाजार का बहुत अच्छा बाजार है।

न्यूजीलैंड से मुक्त बाजार शुरू होने से ओशिनिया क्षेत्र के देश पापुआ न्यू गिनी, फिजी, वनुआटू, समोआ, टोंगा, पलाऊ, माइक्रोनेशिया में भी पहुंच बढ़ सकेगी। ब्रिटेन बहुत अच्छा बाजार पहले से ही है। ओमान में व्यापार बढ़ने से जीसीसी देशों में और निर्यात बढ़ने की संभावना बन सकेगी।

स्मार्ट मीटर की सुस्त तकनीक, बिल जमा करने के बाद भी घंटों नहीं शुरू हो रही आपूर्ति

लखनऊ , एजेंसी। स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था में तकनीकी खामियों और सर्वर लोड के कारण उपभोक्ताओं को बिल भुगतान के बाद भी बिजली आपूर्ति में देरी झेलनी पड़ रही है। जागरूकता की कमी और सिस्टम फेल होने से समस्या बढ़ी है, जिससे उपभोक्ता और कर्मचारी दोनों परेशान हैं।

शिव प्रकाश और अजयवीर तो उदाहरण हैं। यह हाल पूरे प्रदेश का है। प्रदेश में 13 मार्च से शुरू नई व्यवस्था लागू हुई है। 78 लाख उपभोक्ताओं में 70.50 लाख के यहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा है। यह आटोमैटिक मोड में हैं। बैलेंस निगेटिव होते ही आपूर्ति बंद हो जाती है।

बिल जमा होने पर दो घंटे के अंदर आपूर्ति चालू होने का दावा है, जबकि हकीकत एकदम अलग है। बिजली जमा करने के बाद भी उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इससे उपभोक्ता परेशान हैं।

वे बिजली कार्यालयों पर हंगामा कर रहे हैं। निगमों के अवर अभियंता से लेकर अधीक्षण अभियंता तक परेशान हैं। उनका दर्द निगमों के आंतरिक ह्वाट्सअप ग्रुप में भी दिख रहा है। अभियंता उपभोक्ताओं की रसीदें ग्रुप में डालते हैं और हालात बताते हैं।

वे आपूर्ति शुरू कराने की गुहार लगाते हैं। क्योंकि कनेक्शन जोड़ना उनके हाथ में नहीं है। यह आटोमैटिक है। मैनुअल कार्य प्रदेशभर में बने 10 मीटर डाटा मैनेजमेंट सेंटर से होता है। अभियंता ग्रूप के जरिए इस सेंटर से गुहार लगाते हैं।

तकनीकी समस्या से बढ़ी मुसीबत

ऊर्जा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि परेशानी की वजह तकनीक भी है। सर्वर पर लोड अधिक है। उपभोक्ताओं तक बैलेंस का मैसेज पहुंचता नहीं है अथवा वे देखते नही हैं। कनेक्शन कटते पर सचेत होते हैं। कनेक्शन जोड़ने का दबाव बढ़ता है तो टेक्निकल फॉल्ट होता है।

राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा भी कुछ ऐसा ही तर्क देते हैं। वे बताते हैं कि मीटर डाटा मैनेजमेंट (एमडीएम) का सर्वर लोड नहीं ले रहा है। स्मार्ट प्रीपेट मीटर के हार्डवेयर में चाइनीज उपकरण लगाए गए हैं।

इसी तरह की अन्य तकनीकी खामियां हैं। लोड बढ़ते ही सिस्टम हैंग कर जाता है। ऐसे में तमाम उपभोक्ताओं का रीकनेक्शन (दोबारा जोड़ने की प्रक्रिया) नहीं हो पाती। यही वजह है कि उपभोक्ताओं और अभियंताओं को कनेक्शन जुड़वाने के लिए लगानी पड़ रही है।

निदेशक (वाणिज्य) पावर कार्पोरेशन प्रशांत वर्मा ने बताया कि तकनीकी कारणों से दो चार केस में देरी हो सकती है। बिल जमा करने के दो घंटे के अंदर आपूर्ति शुरू न हो तो तत्काल 1912 पर शिकायत करें। उन शिकायतों के आधार पर तत्काल कनेक्शन जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की जाती है।

इसके लिए अलग से सेल बना दिया गया है। प्रीपेड स्मार्ट मीटर आटोमैटिक है। बैलेंस 30 प्रतिशत बचने पर पहला, 10 प्रतिशत पर दूसरा और माइनस बैलेंस होने से तीसरा मैसेज जाता है। कुछ उपभोक्तओं ने मोबाइल नंबर बदल लिया है, उन्हें समस्या हो सकती है। ऐसे उपभोक्ता अपना नया नंबर अपडेट करा दें।

यहां कर सकते हैं रिचार्ज

प्रीपेड स्मार्ट मीटर से आपूर्ति बंद होने पर यूपीपीसीएल स्मार्ट एप, विभागीय वेबसाइट, भीम, फोनपे, गूगल पे, विभाग के काउंटर या जन सुविधा केंद्रों पर भुगतान किया जा सकता है। स्मार्ट मीटर से उपभोक्ता खपत, बिल और बैलेंस की जानकारी मोबाइल एप और विभागीय वेबसाइट पर देख सकते हैं। प्रीपेड उपभोक्ता को बिजली बिल में दो फीसदी की छूट दी जाती है।

पुराने बैलेंस से भी गफलत

स्मार्ट मीटर को प्रीपेड में बदलने की वजह से तमाम उपभोक्ताओं का पहले से ही बताया है। अंतिम पोस्ट-पेड बिल से प्री-पेड परिवर्तन की तारीख तक के बकाये बिल का भुगतान भी उपभोक्ता को करना है।

ऐसे में पूर्व के पोस्ट-पेड बिलों के बकाये की राशि हर रिचार्ज से अपने आप समायोजित की जाती है।

उदाहरण के लिए किसी घरेलू उपभोक्ता का 10 हजार बकाया है। हर रिचार्ज पर 10 प्रतिशत देना होगा। इसी तरह 10 से 15 पर 15 प्रतिशत, 15 से 20 तक 20 प्रतिशत और 20 से अधिक पर 25 प्रतिशत धनराशि समायोजित की जाती है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में विकास कार्यों का निरीक्षण, अंडरपास और सड़क विस्तार से बदलेगा ट्रैफिक सिस्टम

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र में चल रहे अहम विकास कार्यों का विधायक तेजपाल नागर ने स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएं, ताकि जनता को जल्द से जल्द बेहतर सुविधाएं मिल सकें। चार मूर्ति चौराहे पर करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे अंडरपास का निरीक्षण करते हुए उन्होंने इसे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। साथ ही ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लिए प्रस्तावित

आधुनिक श्मशान घाट के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की, जिससे स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इसके अलावा 60 मीटर रोड के चौड़ीकरण और चार मूर्ति से तिगरी तक मुख्य मार्ग के विस्तार कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। यह परियोजना क्षेत्र में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने और आवागमन को सुचारु बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। निरीक्षण के दौरान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीनियर मैनेजर प्रभात शंकर, विधायक प्रतिनिधि दीपक यादव, मंडल अध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सभी परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कर जनता को समर्पित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

तेजी से विकसित हो रहे ग्रेटर नोएडा वेस्ट में इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के निवासियों को बेहतर यातायात व्यवस्था और आधुनिक आधारभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह पर टिप्पणी से जाट समाज में आक्रोश, आरोपी पर कार्रवाई की मांग

शामली (शिखर समाचार)। किसान नेता एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर जाट समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में आर्य जाट महासभा शामली की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। रविवार को शहर के भैंसवाल रोड स्थित जाट भवन में आयोजित बैठक की अध्यक्षता सुनील निर्वाल ने की, जबकि संचालन सचिव दिव्य प्रभाकर ने किया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जैसे महान किसान नेता के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी किसी भी स्थिति में सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने इसे समाज की भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य बताते हुए सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग उठाई। वक्ताओं ने विशेष रूप से आरोपी राम अवतार पलसानिया के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। उनका कहना था कि इस प्रकार की घटनाओं पर समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो समाज में असंतोष और बढ़ सकता है। बैठक के दौरान संगठनात्मक मजबूती पर भी जोर दिया गया। सदस्यता अभियान को व्यापक स्तर पर चलाने, अधिक से अधिक लोगों को महासभा से जोड़ने तथा वार्षिक अलंकरण समारोह आयोजित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे नशाखोरी, भ्रूण हत्या, आपसी विवाद और अनावश्यक मुकदमेबाजी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में बाबूराम पंवार, राजकुमार चेयरमैन, डॉ. देवेंद्र पाल राणा, रामपाल सिंह देशवाल, नरेश मलिक, रामपाल सिंह अहलावत, संजीव प्रधान, सतेन्द्र खैवाल, डॉ. ओमपाल सिंह, ओमपाल सिंह निर्वाल, विपिन गोहरनी, अनिरुद्ध मलिक, कंवरपाल सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नकली एनसीईआरटी पुस्तकों के संदेह में गोदाम पर छापेमारी, जांच समिति गठित

मोदीनगर (शिखर समाचार)। शिक्षा विभाग और तहसील प्रशासन की संयुक्त टीम ने रविवार को गोविंदपुरी क्षेत्र स्थित संतपुरा कॉलोनी में पुस्तकों से भरे एक गोदाम पर छापेमारी करते हुए उसे सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने वहां से कुछ पुस्तकों के नमूने जांच के लिए अपने कब्जे में लिए हैं। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बरामद पुस्तकें असली हैं या नकली। उप जिलाधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई अधिवक्ता अंकित मित्तल द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि दिल्ली मेरठ मार्ग पर गोविंदपुरी क्षेत्र में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम की नकली पुस्तकों की बिक्री की जा रही है। इसी सूचना को गंभीरता से लेते हुए प्रशासनिक और शिक्षा विभाग की टीम ने संतपुरा कॉलोनी स्थित गोदाम पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान गोदाम में बड़ी संख्या में विभिन्न कक्षाओं की पुस्तकें मिलीं। टीम ने मौके से कुछ पुस्तकों के नमूने जांच के लिए लिए और गोदाम को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। उप जिलाधिकारी ने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक को मामले की गहन जांच के लिए एक समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। संभावना है कि सोमवार को समिति मौके पर पहुंचकर पुस्तकों की गुणवत्ता और सत्यता की जांच करेगी तथा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, लगभग तीन वर्ष पूर्व भी इसी गोदाम संचालक के विरुद्ध नकली पुस्तकों के मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई थी, जिससे इस पूरे प्रकरण की गंभीरता और बढ़ जाती है। वहीं शिकायतकर्ता अंकित मित्तल का कहना

है कि गोदाम में नर्सरी से लेकर इंटरमीडिएट तक की पुस्तकें बड़ी मात्रा में रखी गई हैं, जिन्हें विभिन्न विद्यालयों में भेजा जा रहा था। सहायक शिक्षा अधिकारी महिमा दयाल ने स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई विद्यालय प्रबंधन परिसर के भीतर पुस्तकों की बिक्री करता है या किसी विशेष पुस्तक विक्रेता से पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य करता है, तो ऐसे विद्यालय संचालकों के खिलाफ नोटिस जारी कर उनसे जवाब तलब किया जाएगा। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कांग्रेस नेता सुनील शर्मा ने प्रदर्शन कर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में आरोप लगाया गया था कि सीबीएसई से मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी की पुस्तकों को लागू नहीं किया जा रहा है, बल्कि उनकी जगह निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकें छात्रों पर थोपी जा रही हैं। इस ताजा कार्रवाई के बाद शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

हुनर को मिला सम्मान: 60 बालिकाओं को प्रमाण पत्र, विधायक ने किया उत्साहवर्धन

जेवर (शिखर समाचार)। कस्बा जहांगीरपुर में रविवार को जन शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत सिटी ब्यूटी पार्लर केंद्र पर प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक धीरेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

बीकेयू लोकशक्ति के वरिष्ठ नेता प्रमोद शर्मा ने बताया कि यह आयोजन जहांगीरपुर स्थित बीकेयू लोकशक्ति के दीपक चौधरी कार्यालय पर संपन्न हुआ, जिसमें करीब 60 बालिकाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

संस्थान के निदेशक वीरेन्द्र सिंह व निर्देशक धीरेंद्र सिंह ने लाभार्थियों को प्रशिक्षण के महत्व से अवगत कराया। विधायक ने सभी बालिकाओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा प्रशिक्षित बालिकाओं को स्टारबक्स जेवर में कॉफी पिलाने और हर संभव सहयोग देने का

आश्वासन दिया।

इस अवसर पर डॉ. विनोद कुमार तेवतिया, चेयरमैन गजेंद्र मीना, ललित जादौन, अरविंद सिंह जादौन, हिमांशु कौशिक, श्रीनिवास मीना, प्रधानाचार्य कुलभूषण शर्मा, मूलचंद शर्मा, ललित प्रधान, जोगिंदर प्रधान, लाला प्रधान, राज बहादुर सिंह, राजेंद्र सिंह राणा, भूरी सिंह, नरेंद्र सिंह मीना, हनी वर्मा, कुशलपाल सिंह, चमन प्रधान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तमंचा कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं। एसीपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि शातिर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रिठौरी गांव के समीप आवासीय प्लॉटों के सामने सड़क किनारे एक युवक संदिग्ध अवस्था में जाता दिखा। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली, जिसमें उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुए। पूछताछ के दौरान अभियुक्त हथियारों के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर दी है।

आवारा कुत्तों का आतंक: तीन कुत्तों ने युवक पर किया हमला, गंभीर घायल

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर के आमका रोड पर वर्कशॉप जा रहे एक युवक पर तीन आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। न्यादर गंज निवासी योगेंद्र रविवार सुबह अपने सर्विस स्टेशन की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह नवीन मंडी के पास आमका रोड पर पहुंचे, तभी तीन कुत्तों ने उन पर हमला कर दिया और बुरी तरह काट लिया। घायल अवस्था में उन्होंने किसी तरह ईंट फेंककर खुद को बचाया और शोर मचाया। आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर कुत्तों को भगाया और घायल को अस्पताल पहुंचाया। उपचार के बाद योगेंद्र ने बताया कि नवीन मंडी के पीछे लंबे समय से आवारा कुत्तों का जमावड़ा रहता है, जिसकी कई बार शिकायत नगर पालिका से की जा चुकी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कोई बड़ी घटना हो सकती है।

ड्यूटी से लौट रहे युवक पर हमला: लाठी डंडों से पीटकर किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में ड्यूटी कर घर लौट रहे युवक पर हमला कर उसे घायल कर दिया गया। पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

एसीपी जितेंद्र कुमार के अनुसार, रिठौरी गांव निवासी अरविंद कुमार 3 मार्च की रात करीब 10 बजे पीजी कंपनी से ड्यूटी कर घर लौट रहे थे। गांव के पास पहुंचते ही शोभित, आकाश और दुष्यंत ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी डंडों से मारपीट कर अरविंद को घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। आसपास के लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। उपचार के बाद पीड़ित की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

बिना सिलेंडर दिए डिलीवरी दिखाने का आरोप, कालाबाजारी की आशंका

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर निवासी एक भाजपा नेता ने गैस सिलेंडर बुकिंग के बाद बिना सिलेंडर दिए डिलीवरी दिखाने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इस संबंध में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। कस्बे में इन दिनों गैस सिलेंडर के लिए लोगों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है, जिससे आमजन काफी परेशान हैं। आरोप है कि सिलेंडरों की कालाबाजारी हो रही है और उन्हें कई गुना अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है। भाजपा नेता रवि अग्रवाल के अनुसार, उन्होंने सिलेंडर बुक कराया था, लेकिन उनके घर सिलेंडर नहीं पहुंचाया गया, जबकि रिकॉर्ड में डिलीवरी दर्शा दी गई। उन्होंने बताया कि उनसे कोई ओटीपी भी नहीं लिया गया। आरोप है कि एजेंसी संचालक गैस की कमी दिखाकर सिलेंडरों को ब्लैक में बेच रहे हैं। पीड़ित ने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ग्रेटर नोएडा जेल में नाइजीरियाई बंदी की मौत :हाई बीपी और किडनी की बीमारी से पीड़ित था

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा की लूक्सर जेल में बंद नाइजीरियाई मूल के एक विचाराधीन बंदी सोलोमन (66) की जिम्स अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह लंबे समय से हाई बीपी और किडनी की बीमारी से पीड़ित था। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे सोलोमन को सांस लेने में अचानक दिक्कत हुई, जिसके बाद उसे दिल का दौरा पड़ा। उसे तुरंत जिम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक सोलोमन हाई बीपी और किडनी की गंभीर बीमारी से लंबे समय से ग्रसित था। उसका इलाज पहले दिल्ली और मेरठ के विभिन्न अस्पतालों में भी चल चुका था। सोलोमन 31 मई 2023 से एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं और विदेशी अधिनियम-14 के तहत थाना बीटा-2 में दर्ज मुकदमे में लूक्सर जेल में बंद था। जिम्स अस्पताल से थाना ईकोटेक प्रथम पुलिस को बंदी की मौत की सूचना मिली।

पुलिस लाइन में होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित, पुलिसकर्मियों व परिजनों को मिला नि:शुल्क उपचार

शामली। (शिखर समाचार) पुलिस कल्याण संघ के तत्वावधान में रविवार को पुलिस लाइन परिसर में होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों तथा उनके परिजनों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान सभी आगंतुकों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें आवश्यकतानुसार परामर्श और उपचार उपलब्ध कराया गया। शिविर में उपस्थित चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों से ग्रसित मरीजों की जांच कर उन्हें होम्योपैथिक औषधियां प्रदान कीं। साथ ही उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर विशेष बल देते हुए संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, पर्याप्त विश्राम तथा मानसिक तनाव को नियंत्रित करने के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। चिकित्सकों ने बताया कि नियमित दिनचर्या और संतुलित खानपान से अनेक बीमारियों से बचाव संभव है। कार्यक्रम के दौरान अनुशासन और व्यवस्थाएं सुचारू रूप से बनाए रखी गईं, जिससे सभी लोगों को बिना किसी असुविधा के स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकीं। शिविर में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया। अंत में आयोजकों ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी चिकित्सकों एवं सहयोगी स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा, ताकि पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

रिजल्ट के बहाने छात्रा से अश्लील हरकत, आरोपी प्रिंसिपल गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफिजपुर क्षेत्र के एक स्कूल में सातवीं की छात्रा से अश्लील हरकत करने और कपड़े उतारने का प्रयास करने वाले आरोपी प्रिंसिपल को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के एक निजी स्कूल में पढ़ने वाली 13 वर्षीय छात्रा शनिवार को अपना रिजल्ट लेने गई थी। आरोप है कि प्रिंसिपल ने उसे ऑफिस में बुलाकर अकेले पाकर उसके साथ अश्लील हरकतें कीं और कपड़े उतारने का प्रयास किया।

छात्रा के विरोध और गिड़गिड़ाने के बावजूद आरोपी नहीं माना। किसी तरह वह वहां से भागकर घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की।

थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि आरोपी प्रिंसिपल राजकुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

पुलिस मुठभेड़ में तीन गौतस्कर गिरफ्तार, तमंचा व उपकरण बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना कपूरपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में तीन गौतस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पशु, अवैध तमंचा और तस्करी के उपकरण बरामद किए हैं।

प्रभारी रघुराज सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग गौकशी की कोशिश में घूम रहे हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर मुठभेड़ के बाद तीनों आरोपियों को दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गांव नारायणपुर निवासी जफर और परवेज तथा गांव करनपुर निवासी यासीन के रूप में हुई है। ये आरोपी लंबे समय से गौ तस्करी में संलिप्त बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से पशु, एक अवैध तमंचा और तस्करी में प्रयुक्त उपकरण बरामद कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

50 रुपये कूड़ा शुल्क प्रस्ताव पर व्यापारियों का विरोध, ईओ को सौंपा ज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद द्वारा प्रति माह 50 रुपये कूड़ा शुल्क वसूलने के प्रस्ताव के विरोध में व्यापारी सुरक्षा फोरम के पदाधिकारियों ने जोरदार आपत्ति जताते हुए अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और उनके कर्तव्यों की याद दिलाई।

जिलाध्यक्ष अरुण गर्ग ने कहा कि सरकार द्वारा समय समय पर गृहकर, जलकर व सीवर कर की दरें तय की जाती हैं ताकि जनता का शोषण न हो, लेकिन 28 जून 2024 को अनावासीय भवनों पर दरें बढ़ाकर पहले ही बोझ बढ़ाया जा चुका है। अब हर घर से 50 रुपये कूड़ा शुल्क वसूलने का प्रयास किया जा रहा है। जिला मंत्री पंकज अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष करीब सात करोड़ रुपये का टैक्स वसूला गया,

जो पिछले वर्ष से 25 प्रतिशत अधिक है, इसके बावजूद सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सफाई का ठेका बिना टेंडर एक ही व्यक्ति को दिया जा रहा है। इस दौरान पदाधिकारियों ने नगर पालिका के प्रमुख कर्तव्यों सफाई व्यवस्था, जलापूर्ति, सीवर प्रबंधन, आवारा पशुओं की रोकथाम, स्वास्थ्य सुविधाएं व सार्वजनिक व्यवस्थाओं पर ध्यान देने की मांग की। वहीं अधिशासी अधिकारी संजय कुमार मिश्रा ने स्पष्ट किया कि कूड़ा शुल्क वसूलने का अंतिम निर्णय अभी नहीं लिया गया है।

15 लाख का चोरी का सामान बरामद:ग्रेटर नोएडा में नौकर बनकर चोरी करने वाला गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा की थाना बीटा-2 पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लगभग 15 लाख रुपये की ज्वैलरी, एक चोरी की मोटरसाइकिल और तमंचा-कारतूस बरामद किए हैं। रविवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी शिवकुमार को नट की मड़ैया गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार किया। शिवकुमार ग्राम सधीरा, थाना अजगैन, जिला उन्नाव का निवासी है और वर्तमान में दिल्ली में रह रहा था। आरोपी के खिलाफ बीटा-2 थाने में चोरी का एक मुकदमा भी दर्ज है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई ज्वैलरी बरामद की है, जिसमें तीन सोने के हार, चार सोने के कान के टॉप्स, एक सोने की लेडीज अंगूठी, दो सोने की चूड़ी, एक जोड़ी चांदी की पायल, दो चांदी के टॉप्स और एक सोने का ब्रेसलेट शामिल है। इसके अतिरिक्त, विदेशी मुद्रा, घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल और तमंचा-कारतूस भी बरामद किए गए हैं। बीटा-2 थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि आरोपी शिवकुमार एक शातिर चोर है। वह घरों में नौकर बनकर काम करता था और कुछ दिनों तक रेकी करने के बाद मकानों से कीमती सामान और ज्वैलरी चुराकर फरार हो जाता था। चोरी के सामान को बेचकर वह अवैध धन अर्जित करता था। आरोपी ने सेक्टर-36 निवासी ओमपाल सिंह के घर से लगभग 11 लाख रुपये की ज्वैलरी और 35,000 से 40,000 रुपये (भारतीय, वियतनाम और डॉलर) की विदेशी मुद्रा चोरी की थी। उसने चोरी के माल को साइट-4 में छिपा रखा था और आज उसे बेचने के लिए जा रहा था, तभी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे गिरफ्तार कर लिया।

संपादकीय

ईरान-अमेरिका टकराव की आहट: 48 घंटे की चेतावनी और वैश्विक तेल संकट की दस्तक

दुनिया एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर खड़ी दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति को अस्थिर कर दिया है। हाल ही में ईरान द्वारा अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराने और उसके पायलट को अमेरिका द्वारा कठिन अभियान के बाद सुरक्षित निकालने के दावों ने हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। इसी बीच अमेरिका की ओर से 48 घंटे के भीतर बड़े हमलों की चेतावनी ने संकेत दे दिया है कि आने वाले दिन केवल कूटनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि सैन्य कार्रवाई का रूप भी ले सकते हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस संभावित युद्ध का वैश्विक तेल बाजार पर क्या असर पड़ेगा और भारत जैसे आयात-निर्भर देश इसके लिए कितना तैयार हैं।

मध्य-पूर्व क्षेत्र विश्व के सबसे बड़े तेल भंडारों का केंद्र है और खाड़ी क्षेत्र की स्थिरता सीधे तौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष खुलकर सामने आता है, तो सबसे पहले असर तेल आपूर्ति पर पड़ेगा। ईरान पहले ही पश्चिमी प्रतिबंधों से जूझ रहा है, लेकिन युद्ध की स्थिति में उसकी तेल निर्यात क्षमता और अधिक बाधित हो सकती है। इसके अलावा, यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ता है, तो यह स्थिति और गंभीर हो जाएगी, क्योंकि दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति इसी मार्ग से गुजरती है। इस मार्ग में किसी भी प्रकार की रुकावट वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों को आसमान तक पहुंचा सकती है। तेल की कीमतों में अचानक उछाल का असर केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक महंगाई को भी बढ़ा सकता है। परिवहन, उत्पादन और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी, जिससे आम नागरिक पर सीधा बोझ पड़ेगा। यही कारण है कि हर बार जब मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ता है, तो वैश्विक बाजारों में अस्थिरता देखने को मिलती है। अब यदि भारत की बात करें, तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और अपनी जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत तेल आयात करता है। ऐसे में तेल की कीमतों में किसी भी प्रकार की वृद्धि का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से जहां आम जनता की जेब पर असर पड़ता है, वहीं उद्योगों की लागत भी बढ़ जाती है। इससे महंगाई दर बढ़ने का खतरा पैदा होता है और आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ सकती है। हालांकि, भारत ने पिछले कुछ वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सामरिक पेट्रोलियम भंडार का निर्माण इसी दिशा में एक अहम प्रयास है, जिससे आपात स्थिति में कुछ समय तक देश अपनी जरूरतों को पूरा कर सकता है। इसके अलावा, भारत ने अपने तेल आयात स्रोतों में विविधता लाने की भी कोशिश की है, ताकि किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके। फिर भी, यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है, तो इन उपायों की सीमाएं सामने आ सकती हैं।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को अपने घरेलू बाजार में कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए सरकार को टैक्स में कटौती या सब्सिडी जैसे कदम उठाने पड़ सकते हैं। लेकिन इससे सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ेगा। पहले से ही राजकोषीय संतुलन बनाए रखना एक चुनौती है, और ऐसे में तेल संकट इस संतुलन को और बिगाड़ सकता है। इस संभावित युद्ध का असर केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक स्तर पर भी पड़ेगा। भारत जैसे देश, जो दोनों पक्षों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने की कोशिश करते हैं, उनके लिए यह स्थिति कूटनीतिक चुनौती भी बन सकती है।

~ मौलिक चिंतन ~

हम से अलग वही होता है, जो
मन से कभी हमारा था ही नहीं।

© विनय संकोची

युद्ध नहीं शान्ति से मानवता की रक्षा हेतु सयंम जरुरी

संजय गोस्वामी

आज पूरे मीडिया में यूएस- इजराइल और ईरान के युद्ध के 1महीने से ऊपर का समाचार देख देख कर शान्ति भंग हो रही अब तो इस बहस में राजनेता भी अपनी सफाई दे रहें हैं जो राज्यसभा के सांसद भी हैं डिफेन्स एक्सपर्ट का तो समझा जा सकता है लेकिन राजनीती पार्टियों में इस पर बहस करना बिलकुल गलत है इसलिए इसपर किसी भी प्रकार के बयानबाजी से परहेज करना चाहिए कौन आतंकवादी पाल रहा है कौन मिट्टी में मिला देगा इससे अपने को क्या लेना देना अमेरिका के कुछ विमान युद्ध में गिरे और 1पायलेट को वहाँ से निकाल भी लिया तो उसकी ताकत समझ में नहीं आ रही है ईरान मिसायल और ड्रोन से अटैक कर रहा है जहाँ अमेरिका और इजराइल की भीषण बमबारी हो रही है वहाँ यदि जाने गईं है तो निर्दोष नागरिकों की अधिक संख्या है ईरान पर अमेरिका के आर्थिक बैन के बाद ना तो कोई लड़ाकू विमान नजर आए ना ही बचाव हेतु कोई हेलीकाप्टर ईरान को समझदारी से काम लेना चाहिए अपने नहीं लोगों के हित में क्योंकि जब से उसका सबसे बड़ा पुल अमेरिका ने तोड़ दिया इससे आम नागरिकों को ही परेशानी होगी जिसे बनने में 10 साल से ज्यादा लगे होंगे, आज टेक्नोलॉजी का युग है और जो देश टेक्नोलॉजी में आगे होगा बेशक नुकसान होगा लेकिन अन्त में विजय वही होगा जहाँ आसमान में 100-150 विमान ईरान में बम गिरा रहें हैं वहाँ 2 -4 विमान तो नष्ट हो गया तो उससे उसे क्या फर्क पड़ेगा इजराइल एक छोटा सा देश होकर कई फ्रंट पर युद्ध लड़ रहा है तो नुकसान होगा ही युद्ध विनाशकारी होता है और अमेरिका कभी आधा नहीं छोड़ेगा और उसे भी नुकसान काफी हुआ है लेकिन जहाँ तक आतंकवादी के सपोर्ट करने का सवाल है वहाँ ईरान से ज्यादा तो पाकिस्तान है उसे अमेरिका को ठोकना चाहिए सारा युद्ध अरब में खलीफा बनने की होड़ और निर्दोष नागरिक की मौत का तांडव नृत्य से मानवता शर्मसार हो रही है ईरान और अमेरिका -इजराइल युद्ध से भारत का क्या लेना देना, ऐ उनका युद्ध है वो समझें 1984 में मैं जब टीवी जो ब्लैक एंड वाइट था वहाँ सलमा आगा टीवी पर इराक - ईरान युद्ध के बारे में अन्त में समाचार में सुनता था जो 10 साल तक चली युद्ध में किसी भी देश को कमजोर नहीं समझना चाहिए और शान्ति से ही समाधान निकालना चाहिए बड़बोलापन युद्ध में आग में घी डालने का काम करता है इससे बचना चाहिए विश्व शांति का मूल उपाय युद्ध और हथियार में नहीं समझदारी और ईसानियत में ही निहित है।विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। विकास के नित नये आयामों से सभी देश अपनी समृद्धि को तीव्र वेग से आगे बढ़ाने में जुट गये हैं। जिसके कई सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। विज्ञान ने चिकित्सा स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, यातायात, दूरसंचार, युद्ध उपकरणों इत्यादि सभी क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है और इस ओर अभी भी वैज्ञानिकों का प्रयास जारी है। इस कारण आधुनिक भौतिक साधनों ने इन्सानों का जीवन ही बदल दिया है। सभी देश विज्ञान के आधार पर अपने देश को प्रगतिशील,समृद्धशाली, शक्तिशाली बनाने की होड़ में लगे हुए हैं। इस होड़ अर्थात प्रतिस्पर्धा को लेकर सभी देश अपनी सुरक्षा के लिए अस्त्रा-शस्त्रों का उत्पादन करने में जुट गये हैं।इस युद्ध में निर्दोष नागरिकों की बहुत अधिक संख्या में जान जा रही है जो आप नहीं देख पा रहें हैं इसमें कई भारतीय भी हैं इससे युद्ध में झोंके गए लोगों का जीवन अस्त व्यस्थ हो गया है इस जंग में अमेरिका के सैनिकों की भी मौत हो रही है एक देश दुसरे देश के शक्ति प्रदर्शन के चक्कर में अपने देश का ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है व विश्व शांति पर खतरा मंडराने लगा है 1महीने से ऊपर चल रहे इस युद्ध में केवल तबाही मची है व बेगुनाह लोगों की मौत हो रही है अब ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध में कहीं परमाणु अस्त्रों का इस्तेमाल न हो जाए लेकिन ऐसा किस उद्देश्य के लिए हो रहा होगा उधर चीन और ताईवान में भी युद्ध के बादल मंडरा रहें हैं जैसा चीन और अमेरिका के इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिए,इस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये युद्ध नहीं मानवता को समझना चाहिए, विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था। इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया। दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए। डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों ?ा इससे भी अधिक रहता है व जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता है इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु शांति का संकल्प लेने पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने व लाखों निर्दोष नागरिकों की मौत ना हो व मानवता जिन्दा रहे । विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महत्ती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है।

भाजपा के 47 सालः शिखर पर जीत, सिद्धांतों पर सवाल

दिलीप कुमार पाठक

6 अप्रैल 1980 को मुंबई के समंदर किनारे जब अटल बिहारी वाजपेयी ने अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा का उद्घोष किया था, तो वह केवल एक चुनावी नारा नहीं बल्कि एक वैकल्पिक राजनीति का संकल्प था। आज 2026 में जब भारतीय जनता पार्टी अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वह दुनिया के सबसे बड़े और अजेय नजर आने वाले राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित हो चुकी है। लेकिन इस अभूतपूर्व सफलता के ऊंचे बुर्ज पर बैठकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो कुछ बुनियादी सवाल आज भी पार्टी की उस अलग तरह के दल वाली छवि का पीछा कर रहे हैं। क्या सत्ता के इस विशाल साम्राज्य को खड़ा करने की प्रक्रिया में वे आदर्श कहीं पीछे छूट गए हैं, जो इस दल की नींव में रखे गए थे? भारतीय राजनीति के इस लंबे सफर में भाजपा ने शून्य से शिखर तक की जो यात्रा तय की है, वह संगठनात्मक कौशल का अद्भुत उदाहरण तो है, पर क्या यह सफर अपनी मूल शुचिता को भी साथ लेकर चल पाया है?

भाजपा की वैचारिक यात्रा का मूल आधार अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के दो मजबूत स्तंभ थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि विकास की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति का उदय हो। हालांकि, उज्ज्वला से लेकर मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में मदद जैसी बड़ी योजनाओं ने एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार किया है, जिसे पार्टी अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती है। लेकिन क्या कल्याणकारी योजनाओं का यह दाता और याचक वाला मॉडल असल सशक्तिकरण है? आज की राजनीति सेवा से ज्यादा आयोजन प्रबंधन और डिजिटल प्रचार पर टिकी नजर आती है। जिस नैतिक बल और सादगी की मिसाल पुराने दौर के नेता देते थे, उसकी जगह अब चकाचौंध और भारी-भरकम चुनावी मशीनरी ने ले ली है। विकास के दावों के बीच यह सवाल अक्सर दबी जुबान में पूछा जाता है कि क्या हम बुनियादी मुद्दों के बजाय केवल भावनात्मक और सांकेतिक राजनीति के जाल में तो नहीं उलझ गए हैं? एक जीवंत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना उतना ही जरूरी है जितना कि एक स्पष्ट बहुमत वाली सरकार का होना। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष मुक्त भारत की जिस अवधारणा को हवा दी गई, उसने लोकतांत्रिक संतुलन को बुरी तरह असहज किया है। जांच एजेंसियों के बढ़ते प्रभाव और विपक्षी नेताओं का बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल होकर रातों-रात पवित्र हो जाना, पार्टी की उस शुचिता पर गहरा सवालिया निशान लगाता है जिसका दावा वह दशकों से करती आई है। क्या सत्ता पाने की व्याकुलता में किसी भी दल के दागी चेहरों को अपना लेना उस कार्यकर्ता आधारित संगठन के लिए सही है, जो कभी अपने सिद्धांतों पर गर्व करता था? आज पार्टी का ढांचा भी पहले की तुलना में अधिक व्यक्ति-केंद्रित हो गया है। सामूहिक नेतृत्व और आंतरिक विमर्श की जगह अब केवल ऊपर से आने वाले आदेशों और हां में हां मिलाने वाली संस्कृति ने ले ली है।

राम मंदिर का निर्माण, अनुच्छेद 370 का खात्मा और नागरिकता कानूनों जैसे मुद्दों पर उसे व्यापक जनसमर्थन मिला है, लेकिन क्या राष्ट्रवाद की इस प्रबल लहर ने देश की बुनियादी आर्थिक चुनौतियों को कालीन के नीचे धकेल दिया है? बढ़ती बेरोजगारी, मध्यम वर्ग पर महंगाई का लगातार बढ़ता बोझ और अमीर-गरीब के बीच बढ़ती गहरी खाई ऐसे कड़वे सच हैं, जिन्हें केवल भव्य आयोजनों और नारों से नहीं बदला जा सकता। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का शिक्षित युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है। बड़े व्यापारिक घरानों के साथ बढ़ती नजदीकियों ने भी यह धारणा पुख्ता की है कि पार्टी का झुकाव अब आम आदमी से हटकर खास प्रबंधकों की ओर हो गया है।

स्थापना दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाजपा को गहराई से आत्ममंथन करने की जरूरत है। क्या वह केवल चुनाव जीतने वाली एक पेशेवर मशीन बनकर रहना चाहती है या वापस उस नैतिक राजनीति की ओर लौटेगी, जिसका वादा 1980 के मुंबई अधिवेशन में किया गया था? लोकतंत्र केवल बहुमत का नाम नहीं है, यह अल्पमत के सम्मान, आलोचना को पचाने की शक्ति और संस्थाओं की स्वायत्तता का नाम भी है। यदि भाजपा को आने वाले दशकों में अपनी साख और गौरवशाली इतिहास को बचाए रखना है, तो उसे अपनी जीत के अहंकार से ऊपर उठकर उन लोकतांत्रिक मूल्यों को फिर से गले लगाना होगा, जो उसकी स्थापना की मूल भावना थे। सत्ता तो आती-जाती रहती है, लेकिन जो विचार अपनी नैतिकता और लोक-लाज की परवाह करना छोड़ देता है, वह इतिहास की नजरों में अपनी चमक धीरे-धीरे खोने लगता है। आने वाला समय बताएगा कि कमल की यह पंखुड़ियाँ सिद्धांतों की महक फैलाती हैं या केवल सत्ता की धूप में मुरझा कर रह जाती हैं।

पाँच राज्यों के विधान सभा के चुनावी समरक्षेत्र में जनादेश की आहट

बिनोद कुमार सिंह

इस चुनावी महासमर में सबसे बड़ी शक्ति जनता ही है।वही इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक धुरी है,जिसके एक वोट से सत्ता का संतुलन बदल सकता है।यह चुनाव केवल सरकार चुनने का अवसर नहीं, बल्कि अपने भविष्य और अपने अधिकारों को दिशा देने का माध्यम है।पाँच राज्यों में सत्ता का संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी ,जनता जनार्दन मौन है।राज्यों के मतदाताओं ने अपने मन में जो निर्णय लिया है,वह शीघ्र ही मतपेटियों के माध्यम से सामने आएगा और उसी के आधार पर तय होगा कि सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा।

पाँच राज्यों में सता के सिंघासन पर कौन,राजनीतिक संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी,जनता जनार्दन है मौन...

भारत का लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं,बल्कि एक जीवंत परंपरा है,जहाँ प्रत्येक चुनाव जनभावनाओं का उत्सव बनकर सामने आता है।वर्ष 2026 में पाँच राज्यों-असम,तमिलनाडु,केरल, पश्चिम बंगाल और मणिपुर-के चुनाव इसी लोकतांत्रिक परंपरा के निर्णायक अध्याय बनकर उभरे हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन का अवसर नहीं,बल्कि पिछले पाँच वर्षों के कार्यों,वादों और जनता के विश्वास की अग्नि परीक्षा की घड़ी आ गई है।इन राज्यों की जनता ने बीते वर्षों में विकास,महंगाई, रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को नजदीक से महसूस किया है।अब जब चुनावी शंखनाद हो चुका है,राज्यों के मतदाता अपने मन में एक ठोस निर्णय बना चुका है।वह यह तय करने की स्थिति में है कि कौन उसके सपनों का संवाहक है और कौन केवल राजनीतिक वादों का व्यापारी है।भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि मतदाता अब पहले से कहीं अधिक सजग, जागरूक और निर्णायक हो गया है।वह जातीय और धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर सुशासन और विकास को प्राथमिकता देने लगा है।यही कारण है कि इस बार 5 राज्यों के विधान सभा चुनावों में पारंपरिक समीकरणों के साथ-साथ प्रदर्शन आधारित राजनीति भी प्रमुख भूमिका में दिखाई दे रही है। चुनावी मैदान आज एक ऐसे समरक्षेत्र में बदल चुका है,जहाँ सत्तारूढ़ राजनीतिक दल अपनी उपलब्धियों के रथ पर सवार है, वहीं विपक्ष असंतोष और सवालों के शस्त्र लेकर चुनावी मैदान में उतरा है।

अगर हम राजनीतिक परिदृश्य पर एक दृष्टि डालें तो हर राज्य की परिस्थितियाँ भिन्न होते हुए भी एक समानता स्पष्ट दिखाई देती है - सत्ता और विपक्ष के बीच सीधा और तीखा संघर्ष का दौर जारी है।सत्तारूढ़ दल अपने कार्यकाल के दौरान किए गए बुनियादी ढांचे के विकास,कल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों को जनता के सामने रख रहा है। 'डबल इंजन' जैसे राजनीतिक नारे और योजनाओं का लाभ उठाने वाला वर्ग उसके समर्थन का मजबूत आधार बन चुका है।वही दूसरी ओर विपक्ष महंगाई,बेरोजगारी,किसान संकट और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने में जुटा है और जनता को परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहा है।

यदि इन पाँच राज्यों के चुनावी परिदृश्य को गहराई से देखा जाए, तो एक बहुआयामी तस्वीर सामने आती है।असम में सत्ता पक्ष अपने मजबूत संगठन और नेतृत्व के कारण हल्की बढ़त बनाए हुए है। यहाँ उसे लगभग 44 से 48 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है,जबकि विपक्ष 40 से 43 प्रतिशत के बीच सिमट सकता है।सीटों के रूपांतरण में यह अंतर सत्ता पक्ष को बढ़त दिला सकता है,जहाँ 126 सदस्यीय विधानसभा में उसके 68 से 78 सीटों तक पहुँचने के संकेत मिलते हैं।इसके बावजूद मुकाबला पूरी तरह एकतरफा नहीं है और विपक्ष की चुनौती मजबूत बनी हुई है।वही तमिलनाडु में राजनीति अपने पारंपरिक द्रविड़ स्वरूप में ही दिखाई देती है,जहाँ डीएमके गठबंधन लगभग 42 से 46 प्रतिशत वोट हासिल कर स्पष्ट बढ़त की स्थिति में नजर आता है। एआईएडीएमके गठबंधन 34 से 38 प्रतिशत के बीच सीमित रह सकता है,जबकि अन्य दलों का प्रभाव सीमित दायरे में रहेगा।234 सदस्यीय विधानसभा में डीएमके गठबंधन 140 से 160 सीटों के साथ सशक्त स्थिति में उभर सकता है,जो यह स्पष्ट संकेत देता है कि वहाँ सत्ता की निरंतरता संभव है। केरल की राजनीति हमेशा से विचारधारात्मक संघर्ष और वैकल्पिक सत्ता परिवर्तन के लिए जानी जाती रही है,लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी भिन्न दिखाई देती है। एलडीएफ 43 से 46 प्रतिशत वोट के साथ बढ़त बनाए हुए है,जबकि यूडीएफ 41 से 44 प्रतिशत के बीच मुकाबले में बना हुआ है।140 सीटों वाली विधानसभा में एलडीएफ को 70 से 80 सीटों तक पहुँचने का अनुमान है,जो यह संकेत देता है कि परंपरागत ट्रेंड के विपरीत सत्ता की पुनरावृत्ति संभव हो सकती है।पश्चिम बंगाल का चुनावी परिदृश्य सबसे अधिक तीव्र और ध्रुवीकृत दिखाई देता है।यहाँ टीएमसी 44 से 47 प्रतिशत वोट के साथ आगे है,जबकि भाजपा 38 से 42 प्रतिशत के बीच मजबूत चुनौती दे रही है।294 सीटों वाली विधानसभा में टीएमसी को 160 से 190 सीटें मिलने की संभावना है,जबकि भाजपा 90 से 120 सीटों के बीच रह सकती है।यह परिणाम दशार्ता है कि सत्ता पक्ष को बढ़त तो है,लेकिन विपक्ष भी निर्णायक उपस्थिति दर्ज कर रहा है। जहाँ तक केंद्र शासित जहाँ तक मणिपुर की बात है तो मणिपुर में राजनीतिक समीकरण अधिक जटिल और स्थानीय प्रभावों पर आधारित हैं।यहाँ भाजपा 36 से 40 प्रतिशत वोट के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभर सकती है, जबकि कांग्रेस 30 से 34 प्रतिशत के बीच रह सकती है।क्षेत्रीय दलों का 20 से 25 प्रतिशत वोट इस चुनाव को त्रिशंकु स्थिति की ओर ले जा सकता है।60 सदस्यीय विधान सभा में किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत मिलना कठिन प्रतीत होता है और गठबंधन की राजनीति यहाँ निर्णायक भूमिका निभा सकती है।इन सभी 5 राज्यों के समेकित विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय चुनावी समीकरण में वोट प्रतिशत और सीटों का अनुपात हमेशा सीधा नहीं होता।कई बार केवल 2 से 3 प्रतिशत वोट का अंतर दर्जनों सीटों का अंतर बना देता है,जो सत्ता की दिशा बदलने में निर्णायक साबित होता है।ऐसे में क्षेत्रीय दल अभी भी कई राज्यों में राजनीति के केंद्र में हैं और राष्ट्रीय दलों के लिए चुनौती बने हुए हैं।गठबंधन राजनीति का प्रभाव असम और मणिपुर जैसे राज्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है,जबकि तमिलनाडु,केरल और पश्चिम बंगाल में क्षेत्रीय नेतृत्व की पकड़ मजबूत बनी हुई है।

अगर हम चुनावी मुद्दों की बात करें तो महंगाई,रोजगार,कृषि संकट, युवा आकांक्षाएँ और महिला सशक्तिकरण जैसे विषय हर राज्य में गूंज रहे हैं।कोविड के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा भी प्रमुख मुद्दों के रूप में उभरे हैं।इसके साथ ही सोशल मीडिया ने चुनावी परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर चल रहा प्रचार और संवाद अब चुनावी रणनीति का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।इन चुनावों का प्रभाव केवल इन राज्यों तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करेगा।वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से इसे एक प्रकार का सेमीफाइनल माना जा रहा है।यदि सत्तारूढ़ दल इन चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसकी राष्ट्रीय स्थिति और मजबूत होगी।वहीं विपक्ष के लिए यह अवसर है कि वह अपनी रणनीति को धार देकर आगामी चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करे।

संक्षेप में, इस चुनावी महासमर में सबसे बड़ी शक्ति जनता ही है।वही इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक धुरी है,जिसके एक वोट से सत्ता का संतुलन बदल सकता है।यह चुनाव केवल सरकार चुनने का अवसर नहीं, बल्कि अपने भविष्य और अपने अधिकारों को दिशा देने का माध्यम है।पाँच राज्यों में सत्ता का संघर्ष और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा की घड़ी ,जनता जनार्दन मौन है।राज्यों के मतदाताओं ने अपने मन में जो निर्णय लिया है,वह शीघ्र ही मतपेटियों के माध्यम से सामने आएगा और उसी के आधार पर तय होगा कि सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा।

चुनावी समरक्षेत्र में शंखनाद हो चुका है,रथ सज चुके हैं और राजनीतिक योद्धा मैदान में उतर चुके हैं।अब सबकी निगाहें उस अंतिम निर्णय पर टिकी हैं,जो जनता जनार्दन के हाथों में है।वही निर्णय आने वाले समय की राजनीति की दिशा तय करेगा और इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा कि किसने जनादेश को समझा और किसे आत्ममंथन की राह चुननी पड़ी।

पर्स पर लिपटे जवाहरात

एक अच्छा पर्स महिलाओं का भरोसेमंद साथी होता है। सुविधा देने के साथ ही पर्स यह भरोसा भी दिलाता है कि आवश्यकता पड़ने पर आपको किसी चीज के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है।

पर्स या बैग्स महिलाओं के लिए एक आवश्यक एसेसरी की भूमिका निभाते हैं। ये न केवल सामान रखने के लिए उपयोगी हैं बल्कि व्यक्तित्व को शानदार बनाने में भी अहम रोल अदा करते हैं। आजकल बाजार में स्टोन तथा सेमी प्रेशियस स्टोन्स से सजे हुए पार्टी पर्स या जड़ाऊ पर्स चलन में हैं। ये न केवल शादी-पार्टी के लिए महिलाओं की पसंद बन रहे हैं बल्कि कॉलेज या गेट टु गेदर में युवतियों को भी इनका प्रयोग भा रहा है।

एक अच्छा पर्स महिलाओं का भरोसेमंद साथी होता है। सुविधा देने के साथ ही पर्स यह भरोसा भी दिलाता है कि आवश्यकता पड़ने पर आपको किसी चीज के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है।

रुपए, मेकअप का सामान तथा क्रेडिट कार्ड से लेकर बिस्किट के पैक, चॉकलेट या बच्चों के छिटपुट कपड़े रखने तक में पर्स एक शानदार 'मिनी मोबाइल अलमारी' का काम करता है। चूँकि यह हमेशा महिलाओं के साथ होता है अत: डिजाइनर्स इसके स्वरूप तथा रंग-रूप के साथ कई प्रयोग करते रहते हैं, ताकि महिलाएँ एक ही तरह के बैग्स या पर्स से बोर न हो जाएँ।

इसी कड़ी में आजकल जरदोज़ी, सिल्क या वेलवेट में लिपटे, नाजुक रेशमी लच्छों या रंगीन जवाहरातों से सजे पर्स सबके मन भा रहे हैं। शादी तथा पार्टी के लिए तो इनका प्रयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। बड़े डिजाइनरों से लेकर सामान्य उत्पादक भी ऐसे पर्स बड़ी संख्या में बना रहे हैं।

इन पर्सों या बैग में जगह के साथ-साथ बाहरी आकर्षण पर मुख्य ध्यान दिया जाता है। इसके लिए विभिन्न सेमी प्रेशियस स्टोन्स से लेकर, रेशम, जरदोजी, वेलवेट, मोती, बीड्स, एम्ब्रायडरी से लेकर मुगलकालीन या रजवाड़ी पेंटिग्स के पीस एवं स्वारोवस्की क्रिस्टल्स, कुंदन, मैटल के सजावटी पीस, रुबी, फिरोजा, मूँगा आदि जैसे बहुमूल्य रत्नों का प्रयोग भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

विशेषतौर पर एसेसरीज डिजायनर्स, पर्स, बैग्स तथा क्लचेस पर काफी प्रयोग कर रहे हैं। चाहे छोटे क्लचेस हों या बड़े शोल्डर बैग्स जब इन पर रंग-बिरंगे स्टोन्स सजते हैं तो ये कुछ अलग ही अंदाज में दिखने लगते हैं। आप चाहें तो अपनी ड्रेस की मैचिंग के हिसाब से भी पर्स डिजायन करवा सकती हैं। यही नहीं इन पर्सों में डिजायन के अलावा ड्रेस के ही फैब्रिक का भी उपयोग बखूबी किया जा सकता है।

रत्नों के अलावा इन पर फैदर्स यानी कृत्रिम पंखों का भी सुंदर प्रयोग किया जा सकता है। इनकी कीमत इन पर प्रयोग की जाने वाली सामग्री पर निर्भर करती है। यदि आप आर्टिफिशियल स्टोन्स या सामान्य बैग लेना चाहती हैं तो यह बाजार में 100 रुपए तक में मिल सकता है, वहीं डिजाइनर तथा असली रत्नों से जड़े एक पर्स की कीमत लाखों रुपए तक हो सकती है।

यह आपकी जेब पर है कि आप क्या चाहती हैं। लेकिन हाँ, नए ट्रेंड के ये पर्स, आपको महफिल की जान बना सकते हैं। तो अगर इस बार पार्टी के लिए कुछ अलग लुक चाहें तो शौक से इन जड़ाऊ पर्स को अपनाएँ।

जागो ग्राहक जागो

सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए कानून बनाए हैं। लेकिन, जागरूकता के अभाव में उनका सही तरीके से पालन नहीं हो पा रहा है। उपभोक्ता के रूप में आपको चयन, सुरक्षा, सुनवाई और क्षतिपूर्ति पाने का अधिकार है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अनुसार उपभोक्ता वह व्यक्तिहै, जो कीमत देकर या देने का वचन देकर वस्तुओं या सेवाओं का क्रय करता है। खराब वस्तु या सेवा में कमी के लिए क्षतिपूर्ति तभी प्राप्त की जा सकती है, जब मूल्य चुकाया हो या फिर चुकाने का वादा किया हो। निशुल्क वस्तु या सेवा प्राप्त करने वाला व्यक्तिउपभोक्ता की श्रेणी में नहीं आता।

शिकायत करने का तरीका

वस्तु की किस्म, मात्रा में कमी या दोष होने और निर्धारित मूल्य से अधिक लेने पर दी जाने वाली सेवा में कमी, त्रुटि, वस्तु या सेवा जीवन और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली होने पर स्थानीय जिला मंच में शिकायत की जा सकती है।

बीस लाख तक का विवाद जिला मंच, एक करोड़ रूपए तक का राज्य आयोग और इससे ऊपर के विवाद राष्ट्रीय आयोग में दायर किए जाते हैं। उपभोक्ता संरक्षण कानून के अनुसार एक लाख तक का दावा राशि के लिए एक सौ रूपए और दो लाख से पांच लाख तक की हर्जाना राशि के लिए दो सौ रूपए कोर्ट फीस का प्रावधान किया गया है। शिकायत करने का कोई निर्धारित तरीका नहीं है। सादे कागज पर इन बातों का समावेश होना चाहिए-

- शिकायत करने वाले का नाम और पता।
- जिसके विरूद्ध शिकायत की गई है, उसका नाम और पूरा पता।
- खरीदी गई वस्तु या सेवा का पूरा विवरण।
- वस्तु या सेवा में कमी का विवरण।
- चाही गई क्षतिपूर्ति या हर्जाना।
- सबूत खरीदने का बिल आदि।

क्या करें

अपने अधिकारों का समुचित लाभ उठाने के लिए इन बातों का विशेष ध्यान रखें-

- वस्तु खरीदते समय उसका बिल या रसीद जरूर लें। वस्तु या सेवा से संबंधित कोई वारंटी या गारंटी कार्ड हो, तो लेना न भूलें। उस पर अपना नाम और खरीदने की तिथि अवश्य अंकित कराएं।

- छपी हुई कीमत से अधिक में कोई वस्तु न खरीदें। इससे अप्रत्याशित रूप से कम कीमत में भी वस्तु न खरीदें। मिलावट का शक होने पर शिकायत करें या जांच करवाएं।
- पैकिंग माल सीलबंद ही लें। इस पर दी गईं शर्तो और निर्देशों को अच्छी तरह पढ़ लें।
- ध्यान रखें कि नाप, माप और तोल सही हो। शक होने पर शिकायत करके बाट, माप और नाम की जांच कराने के लिए लिखें।
- किसी भी प्रकार की कमी होने पर संबंधित निवारणकर्ता अधिकारी, जिला मंच उपभोक्ता संरक्षण में शिकायत करें।

मिलती है क्षतिपूर्ति

उपभोक्ता द्वारा मांगी गई राहत, वस्तु या सेवा में कमी के तथ्यों को देखते हुए उपभोक्ता मंच वस्तु या सेवा की कमी को दूर करता है। वस्तु को बदला जाता है और मूल्य वापस दिलाया जाता है। उपभोक्ता को हुई हानि के लिए क्षतिपूर्ति राशि दिलाई जाती है। मुआवजे की राशि के साथ परिवार खर्च भी दिलाया जाता है। पर ध्यान रखें किसी को परेशान करने के लिए मिथ्या परिवाद पेश नहीं करें। झूठा साबित होने पर उपभोक्ता पर भी जुर्माना हो सकता है।

ध्यान दें अपने बच्चों पर

कामकाजी माता-पिता और मुश्किले

जब तक बच्चे छोटे होते हैं, तब तक वे हर छोटी-बड़ी चीज के लिए पूरी तरह से अपने माता-पिता पर ही निर्भर रहते हैं। यह सत्य है कि घर पर रहकर आप बच्चों की अच्छे से देखभाल कर सकते हैं लेकिन यदि माता-पिता दोनों ही कामकाजी हों तब उनकी मुश्किलें और भी अधिक बढ़ जाती हैं क्योंकि ऐसे में वो बच्चों के खान-पान, पढ़ाई आदि पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते हैं।

हम आपको बताते हैं कुछ आसान टिप्स, जो बच्चे की देखभाल करने में आपके लिए मददगार होंगे-

- यदि आप रोज सुबह ऑफिस जाते हैं तो सुबह-सुबह बच्चों के लिए खाना व सलाद बनाकर रख दें ताकि बच्चा समय पर भोजन गर्म करके खा सके।
- बच्चों को संतुलित भोजन मिल पा रहा है या नहीं इस बात का विशेष ख्याल रखें।
- बच्चों के लंच, डिनर व ब्रेकफास्ट का टाइम व मीनू निर्धारित करके रखें।
- खाली समय के सदुपयोग के लिए बच्चों की ट्यूशन लगाएँ ताकि वे आपकी गैरहाजिरी में भी अपनी पढ़ाई को जारी रख सकें।
- उनके खेलने के लिए वक्त निर्धारित करें। स्कूल के बारे में नियमित रूप से जानकारी लेते रहें और कम से कम महीने में एक बार स्कूल जाकर शिक्षकों से भी मिलें।
- ऑफिस से घर आने के बाद बच्चों को समय दे तथा उनकी पढ़ाई संबंधी जानकारी हासिल करें।
- फोन पर दिनभर अपने बच्चों से संपर्क बनाए रखें।

भाजी-पुलाव

सामग्री : बासमती चावल-1 कटोरी, दो गाजर, दो शिमला मिर्च, एक टमाटर, दो प्याज, दो उबले आलू, थोड़ी सी मटर, पावभाजी मसाला-2 चम्मच, हल्दी, नमक, मिर्च सभी आवश्यकतानुसार, थोड़ा तेल।

विधि : सर्वप्रथम चावल पकाने के बाद उसे एक थाली में फैला दें। पैन में थोड़ा तेल डालकर उसमें प्याज, टमाटर, आलू, शिमला मिर्च, गाजर-मटर (उबले) के छोटे-छोटे टुकड़े कर, डालकर पका लें।

उसमें पावभाजी मसाला व आवश्यकतानुसार नमक, हल्दी, मिर्च डाल लें। इसमें पके चावल मिलाएँ। एक अच्छी भाप आने के बाद उतारें और परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 3850

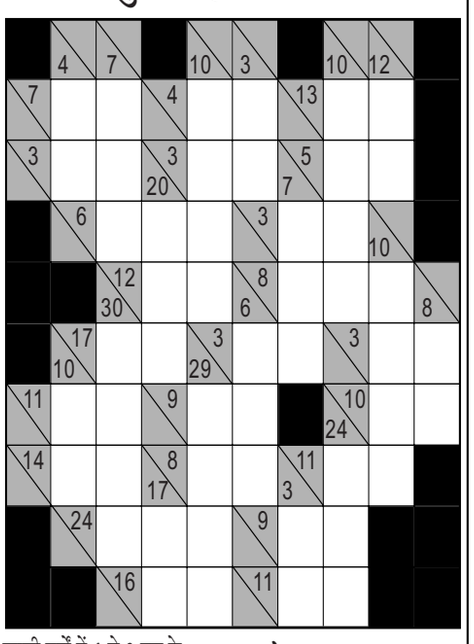

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

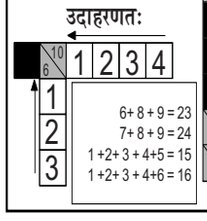

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=15
1+2+3+4=16

काकुरो - 3849 का हल

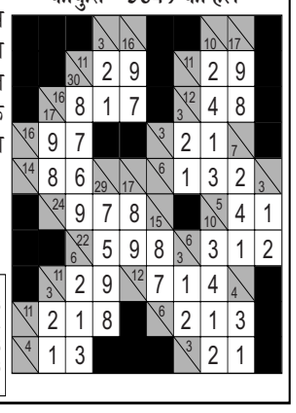

हंसी के फव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला-'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

□ □ □

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा-'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!'वह आदमी कड़क आवाज में बोला-'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

□ □ □

बेटा-'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता-कितने अंक मिले हैं.

बेटा-'शून्य,शून्य,शून्य !'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3850

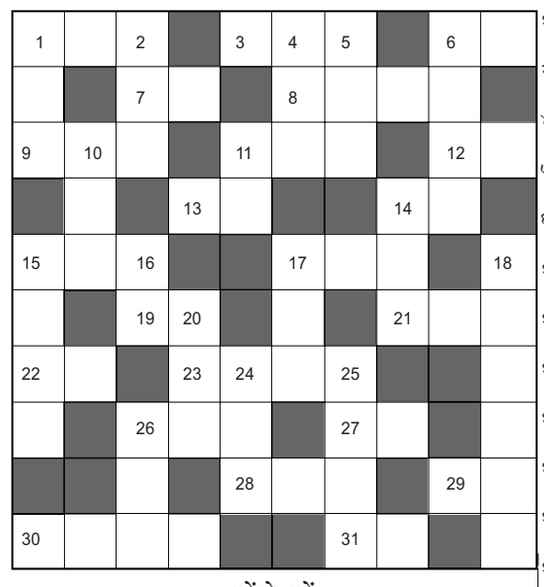

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगू' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 3849

य	हू	दी	■	अ	नु	रो	ध	■	क्रो
ह	■	वा	स्त	व	■	हि	■	आँ	धी
दे	व	र	■	ता	क	त	■	च	■
श	र्त	■	पा	र	स	■	स	ल	मा
■	मा	■	पी	■	क	स	म	■	ला
जा	न	म	■	अ	■	गा	य	ब	■
ने	■	शा	र	दा	■	ई	■	ना	च
म	ह	ल	■	ल	की	■	जो	र	■
न	■	■	अं	त	■	जं	■	स	त्या
■	बा	रि	श	■	जु	ग	नू	■	ग

सूडोकु -3850

4			9		6	1		8
6	8					9	2	3
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3849 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 3850

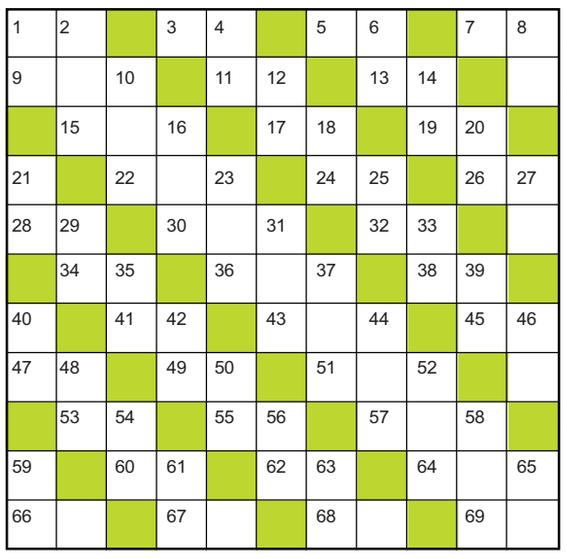

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -3849 का हल

■	स	र	ग	ना	■	आ	म	रा	य	■
फि	■	न	ज	ला	■	फि	क	र	■	त
त	ल	■	ल	य	■	स	र	■	ला	ल
र	ह	ना	■	क	हा	र	■	ज	ल	वा
त	र	सा	ना	■	ति	■	ज	ल	च	र
■	■	■	र	ह	म	दि	ल	■	■	■
ब	ग	दा	द	■	ता	■	न	ज	रा	ना
र	म	ल	■	स	ई	स	■	प	ह	रा
ग	ला	■	स	दा	■	ल	स	■	त	य
द	■	ग	ली	चा	■	वा	न	र	■	ण
■	का	श्त	का	र	■	र	म	जा	न	■

निर्णायक सप्ताह आरबीआई नीति और वैश्विक तनाव तय करेंगे बाजार की दिशा

– तेल की कीमत, रुपये की स्थिति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट का दौर रहा, जिससे निवेशकों की चिंता बढ़ गई है।

नए वित्त वर्ष की शुरुआत में यह सप्ताह बाजार की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है। घरेलू आर्थिक संकेतों के साथ-साथ वैश्विक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की सोच में असमंजस पैदा कर दिया है। इस हफ्ते कई ऐसे प्रमुख कारक हैं, जो बाजार की चाल पर निर्णायक असर डाल सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 6 से 8 अप्रैल तक होगी। इस बैठक में ब्याज दर, महंगाई और लिक्विडिटी जैसे अहम मुद्दों पर फैसला लिया जाएगा। निवेशकों की निगाह इस पर है कि आरबीआई महंगाई और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच किस तरह की नीति अपनाता है। यदि ब्याज दर बढ़ाई जाती है, तो बैंकिंग और रियल एस्टेट सेक्टर पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं, उदार नीति से उपभोक्ता खर्च और कॉर्पोरेट निवेश को बढ़ावा मिल सकता है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इसी बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भारत जैसे आयातक देश के लिए दबाव बढ़ा दिया है। महंगे तेल का असर चालू खाता घाटे और महंगाई पर पड़ सकता है। इसके अलावा, कंपनियों की लागत बढ़ने और उपभोक्ताओं की जेब पर असर डालने से बाजार की नकारात्मक भावना को बढ़ावा मिल सकता है। पिछले सप्ताह रुपये का डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरना निवेशकों की चिंता का मुख्य कारण बना। आरबीआई के हस्तक्षेप से थोड़ी स्थिरता आई, लेकिन मुद्रा की अस्थिरता विदेशी निवेश और आयात लागत को प्रभावित कर सकती है। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारी बिकवाली भी बाजार पर दबाव बनाए रख रही है। यदि यह रुझान जारी रहा, तो तेजी की उम्मीदें कमजोर पड़ सकती हैं। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा आरबीआई

की नीति, तेल की कीमत, रुपये की स्थिति और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर निर्भर करेगी। निवेशकों को सतर्क रहना और इन संकेतकों पर नजर रखना जरूरी है, क्योंकि किसी भी बदलाव से बाजार में तेजी या गिरावट दोनों तेज़ी से देखने को मिल सकती है।

एफपीआई ने बाजारों से अप्रैल में की पहले दो सत्रों में 19,837 करोड़ की बिकवाली

- पश्चिम एशिया संघर्ष, बढ़ते तेल दाम और रुपये में कमजोरी ने विदेशी निवेशकों को बेचने पर मजबूर किया

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय शेयर बाजार से निकासी का सिलसिला अप्रैल 2026 में भी जारी है। केवल अप्रैल के पहले दो कारोबारी सत्रों में ही एफपीआई ने 19,837 करोड़ रुपये (लगभग 2.1 अरब डॉलर) के शेयर बेचे। यह मार्च में हुई रिकॉर्ड निकासी के बाद बाजार पर दबाव बनाए रखने वाला नया संकेत है। मार्च 2026 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 1.17 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.7 अरब डॉलर) निकाले थे, जो किसी भी महीने की अब तक की सबसे बड़ी निकासी थी। वहीं फरवरी में निवेशकों ने शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये डाले थे, जो पिछले 17 महीनों का सबसे ऊँचा निवेश था। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 2026 में अब तक एफपीआई ने कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की है। बाजार के जानकारों के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, कच्चे तेल के दाम के 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने, रुपये में लगातार कमजोरी और डॉलर की मजबूती ने बिकवाली को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि युद्ध के बाद रुपये में लगभग चार प्रतिशत की गिरावट आई है, और आगे भी कमजोरी की आशंका बिकवाली को और बढ़ा रही है।

अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने से निश्चित आय वाली परिसंपत्तियों का आकर्षण बढ़ा है। ऐसे में निवेशक अपने निवेश को शेयरों से अन्य संपत्तियों की ओर संतुलित कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू मुद्रा कमजोरी के बीच, एफपीआई की बिकवाली का दबाव बाजार पर और कुछ समय तक बना रह सकता है।

सोने के दामों में 18.5 फीसदी गिरावट

– गिरवी सोने को नीलामी से बचाने सावधान रहें, 50-60ब्र से ज्यादा लोन लेने से बचें

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोने के दामों में करीब 18.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में इस कमी का असर गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ रहा है। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना गिरवी रखकर अधिक राशि का कर्ज लिया था, उनके सामने अब 'मार्जिन कॉल' का खतरा बढ़ गया है।विशेषज्ञों के अनुसार, जब सोने की कीमत घटती है तो गिरवी रखे आभूषणों की वैल्यू कम हो जाती है और लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्थान अतिरिक्त रकम जमा कराने या आंशिक लोन चुकाने का नोटिस दे सकते हैं।

तय समय में भुगतान नहीं करने पर गिरवी सोने की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि मौजूदा अस्थिर बाजार में सोने के वर्तमान मूल्य का 50 से 60

फीसदी तक ही लोन लेना सुरक्षित माना जाता है। इससे कीमतों में गिरावट आने पर भी उधारकर्ता के पास सुरक्षा का पर्याप्त मार्जिन रहता है और नीलामी की नौबत नहीं आती। ग्राहकों को समय-समय पर बाजार भाव पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर लोन आंशिक रूप से चुकाने की सलाह दी गई है।

एफएमसीजी कंपनियों की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही

नई दिल्ली ।

रोजमर्रा के उपभोग के सामान बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों की वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में स्थिर मांग के बीच वृद्धि मजबूत रही। हालांकि, पश्चिम एशिया के बाजारों में जारी भू-राजनीतिक तनाव चिंता का विषय बना हुआ है। मैरिको, डाबर और एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस (पूर्व में अदाणी विल्मर) जैसी कंपनियों ने मात्रा और मूल्य दोनों में वृद्धि दर्ज की है। यह बढ़ोतरी मूल्य निर्धारण में बदलाव, विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में गति, मजबूत घरेलू खपत और संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वृद्धि के कारण संभव हुई है। कंपनियों को उम्मीद है कि महंगाई में कमी आने से मार्जिन में सुधार होगा। हालांकि वे आने वाली तिमाहियों को लेकर सतर्कता के साथ आशावादी बनी हुई हैं। उनका मानना है कि स्थिर आर्थिक परिस्थितियों और बेहतर खपत रुझानों के कारण घरेलू मांग में सुधार जारी रहेगा। घरेलू कंपनी मैरिको ने अपनी की तिमाही की जानकारी में बताया कि इस अवधि में उसकी एकीकृत आय में सालाना आधार पर करीब 20

प्रतिशत के आसपास वृद्धि हुई है। यह वृद्धि मूल्य निर्धारण उपायों, केश तेल श्रेणी में मजबूत प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय कारोबार में बेहतर मांग से संभव हुई। डाबर ने भी अपेक्षाकृत संतुलित प्रदर्शन दर्ज करते हुए मार्च तिमाही में मध्यम एकल अंक की आय वृद्धि का अनुमान जताया है। कंपनी ने कहा कि घरेलू मांग में क्रमिक सुधार देखा गया और भारत में उसका त्वरित उपभोग वस्तु कारोबार उच्च एकल अंक की वृद्धि दर्ज कर सकता है।

मिडिल ईस्ट युद्ध से राजस्थान के बीकानेरी स्नैक्स निर्यात पर भारी असर

– माल ढुलाई की लागत में तेज़ी से वृद्धि हुई है और व्यापार पर दबाव बढ़ा

नई दिल्ली ।

अमेरिका-ईरान संघर्ष और होर्मुज स्ट्रेट की बंदिशों ने राजस्थान के बीकानेर के स्नैक्स उद्योग को भी झकझोर दिया है। भुजिया, पापड़ और मसालों का निर्यात अब महंगा और लंबा हो गया है, जिससे व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है।

निर्यातक बताते हैं कि पहले 30 दिनों में पहुंचने वाले कंटेनर अब लंबे और सुरक्षित मार्ग अपनाने के कारण 60 दिन तक ले जा रहे हैं। इससे माल ढुलाई की लागत में तेज़ी से वृद्धि हुई है और व्यापार पर दबाव बढ़ा है। बीकानेरी स्नैक्स खाड़ी देशों और यूरोप में बड़े पैमाने पर निर्यात होते हैं।

यूएस-ईरान युद्ध के कारण माल ढुलाई शुल्क बढ़ा, कंटेनरों की कमी हुई और सप्लाई चेन प्रभावित हुई। अरब देशों में मांग मजबूत है, लेकिन डिलीवरी में देरी के कारण नुकसान हो रहा है। खाद्य तेल की कीमत में पिछले एक महीने में लगभग 20 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि पैकेजिंग लागत में 30-40 फीसदी का इजाफा हुआ। ताड़ के तेल और सोयाबीन जैसे कच्चे माल के आयात में भी बाधा आई है। इन कारणों से उद्योग पर वित्तीय दबाव और बढ़ गया है।

बीकानेर से हर महीने 15-20 कंटेनर भुजिया और पापड़ तथा लगभग 60 कंटेनर अन्य स्नैक्स और मसाले निर्यात किए जाते हैं। मुख्य बाजार ईरान, इराक, ओमान, यूएई, कतर, बहरीन और यूरोप के ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली व स्पेन हैं। युद्ध और वैश्विक टेंशन के कारण करोड़ों रुपये का माल बंदरगाहों पर या रास्ते में फंसा हुआ है।

सेंसेक्स की शीर्ष छह कंपनियों का बाजार पंजीकरण 64,734 करोड़ घटा

– शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाले में सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 64,734.46 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 29,993.07 रुपये करोड़ घटकर 10,20,420.26 करोड़ रुपये पर आ गया।

आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 12,845.81 करोड़ रुपये घटकर 8,70,705.49 करोड़ रुपये रह गई।बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 11,169.36 करोड़ रुपये कम होकर 5,14,226.12 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 7,822.79 करोड़ रुपये घटकर 11,56,195.90 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 2,349.59 करोड़ रुपये घटकर 4,85,190.60 करोड़ रुपये रहा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 553.84 करोड़ रुपये घटकर 9,41,015.31 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के उलट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 22,359.78 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,028.43 करोड़ रुपये हो गया।इंफोसिस का पूंजीकरण 12,374.76 करोड़ रुपये बढ़कर

5,27,409.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। लार्सन एंड टुब्रो का मूल्यांकन 6,575.43 करोड़ रुपये बढ़कर 4,97,111.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 3,518.45 करोड़ रुपये बढ़कर 18,28,034.07 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

सरसों की गिरावट के बीच सोयाबीन, पामतेल और बिनौला तेल में मजबूती

- शादी-विवाह के मौसम की मांग और विदेशी बाजार में गतिविधियों के कारण तेलों की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों के दाम घटे, जबकि सोयाबीन, मूंगफली, पामतेल और बिनौला तेल की कीमतें मजबूती दिखाईं। शादी-विवाह के मौसम की मांग और विदेशी बाजार में गतिविधियों के कारण अन्य तेलों की कीमतें बढ़ीं। बड़ी तेल मिलों ने सस्ते दाम पर सरसों खरीदने के लिए उत्पादन अनुमान बढ़ाया और आयात शुल्क को लेकर अफवाहें फैलाईं। किसानों ने अपनी फसल रोक-रोक कर बाजार में उतारी, जिससे सरसों तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सोयाबीन तेल की कीमत 1,390-95 डॉलर प्रति टन तक बढ़ गई। इंडोनेशिया में जुलाई से बायो-डीजल में पामतेल के बढ़ते उपयोग और मलेशिया में निर्यात में वृद्धि ने पाम और पामोलीन तेल के दामों को मजबूती दी। कपास नरमा की आवक घटने और मूंगफली तेल महंगा होने के कारण बिनौला तेल की मांग बढ़ी।

इसके चलते बिनौला तेल के दाम भी मजबूती के साथ बंद हुए, जबकि बाजार में कुल मिलाकर तेल-तिलहन विविधता में हलचल रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 100 रुपये की गिरावट के साथ 6,925-6,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,725 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,440-2,540 रुपये और 2,440-2,585 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 5,800-5,850 रुपये और 5,475-5,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 16,825 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 475 रुपये के सुधार के साथ 16,225 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 175 रुपये के सुधार के साथ 13,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये की मजबूती के साथ 7,300-7,775 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 100 रुपये के सुधार के साथ 17,650 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 15 रुपये की मजबूती के साथ 2,785-3,085 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,725 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये सुधरकर 15,675 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 250 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।तेजी के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 600 रुपये के सुधार के साथ 15,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रिजर्व बैंक की ऐप से बिना बैंक जाए मिलेगा लोन

- किसानों, डेयरी संचालकों और पर्सनल लोन लेने वालों के लिए प्रक्रिया होगी आसान

नई दिल्ली ।

अब लोन लेने के लिए बैंकों के चक्कर लगाने और लंबी कागजी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही एक नई डिजिटल व्यवस्था शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत मोबाइल ऐप के माध्यम से मिनटों में लोन स्वीकृत किया जा सकेगा। इस पहल का उद्देश्य छोटे कर्जदारों, किसानों, डेयरी संचालकों और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों को त्वरित और पारदर्शी सुविधा उपलब्ध कराना है।नई प्रणाली के तहत जमीन के रिकॉर्ड, क्रेडिट स्कोर और आय संबंधी जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। इससे बैंक और वित्तीय संस्थानों को आवेदक की पात्रता जांचने में आसानी होगी और लोन प्रक्रिया तेज होगी। शुरुआत में छोटे कर्ज और कृषि से जुड़े ऋण दिए जाएंगे, जिससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।बताया जा रहा है कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से कई बैंक और डेटा सेवा प्रदाता जुड़ेंगे, जिससे सूचनाओं का आदान-प्रदान सुरक्षित और त्वरित होगा। इससे बैंकों की परिचालन लागत भी कम होगी और ग्राहकों को कम समय में ऋण मिल सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम देश में डिजिटल बैंकिंग को नई दिशा देगा और वित्तीय समावेशन को मजबूती प्रदान करेगा।

ईरान युद्ध की वजह से अमेरिका में भी बढ़ने लगी है महंगाई

वाशिंगटन ।

ईरान के खिलाफ संभावित युद्ध ने अमेरिका में आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी और डिलीवरी कंपनियों द्वारा अधिभार लगाने से आम उपभोक्ताओं की जेब पर असर दिखने लगा है। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत शुक्रवार को 4.09 डॉलर प्रति गैलन पहुंच गई, जो अगस्त 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। डीजल की कीमत 3.64 डॉलर से बढ़कर 5.53 डॉलर प्रति गैलन हो गई है। डीजल का व्यापक उपयोग कृषि, निर्माण और परिवहन उद्योगों में होता है। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने 17 अप्रैल से तीसरे पक्ष विक्रेताओं पर 3.5 फीसदी ईंधन अधिभार लगाने की घोषणा की। अमेरिकी डाक सेवा (यूएसपीएस) भी अस्थायी रूप से 8 फीसदी ईंधन अधिभार लागू करने की योजना बना रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर युद्ध लंबा खिंचता है, तो अमेरिका की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी। शिकागो फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष ऑस्टन गूल्सबी ने चेताया कि बढ़ी हुई परिवहन लागत अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी असर डालेगी, जिससे जीवनयापन महंगा होगा।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर घटाकर 6 फीसदी की, महंगाई बढ़ने का खतरा

- निजी उपभोग में कमी, औद्योगिकी गतिविधियों में सुस्ती और निवेश में गिरावट मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि होगी, जिससे महंगाई पर दबाव बढ़ेगा और घरेलू उपभोग प्रभावित होगा। मूडीज की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की वृद्धि दर पहले अनुमानित 6.8 फीसदी से घटकर 6 फीसदी रहने की संभावना है। निजी उपभोग में कमी, औद्योगिकी गतिविधियों में सुस्ती और निवेश में गिरावट इसका मुख्य कारण हैं। ईंधन और रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ उर्वरक आयात पर निर्भरता से खाद्य मुद्रास्फीति में भी बढ़ोतरी हो सकती है। मूडीज ने चेताया है कि भूराजनीतिक तनाव महंगाई के जोखिम को ऊपर की ओर ले जा सकता है। एजेंसी ने 2026-27 में औसत मुद्रास्फीति 4.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो 2025-26 की 2.4 फीसदी से अधिक है। इस पर नीतिगत प्रतिक्रिया के रूप में रेपो दर या तो स्थिर रखी जाएगी या धीरे-धीरे बढ़ाई जाएगी। पश्चिम एशिया से भारत का कच्चा तेल आयात लगभग 55 फीसदी और एलपीजी का 90 फीसदी आता है। इसी कारण ईंधन और परिवहन लागत बढ़ सकती है। इसके अलावा खाड़ी देशों से भेजे जाने वाले रेमिटेंस पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि इसके 40 फीसदी हिस्से की आपूर्ति वहीं से होती है। दूसरी एजेंसियों का भी अनुमान है। ओईसीडी ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.1 फीसदी, जबकि आईसीआरए ने 6.5 फीसदी बताई है। आईसीआरएने कहा कि निर्यात स्थिर रहेगा, लेकिन आयात बढ़ने से चालू खाता घाटा बढ़ सकता है।

सुजुकी मोटरसाइकिल का लक्ष्य वैश्विक बिक्री में 50 फीसदी योगदान

- खरखौदा नया संयंत्र घरेलू और निर्यात बिक्री बढ़ाएगा

नई दिल्ली ।

सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने अपनी वैश्विक बिक्री में योगदान बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी का उद्देश्य सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन (एसएमएसी) की दुनिया भर में मोटरसाइकिल बिक्री में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा देना है। वित्त वर्ष 2025-26 में एसएमआईपीएल ने 14,39,415 इकाइयों की अब तक की सबसे ऊंची बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की 12,56,155 इकाइयों से 15 फीसदी अधिक है। घरेलू बिक्री 11,74,874 इकाई रही और निर्यात 26 फीसदी बढ़कर 2,64,541 इकाई हुआ। कंपनी हरियाणा के खरखौदा में नया संयंत्र बना रही है, जिसमें लगभग 1,174 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इसकी सालाना उत्पादन क्षमता 7.5 लाख इकाई की होगी। वर्तमान खेरकी दौला संयंत्र 14 लाख इकाई का उत्पादन करता है।

एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2027 पर हार्दिक पांड्या की नजर

– 10 ओवर गेंदबाजी के लिए कर रहे खास तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अभी से वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पांड्या ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट को स्पष्ट कर दिया है कि वह 2027 विश्व कप का हिस्सा बनना चाहते हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वह पिछले कुछ महीनों से अपनी गेंदबाजी पर खास काम कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स की सबसे बड़ी शर्त यह है कि पांड्या वनडे क्रिकेट में जरूरत पड़ने पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह फिट रहें। हालांकि हर मैच में उनसे पूरा स्पेल नहीं कराया जाएगा, लेकिन टीम को जब जरूरत हो, तब वह यह जिम्मेदारी निभा सकें। यही कारण है कि पांड्या अपनी फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

इस दिशा में उनकी प्रगति का संकेत विजय हजारे ट्रॉफी में देखने को मिला, जहां उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि वह लंबा स्पेल डालने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें इसी वजह से शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तब वह 10 ओवर गेंदबाजी के लिए पूरी तरह फिट नहीं माने गए थे। वर्ल्ड कप 2027 दक्षिण अफ्रीका में खेला जाएगा, जहां की पिचें तेज गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती हैं। ऐसे में हार्दिक पांड्या जैसे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर की भूमिका टीम के लिए बेहद अहम हो सकती है। हालांकि, चयनकर्ता उनकी फिटनेस को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि वह पहले भी चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रह चुके हैं।

पांड्या के बैकअप के तौर पर चयनकर्ताओं की नजर नितीश कुमार रेड्डी पर भी बनी हुई है। उन्होंने भी घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी पर काम किया है और वर्कलोड बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर पांड्या के पिछले रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्होंने 6 वनडे मैचों में 44 ओवर गेंदबाजी कर 4 विकेट लिए थे और उनका इकॉनमी रेट 4.90 रहा था। हालांकि बल्लेबाजी में वह ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। कुल मिलाकर, हार्दिक पांड्या का फोकस साफ है फिटनेस, निरंतरता और ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर वह 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के लिए अहम भूमिका निभाना चाहते हैं।

आईपीएल 2026: सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने दर्ज की जीत, ऋषभ पंत की बेहतरीन पारी

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का 10वां लीग मैच सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेला गया। जिसे लखनऊ सुपर जाएंट्स ने 1 गेंद शेष रहते हुए 5 विकेट से अपने नाम किया। ये मुकाबला आखिरी ओवर तक रोमांचक रहा। इस दौरान लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने दमदार अर्धशतकीय पारी खेली। जबकि मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और आवेश खान ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

वहीं टॉस गंवा कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन और नितीश कुमार रेड्डी के अर्धशतकों के दम पर 156 रन बनाए। जिसके जवाब में लखनऊ ने 5 विकेट खोकर 19.5 ओवर में 157 रनों का टारगेट चेज कर लिया। इस दौरान पंत ने 68 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इस दौरान एडेन मार्करम और मिचेल मार्श की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी की। मार्श ने 12 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट हुए वहीं मार्करम ने 27 गेंदों पर 45 रन का योगदान दिया। उन्होंने 6 और 2 छक्के जड़े। आयुष बडोनी 12 रन बनाकर आउट हुए वहीं निकोलस पूरन एन रन बनाकर रनआउट हो गए। पंत ने 50 गेंदों पर नाबाद 68 रन बनाए। उन्होंने चौका जडकर टीम को पहली जीत दिलाई। पंत ने अपनी मैच विनिंग पारी में 9 चौके लगाए।

इससे पहले शमी के करिश्माई स्पैल के बाद हेनरिक क्लासेन और नीतिश कुमार रेड्डी की आक्रामक शतकीय साझेदारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 9 विकेट पर 156 रन बनाए। शुरुआती 10 ओवर में 35 रन पर चार विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही हैदराबाद के लिए क्लासेन और नीतिश रेड्डी ने आक्रमण ही सर्वश्रेष्ठ बचाव की रणनीति पर अमल किया। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 63 गेंदों में 116 रन की रिकॉर्ड साझेदारी के दौरान सात छक्के जड़े। दोनों के जल्दी- जल्दी आउट होते ही लखनऊ ने मैच पर फिर से पकड़ बना ली और मेजबान टीम को 160 रन से नीचे रोकने में सफलता हासिल की।

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में समीर, बिश्नोई शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अब तक हुए मुकाबलों के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए दावेदार सामने आये हैं। आईपीएल में अबतक 9 मुकाबलों के बाद आरेंज कैप की दौड़ में दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजरी शीर्ष पर पहुच गये हैं। उनके पीछे ईशान किशन और रोहित शर्मा के अलावा आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी भी हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में रवि बिश्नोई पहले नंबर पर है उनके पीछे विजयकुमार वैशाक, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी, जयदेव उनादकट और प्रसिद्ध कृष्णा हैं।

पिछले सीजन के पर्पल कैप विजेता प्रसिद्ध कृष्णा ने इस बार भी बेहतर प्रदर्शन कर दौड़ में अपने को बरकरार रख हैं। इस बार समीर और आयुष जैसे नये खिलाड़ी भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं।

ऑरेंज कैप के पहले नंबर के दावेदार

समीर ने 2 मैचों में 160 रन बनाए हैं, दोनों मुकाबलों में अर्धशतक लगाय है। वे जाहिर तौर पर ऑरेंज कैप के बड़े दावेदार दिख रहे हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के रोहित ने एक अर्धशतक सहित113 रन बनाए लिए हैं। वहीं केकेआर के अंगकृष रघुवंशी ने अब तक दोनों मैचों में अर्धशतक लगाते हुए कुल 103 रन बना लिए हैं। पंजाब किंग्स के कूपर कॉनोली ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी कर 108 रन बनाये हैं।

वहीं पर्पल कैप की बात करें तो रवि विश्नोई के पांच विकेट है और वह सबसे आगे हैं। प्रसिद्ध कृष्णा 4 विकेट के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और पंजाब किंग्स का मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सोमवार को आईपीएल में अपने तीसरे मुकाबले मे पंजाब किंग्स के खिलाफ ईडन गार्डन में जीत की उम्मीद से उतरेगी। केकेआर का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। 2024 की विजेता केकेआर के लिए अब तक का सत्र बेहद खराब रहा है और उसे अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में उसे मुम्बई इंडियंस जबकि दूसरे मैच में सनराइजर्स से हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम पर काफी दबाव है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स अपने शुरुआती दोनो मैच जीतकर उत्साह से भरी है उसने पहले मैच में गुजरात टाइटंस और दूसरे मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स को हराया था। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल में कड़ी टक्कर हुई है, जिसमें कुल 35 मैचों में से केकेआर ने 21 और पंजाब ने 13 मैच जीते हैं पर ईडन में केकेआर हावी रही है उसने यहां 14 में से 9 मैच जीते हैं। केकेआर की कप्तानी आजिंक्य रहाणे जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

केकेआर की गेंदबाजी इस बार कमजोर है। उसे हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना जैसे तेज गेंदबाजों के बिना उतरना पड़ रहा है। इसके अलावा उसके कप्तान रहाणे की रणनीति भी अबतक विफल रही है। कप्तान के तौर पर रहाणे ने सबसे अधिक रन बनोय हैं पर वह टीम को प्रेरित नहीं कर पाये हैं। टीम के अन्य बल्लेबाजी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। फिन एलेन, टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे बल्लेबाजों का भी केकेआर सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पायी है। अब तक केवल सिर्फ एलेन को मौका मिला है जबकि सीएफर्ट और स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर रविंद्र अबक अंतिम ग्यारह से बाहर हैं। केकेआर के सुनील नारायण भी इस बार प्रभावित नहीं कर पाये। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन केवल बल्लेबाजी ही कर रहे है और गेंदबाजी नहीं कर रहे जिसका नुकसान कभी केकेआर को हो रहा है। इसके अलावा रोवमैन पावेल को भी अंतिम ग्यारह में अब तक अवसर नहीं मिला है। टीम के लिए राहत की बात ये है कि युवा कार्तिक त्यागी और युवा अंगकृष रघुवंशी का प्रदर्शन अच्छा रहा है पर इसके बाद भी टीम की बल्लेबाजी बेहद सामान्य रही है। रहाणे के सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरने से भी कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। पांचवें नंबर के बाद बल्लेबाज क्रम कमजोर हुआ है। अपने मैच में केकेआर टीम सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 16 ओवर में 161 रन ही बना पायी निचले मध्य क्रम में रमनदीप सिंह और अनुकूल रॉय भी विफल रहे हैं। दूसरी ओर श्रेयस की कप्तानी में पंजाब के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। युवा कूपर कोनोली ने दो मैच में 108 रन बनाकर तीसरे नंबर पर प्रभावित किया है जबकि प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी टीम को अच्छी शुरुआत दी है। अय्यर ने बीच के ओवरों में अच्छीसाथ बल्लेबाजी की है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन और विजयकुमार वैशाख के होने से गेंदबाजी बेहतर हुई है। स्पिन की कमान लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल संभालेंगे। कुल मिलाकर इस मैच में देखा जाये तो पंजाब का पलड़ा भारी है और वह अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखने उतरेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), फिन एलेन, तेजस्वी दहिया, मनीष पांडे, रोवमैन पावेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट, राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रविंद्र, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी और उमरान मलिक।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पायला अविनाश और शशांक सिंह।

सूर्यकुमार ने हार पर निराशा जतायी, हम 15 से 20 रन कम बना पाये

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस को आईपीएल के दूसरे ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जताया है। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के फिट नहीं होने के कारण सूर्या ने इस मैच में टीम की कप्तानी की थी। सूर्या के अनुसार इस मैच में उनकी टीम अगर 15 से 20 रन और बनाती तो परिणाम कुछ और होता। सूर्यकुमार ने कहा, जब आप पहले बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो कितना स्कोर पर्याप्त रहेगा। इस बारे में नहीं जान सकते हैं। आप बस बल्लेबाजी करते रहते हैं। बाद में अंदाजा आया कि 180 से 185 एक अच्छा स्कोर होता। हम 15 से 20 रन पीछे रह गए। जहां तक विकेट की बात है वह ठीक था। फिर भी बल्लेबाजी को देखें हम 15-20 रन पीछे रह गए। हालांकि गेंदबाजों से अपनी भूमिका ठीक से निभाई। सूर्यकुमार ने इस मैच में 51 रन बनाये पर इसके बाद भी उनकी टीम 6 विकेट पर 162 रन ही बना पायी। नमन ने भी 21 गेंदों में 28 रन बनाये। मुम्बई की बल्लेबाजी को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, मैं और नमन, हम दोनों गलत समय पर आउट हो गए, अगर ऐसे नहीं होते तो हम औसत से अधिक स्कोर बना देते। साथ ही कहा कि ऐसा भी होता है जब प्रयास के बाद भी सफलता नहीं मिलती।

मेसी और सुआरेज के गोल से इंटर मियामी ने ऑस्टिन एफसी के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला

नई दिल्ली। इंटर मियामी सीएफ ने 5 अप्रैल को मियामी के बीचों-बीच बने अपने नए और आधुनिक स्टेडियम में ऐतिहासिक होम ओपनर खेला। इंटर मियामी का मुकाबला ऑस्टिन एफसी से था। मैच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। मैच की शुरुआत में ऑस्टिन एफसी ने आक्रामक रुख अपनाते हुए छठे मिनट में बढ़त हासिल कर ली।

गुइलहर्मे बिरो ने शानदार गोल दागकर मेहमान टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि, इंटर मियामी ने जल्द ही वापसी की। टीम के कप्तान लियोनल मेसी ने बॉक्स के अंदर से बेहतरीन हेडर लगाकर क्लब का पहला ऐतिहासिक गोल किया और स्कोर 1-1 कर दिया। यह इस एमएलएस सीजन में मेसी का पहला गोल भी रहा। पहले हाफ के अंत तक दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, लेकिन दूसरे हाफ में ऑस्टिन ने 53वें मिनट में एक और गोल कर बढ़त बना ली। इससे इंटर मियामी पर दबाव बढ़ गया, लेकिन टीम ने हार नहीं मानी। मैच के अंतिम चरण में कोच जेवियर माशेरानो ने रणनीतिक बदलाव करते हुए लुइस सुआरेज को मैदान पर उतारा। सुआरेज ने कोच के भरोसे को सही साबित करते हुए 82वें मिनट में कॉर्नर के बाद शानदार गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। यह इस सीजन में उनका पहला गोल था और इसी के साथ इंटर मियामी ने अपने नए स्टेडियम में कम से कम एक अंक सुनिश्चित कर लिया। मैच के बाद माशेरानो ने स्वीकार किया कि टीम ने आखिरी 20-25 मिनट में काफी जोखिम उठाए, लेकिन घरेलू मैदान पर आक्रामक खेल दिखाना जरूरी था। उन्होंने यह भी कहा कि टीम अपने चैंपियन होने का दर्जा बनाए रखना चाहती है। पहला मैच ड्रॉ रहने के बावजूद इंटर मियामी के लिए यह एक सकारात्मक शुरुआत रही। क्लब पहले ही एमएलएस कप 2025, 2024 सपोर्टर्स शील्ड, और लीग्स कप 2023 जैसे बड़े खिताब जीत चुका है, और अब वह इस नई शुरुआत को और भी यादगार बनाने के इरादे से आगे बढ़ रहा है।

टॉमी पॉल ने टियाफो को हराकर पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई

ह्यूस्टन। टॉमी पॉल ने 5 अप्रैल को ह्यूस्टन में यूएस मेन्स क्ले कोर्ट चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई। अमेरिकी खिलाड़ी ने तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7-5, 4-6, 7-6(7) से जीत हासिल की। इस जीत के साथ, पॉल ने ह्यूस्टन में एटीपी 250 इवेंट में लगातार चौथे चैंपियनशिप मैच में पहुंचने की उम्मीदों को समाप्त कर दिया। मैच लगभग दो घंटे और 45 मिनट तक चला। मैच की शुरुआत पॉल ने बेहतरीन खेल से की और पहला सेट 7-5 से जीत लिया। टियाफो ने दूसरे सेट में जल्दी ब्रेक लेकर मुकाबले में वापसी की और सेट 6-4 से अपने नाम किया। मैच के दौरान 90 मिनट की बारिश की देरी ने पॉल के मोमेंटम को थोड़ा बाधित किया, लेकिन उन्होंने फिर भी मजबूती दिखाते हुए ब्रेक पॉइंट बचाया और सेट को अपने पक्ष में किया। तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ा संघर्ष किया। टियाफो ने शुरुआती ब्रेक लिया, लेकिन पॉल ने वापसी की और 4-2 से बढ़त बनाई। टियाफो ने फिर 4-4 से बराबरी कर ली, जिससे मुकाबला टाई-ब्रेक में चला गया। टाई-ब्रेक में पॉल 6/4 से आगे थे, लेकिन टियाफो ने दो मैच पॉइंट बचाए। अंततः चौथे सीड वाले पॉल ने अंतिम गेम में दबाव में रहते हुए रोमांचक मुकाबला अपने नाम किया। पॉल ने मैच के बाद कहा, 'जब मुझे जरूरत थी, मैंने अच्छा खेला। यह टियाफो के साथ एक शानदार मुकाबला था। वह हमेशा देखने में सबसे एंटरटेनिंग खिलाड़ियों में से रहे हैं। मुझे खुशी है कि हमें यह मैच यहां खेलने का मौका मिला।' अब पॉल फाइनल में रोमन एंड्रेस बुरुचागा का सामना करेंगे। बुरुचागा ने सेमीफाइनल में अपने ही देश के खिलाड़ी थियागो अगस्टिन तिरांटे को 6-1, 6-1 से हराकर पहले एटीरी टूर फाइनल में प्रवेश किया।

शुभमन के अगले मैच तक फिट होने की संभावना : पार्थिव पटेल

मुम्बई। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच पार्थिव पटेल के अनुसार कप्तान शुभमन गिल के अगले मैच में खेलने की काफी संभावनाएं हैं। शुभमन चोटिल होने के कारण राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से बाहर रहे थे। इस मैच में टीम को उनकी कमी खली थी। इसी कारण प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि शुभमन अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। इसी को लेकर पार्थिव ने कहा, इंजरी मैनेजमेंट के बारे में मुझे जानकारी नहीं है पर मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि वह ठीक हो जाएंगे। इससे अंदाजा होता है कि कि शुभमन की चोट अधिक गंभीर नहीं है। पार्थिव ने कहा कि शुभमन को कुछ दिन पहले ही मांसपेशियों में खिंचाव आया था। जिसके कारण उन्हें पिछले मैच में जगह नहीं दी गयी थी। उन्होंने कहा, उन्हें पहले गर्दन में मोच आई थी और कुछ दिन पहले मांसपेखी में खिंचाव आया था। हमें उम्मीद है कि वह अगले मैच तक फिट हो जाएंगे। यह चोट ज्यादा गंभीर नहीं लग रही है। टीम प्रबंधन उनकी फिटनेस पर नजर रख रहे हैं। गिल के बाहर होने से पिछले मैच में टीम की कप्तानी राशिद खान ने संभाली थी पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। वहीं मैच के बाद राशिद ने भी शुभमन की फिटनेस को लेकर कहा, वह ठीक हैं। उम्मीद है कि अगले मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे। उन्हें केवल मांसपेशी में खिंचाव है। इसलिए उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। शुभमन जैसे बेहतरीन बल्लेबाज के होने से टीम बड़ा स्कोर बना सकती है। गुजरात टाइटंस का अगला मैच 8 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा। गुजरात की टीम अभी तक दोनों मैच हार चुकी है, जबकि दिल्ली ने अपने दोनों मैच जीते हैं। ऐसे में टीम को जीत की राह पर लौटने के लिए शुभमन की वापसी बेहद जरूरी मानी जा रही है।

आईपीएल 2026: 'अब टी20 में फिनिशर जैसी कोई भूमिका नहीं', स्टीफन फ्लेमिंग का बड़ा बयान

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि आधुनिक टी20 क्रिकेट में पारंपरिक फिनिशर की भूमिका अब पहले जैसी अहम नहीं रह गई है। उनका कहना है कि आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं, जिससे मैच का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि अब टी20 क्रिकेट में हर बल्लेबाज पहली ही गेंद से बड़े शॉट खेलने की कोशिश करता है। पहले जहां टीमें 15-16 ओवर तक पारी को संभालकर खेलती थीं और अंत में तेजी लाती थीं, अब ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में शुरुआत से ही 10-12 रन प्रति ओवर की दर बनाए रखना जरूरी हो गया है, इसलिए टीमों को ऐसे बल्लेबाजों की

जरूरत है जो पूरे मैच में आक्रामक खेल सकें।

सीएसके की टीम संरचना पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने माना कि टीम में टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है, जिससे मिडिल और लोअर ऑर्डर में पारंपरिक फिनिशर की कमी महसूस हो सकती है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया कि टीम के पास पर्याप्त बल्लेबाजी ताकत मौजूद है। उन्होंने बताया कि डेवाल्ड ब्रेविस चोट के कारण बाहर हैं, जबकि महेंद्र सिंह धोनी भी फिट नहीं हैं। इन दोनों की अनुपस्थिति टीम के संतुलन को प्रभावित कर रही है। फ्लेमिंग ने संजू सैमसन का भी समर्थन किया, जो शुरुआती मुकाबलों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि सैमसन नेट्स में अच्छा अभ्यास कर रहे हैं और जब वह फॉर्म में आते हैं तो मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। इसलिए उनके खराब प्रदर्शन को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कोच ने 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे खेल का संतुलन बल्लेबाजों के पक्ष में झुक गया है। उनका मानना है कि इस नियम ने मैच की गति और रणनीति दोनों को प्रभावित किया है, जिससे गेंदबाजों के लिए चुनौती बढ़ गई है। वहीं, पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की तेज पारी की भी चर्चा रही। इस पर उनके साथी शशांक सिंह ने कहा कि प्रियांश मानसिक रूप से बेहद मजबूत खिलाड़ी हैं और अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कम उम्र में जिस तरह की परिपक्वता दिखाई है, वह काबिल-ए-तारीफ है। कुल मिलाकर, फ्लेमिंग का मानना है कि टी20 क्रिकेट का नया दौर पूरी तरह आक्रामक बल्लेबाजी का है, जहां हर खिलाड़ी को शुरुआत से अंत तक तेज रन बनाने की जिम्मेदारी निभानी होती है।

हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से किया इनकार

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाओं को खत्म करते हुए साफ कर दिया है कि वह अब दोबारा राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगे। 34 वर्षीय क्लासेन ने यह फैसला अपने परिवार को प्राथमिकता देने के कारण लिया है। गौरतलब है कि केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलने के बाद उन्होंने पिछले साल जून में क्रिकेट के सभी अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और तब से वह दुनियाभर की टी20 लीग में सक्रिय हैं। हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े एक वीडियो में क्लासेन ने नीतिश कुमार रेड्डी के साथ बातचीत के दौरान अपने फैसले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वापसी को लेकर उन्होंने करीब दो हफ्तों तक गंभीरता से विचार किया, लेकिन अंततः यह तय किया कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटना सही नहीं होगा। क्लासेन ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप के दौरान अपने साथियों को अच्छा प्रदर्शन करते देख उनके मन में वापसी का विचार जरूर आया था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें महसूस हुआ कि वह टीम का हिस्सा क्यों नहीं हैं और उन्होंने दोबारा खेलने की इच्छा भी जताई थी। इस दौरान उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडन मार्करम से भी बातचीत की थी। हालांकि, क्लासेन ने बताया कि बातचीत के बाद भी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई और विश्व कप के बाद उन्हें यह एहसास हुआ कि उनकी वापसी की संभावना कम है। इसके चलते उन्होंने दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट न खेलने का अंतिम निर्णय ले लिया। बता दें कि क्लासेन ने 2024 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और अब वह पूरी तरह से फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं। उनका यह फैसला दिखाता है कि आधुनिक क्रिकेट में खिलाड़ी अपने करियर और निजी जीवन के बीच संतुलन को कितना महत्व देने लगे हैं।

आईपीएल 2026: 'पिछला सीजन काफी खराब रहा', भारतीय स्पिनर ने खुद बताई अपनी बड़ी कमजोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने खराब पिछले सीजन और अपनी सबसे बड़ी कमजोरी को लेकर खुलकर बात की है। राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी की सबसे बड़ी कमी पर काम किया, जिसका फायदा अब आईपीएल में मिल रहा है।

पिछला सीजन रहा मुश्किल

रवि बिश्नोई ने मैच के बाद कहा कि 'पिछला सीजन काफी कठिन रहा था, लेकिन मैंने अपने प्रोसेस पर भरोसा रखा।' उन्होंने कहा कि अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती थी तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सीजन में काम किया।

बिश्नोई ने बताया कि 'जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल हो जाता है, लेकिन जब गेंद ज्यादा फुल हो जाती है तो उन्हें मार पड़ती है।'

घरेलू क्रिकेट में किया सुधार

बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने ऑफ सीजन और घरेलू क्रिकेट के दौरान अपनी गेंदबाजी पर काफी मेहनत की। उन्होंने मानसिक, तकनीकी और शारीरिक - तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब देखने को मिल रहा है।

आईपीएल में शानदार वापसी

आईपीएल 2026 में रवि बिश्नोई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार महत्वपूर्ण विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। यह गुजरात के खिलाफ किसी स्पिनर का बेहतरीन प्रदर्शन भी रहा।

LSG के लिए ऐसा रहा प्रदर्शन

रवि बिश्नोई 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सीजन में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन गिर गया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

पर्पल कैप की रेस में आगे

आईपीएल 2026 में बिश्नोई शानदार फॉर्म में हैं और दो मैचों में पांच विकेट लेकर पर्पल कैप की रेस में आगे चल रहे हैं। अब उनका अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस के खिलाफ 7 अप्रैल को गुवाहाटी में खेला जाएगा।

आशावादी बनिए

एडिसन की प्रयोगशाला एक अग्निकांड में पूरी तरह से जल कर ध्वस्त हो गई। उनके जीवन भर की शोध सामग्री और बहुमूल्य उपकरण सब खाक हो गए। आर्थिक क्षति भी बहुत हुई। यदि कोई सामान्य व्यक्ति होता तो उस हादसे से आसानी से उबर नहीं पाता, किंतु एडिसन ने कहा, इसमें हमारी भूलें भी जल कर नष्ट हो गई हैं। हमें ईश्वर का कृतज्ञ होना चाहिए, अब हम नए सिरे से जीवन को शुरू कर सकते हैं। इन सब के बीच व्यक्ति की जीवन यात्रा उत्थान की दिशा में बढ़ रही है या पतन की दिशा में, इसमें उस व्यक्ति के दृष्टिकोण की भूमिका सबसे बड़ी होती है।

भाग्य को न कोसें

हम में से अधिकांश लोग ऐसी स्थिति में अपने दु:ख-दर्द एवं दुर्भाग्य के लिए भाग्य को कोसते हैं या फिर दूसरों को दोषी मानते हैं। और नहीं तो भगवान पर ही गुस्सा निकालने लगते हैं। एडिसन ने भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद किया। जैसे ही हमारा जीवन के प्रति दृष्टिकोण बदलने लगता है, तो स्थिति पलटने लगती है। आशा मनुष्य की सबसे बड़ी संपदा है।

हमारे जीवन में प्रयास, पुरुषार्थ, अवरोध एवं संघर्ष का लगातार एक क्रम चलता रहता है। और ऐसे में सफलताएं भी मिलती हैं और विफलताएं भी। लेकिन अगर आप हमेशा आशावादी बने रहेंगे तो नित नई ऊंचाइयां प्राप्त करते रहेंगे।

आशा उत्साह की जननी

प्रेमचंद ने एक जगह लिखा है, आशा उत्साह की जननी है। उसमें तेज है, बल है, जीवन है। आशा ही संसार की संचालन शक्ति है। यदि व्यक्ति आशा खो बैठता है तो जीवन नैया डूबने लगती है। आशा घोर अभाव और संकट के बीच भी निर्माण के तत्वों की खोज करती है। वह आभासित अभिशाप को भी वरदान में बदल देती है। ठीक इसके उलट, निराशावादी दृष्टिकोण के कारण हम अनुकूल अवसरों में भी प्रतिकूलता देखने लगते हैं। एडिसन आशावादी था, उसने अनुकूल अवसर खोजकर अपने जीवन को नए सिरे से शुरू कर लिया।

विफलता से मिलती है निराशा

इसलिए यदि घटनाएं हमारे अनुरूप नहीं घटतीं और हमें विफलता एवं निराशा का संदेश देती हैं, तो भी हिम्मत हारने एवं हताश होने की आवश्यकता नहीं। चाहे संघर्ष पथ पर हम गिर जाएं, पिट भी जाएं, तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि कोई भी असफलता अंतिम नहीं होती। यदि लक्ष्य के प्रति मन में लगन हो, तो विफलता भी गिर कर फिर से उठकर खड़े होने और दुगुने उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

सफलताओं से सीखें

आशावादी व्यक्ति व्यावहारिक रुख अपनाते हुए अपने जीवन की छोटी - छोटी सफलताओं से क्रमशः आगे बढ़ता है। अपनी कार्यकुशलता और इच्छाशक्ति को क्रमशः विकसित करता जाता है। यह पद्धति रचनात्मकता का स्रोत बनकर उसे लगातार आगे बढ़ाती रहती है। निराशावादी व्यक्ति जहां एक दरवाजा बंद देखते ही अपना प्रयास छोड़ देता है, वहीं आशावादी व्यक्ति दूसरे खुले दरवाजों की तलाश में जुट जाता है। निराशावादी जहां सतत् हारता है, वहीं आशावादी अपनी तात्कालिक विफलताओं के बावजूद एक विजेता बन कर उभरता है। वास्तव में जब तक हम अपने जीवन के अर्थ एवं सुख की खोज के लिए बाहरी वस्तुओं, व्यक्तियों एवं परिस्थितियों पर निर्भर रहते हैं, तब तक निराशा का भाव भी बार-बार आता है। और जब दृष्टि अपने अंदर के मूल स्रोत की ओर मुड़ने लगती है, तो निराशा का कुहासा भी घटने लगता है।

हिम्मत न हारें

यदि हम छोटी-छोटी असफलताओं और रुकावटों से हिम्मत हार बैठते हैं और नकारात्मक भावों को जीवन में हावी होने देते हैं, तो यात्रा का हर कदम दूभर एवं कष्टप्रद बन जाता है। जीवन एक दु:खद घटना एवं दुर्भाग्यपूर्ण मजाक लगने लगता है। हमारी ऊर्जा कुंठित होने लगती है।

परमात्मा का वरदान

यहीं पर हमें परमात्मा की कृपा एवं वरदान की भाव भरी अनुभूति होती है। अपने ईमानदार प्रयास के साथ प्रभु प्रेम एवं उसके अचूक न्याय विधान के प्रति आस्था को धारण कर हम अनायास ही आस्तिकता एवं धार्मिकता के पथ पर बढ़ जाते हैं। वही हमें जीवन की सार्थकता के बोध की ओर ले चलती है।

ज्यों ही कोई विज्ञान पूर्ण एकता तक पहुंच जाएगा, त्यों ही उसकी प्रगति रुक जाएगी क्योंकि तब वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। उदाहरणार्थ रसायनशास्त्र यदि एक बार उस मूल तत्त्व का पता लगा ले जिससे और सब द्रव्य बन सकते हैं तो फिर वह और आगे नहीं बढ़ेगा।

प्रकृति का दास नहीं मनुष्य

भौतिकी जब उस एक मूल शक्ति का पता लेगी, अन्य शक्तियां जिसकी अभिव्यक्ति हैं तब वह वहीं रुक जाएगी। वैसे ही धर्मशास्त्र भी उस समय पूर्णता को प्राप्त कर लेगा जब वह उसको खोज लेगा जो इस मृत्युलोक में एकमात्र जीवन है, जो इस परिवर्तनशील जगत का शाश्वत आधार है, जो एकमात्र परमात्मा है, अन्य सब आत्माएं जिसकी प्रतीयमान अभिव्यक्तियां हैं। इस प्रकार अनेकता और द्वैत में होते हुए इस परम अद्वैत की प्राप्ति होती है। धर्म इससे आगे नहीं जा सकता। यही समस्त विज्ञानों का चरम लक्ष्य है।

धर्म का प्रारंभ

धर्म का प्रारम्भ कैसे हुआ और वह क्रमशः विकास द्वारा आध्यात्मिक अद्वैतवाद की इस सीमा तक कैसे पहुंचा? क्या इसके बाद विचार के विकास पर विराम चिह्न लगा देना सम्भव है? मनुष्य मननशील प्राणी है। उसका मस्तिष्क अन्य सभी प्राणियों की अपेक्षा अधिक उन्नत है और यह मस्तिष्क ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। जबकि दूसरे प्राणियों ने आत्मरक्षा की सहज प्रवृत्ति से अपने आप को प्रकृति के अनुरूप ढाला है और निरन्तर ढालता जा रहा है। मनुष्य प्रकृति का दास नहीं विजेता है। उसने अपनी विचार-शक्ति द्वारा आग, पानी, बिजली का प्रयोग करके, शस्त्र-यंत्र का आविष्कार करके और प्रकृति के नियमों की खोज लगाकर अपनी इस विजय को सम्भव बनाया। प्रकृति को बदलने में वह स्वयं भी बदला। अपने इस संघर्ष में ही वह पशु से मनुष्य, हैवान से इंसान बना।

दैविक शक्ति का हाथ

मतलब है कि उसके निर्माण में किसी दैविक शक्ति का हाथ नहीं, बल्कि अपने इस संघर्ष के दौरान देव, दानव तथा ईश्वर आदि दैवी शक्तियों का निर्माण स्वयं उसने किया। सभी विचार भौतिक परिस्थितियों से उत्पन्न हुए, मनुष्य ने उन्हें व्यवहार की कसौटी पर परखा। उनके असार तत्त्व को त्याग कर सारतत्त्व को भौतिक शक्ति में परिणत किया तथा सिद्धान्तों का रूप दिया।

प्रेम का कमल भक्ति

सपनों का ताना-बाना क्षण भर को रुकता नहीं। उसी सपने के जाल का नाम माया है। उसी सपने के जाल में उलझे तुम परेशान और पीड़ित हो। जो नहीं है उसने तुम्हें अटकाया है। जो नहीं है, उसने तुम्हें भरमाया है। जो नहीं है उसने तुम्हारी आंखें बंद कर दी हैं और जो है उसे देखना मुश्किल हो गया है।

मन में श्रद्धा नहीं

रात तुमने कितनी बार सपने देखे हैं और हर बार जागकर पाया, झूठे थे! लेकिन फिर जब रात आज देखोगे स्वप्न तो देखते समय सच मानोगे। झूठ को सच मानने की तुम्हारी कितनी प्रगाढ़ धारणा है! कितनी बार जागकर भी, कितनी बार देखकर भी कि सपने सुबह झूठ सिद्ध हो जाते हैं, फिर भी जब तुम रात स्वप्न देखोगे तो सच मालूम होगा। लोग कहते हैं, हमारे मन में श्रद्धा नहीं है। हम बड़े संवेदनशील हैं।

निस्तार कैसे होगा

हमारा निस्तार कैसे होगा? मैं कहता हूं, तुम सपनों तक पर श्रद्धा करते हो, सत्य की तो बात ही छोड़ो। तुम सपनों तक पर भरोसा करते हो, उन पर तक तुम्हें अभी सन्देह नहीं आया, तो तुम और किस पर सन्देह करोगे? जो नहीं है, उस पर भी सन्देह नहीं हो पाता, तो जो है उस पर तुम कैसे सन्देह करोगे? जिसने सपने तोड़े, उसके भीतर श्रद्धा का जन्म हुआ। जिसने सपने तोड़े, उसने तब सत्य को जानने का मार्ग साफ कर लिया।

मन के साथ जो चला, वह कभी भगवान तक न पहुंच सकेगा। भगवान यानी जो है, भक्ति यानी जो है, उसे देखने की कला। लेकिन जो है, वह हमें दिखायी क्यों नहीं पड़ता? जो है वह तो हमें सहज दिखायी पड़ना चाहिए। जो है उसे खोजने की जरूरत ही क्यों हो? जो है उसे हम भूले ही क्यों, उसे हम भूले ही कैसे? जो है उसे हमने खोया कैसे? जो है उसे खोया कैसे जा सकता है?

इसलिए पहली बात समझ लेनी जरूरी है, मन का नियम। मन उसी को जानता है जो नहीं है। तुम्हारे पास अगर दस हजार रुपए हैं तो उन दस हजार रुपयों को मन भूल जाता है। मन उन दस लाख रुपयों का चिंतन करता है जो होने चाहिए, पर हैं नहीं। मन अभाव का चिंतन करता है। जो पत्नी उपलब्ध है, मन उसे भूल जाता है। जो स्त्री उपलब्ध नहीं है, मन उसकी कल्पनाएं करता है, योजनाएं बनाता है। जो मिला है, मन उसे देखता ही नहीं। उसी पर नजर रखता है, जो मिला नहीं है। हाथ की असलियत मन को नहीं भाती, स्वप्न के आभास भाते हैं। मन स्वप्न के भोजन पर जीता है। मन जीता ही स्वप्न के सहारे है।

भीतर सपनों का जाल

जब भी आंख बंद करोगे, भीतर सपनों का जाल पाओगे। आंख खोले काम में भी लगे हो, तब भी भीतर उनका सिलसिला जारी रहता है। तब भी पर्त-दर-पर्त सपने घने होते रहते हैं। तुम देखो या न देखो, लेकिन मन सपने बुनता रहता है। मन का

बुद्धि नहीं हृदय की सुनिए

तुम्हारा हृदय ही कहेगा। हृदय हमेशा कह देता है, मगर तुम सुनते नहीं हो हृदय की। तुम कहते हो, कैसे गुरु को पहचानें? क्या कसौटी है? बुद्धि कसौटी मांगती है, हृदय तत्क्षण कह देता है, हृदय की सुनो, बुद्धि को एक तरफ रख दो।

हृदय से कभी भूल नहीं हुई है। हृदय ऐसे ही है, जैसे तुमने दिशासूचक-यंत्र, जो सदा बताता रहता है पूरब की ओर, सूरज उगने की ओर। हृदय सदा परमात्मा की तरफ इशारा करता है, मगर तुम हृदय नहीं बुद्धि की सुनते हो और बुद्धि की सुनने के कारण अक्सर भ्रांति में पड़ते हो। सच यह है कि जब तक बुद्धि की सुनते रहोगे, तब तक गुरु नहीं मिलेगा। जो मिलेंगे वे गुरु के धोखे होंगे। गुरु के धोखे बुद्धि को राजी कर लेंगे, क्योंकि गुरु के धोखे का मतलब होता है-जो तुम्हें राजी करने को ही बैठा है। तुम जैसा चाहते हो, वैसा बनकर बैठा है। सद्गुरु कभी भी तुम्हारी अभिलाषाओं, आकांक्षाओं, अपेक्षाओं के अनुकूल नहीं होता, हो ही नहीं सकता। नहीं तो जीसस को लोग सूली चढ़ाते? बुद्ध को पत्थर मारते? महावीर को गांव से खदेड़ कर निकालते? सुकरात को जहर पिलाते? यह मत सोचना कि वे सब लोग पागल थे। वे तुम्हारे ही जैसे लोग थे, तुम ही थे-जिन्होंने जीसस को सूली दी, सुकरात को जहर पिलाया, बुद्ध को पत्थर मारे, महावीर के कानों में सींखचे ठोक दिये। वे तुम से जरा भी भिन्न न थे। ऐसा नहीं है कि गुरुओं की पूजा उस दिन नहीं हो रही थी। जब बुद्ध को लोग पत्थर मार रहे थे, तब भी पंडित, पुजारी, पोंगापंथी पूजे जा रहे थे। जब जीसस को लोग सूली पर चढ़ा रहे थे, तब भी धर्मगुरु का सम्मान किया जा रहा था।

तुम्हारी बुद्धि जिससे राजी हो जाती है, वह अक्सर धोखा होता है। उसके पीछे कारण है, क्योंकि वह धोखे की पूरी तैयारी करता है। वह गुरु नहीं, गहरे अर्थ में सिर्फ राजनेता है। राजनेता की कला का सार यही है कि लोग जहां जाना चाहते हैं, वहां जल्दी से उचक कर उनके आगे हो जाता है।

लोग पूरब जा रहे हैं तो वह कहता है पूरब जाना है। लोग पश्चिम जाने लगें तो कहता है, मैं तो सदा कह रहा था कि पश्चिम जाना है और लोगों को समझ नहीं आ पाता कि वह हमारी नजरें परख रहा है, हमारे भाव परख रहा है, हवा का रुख परख रहा है। सद्गुरु तुम्हारे हिसाब से नहीं चल सकता,परमात्मा के हिसाब से चलता है। उसके साथ तो जिसे राजी होना हो, उसे ही राजी होना पड़ता है। वह तुम से राजी नहीं होता। समझ लेना, जो तुमसे राजी है, वह तुम्हें बदल नहीं पाएगा।

कई बार ऐसा होता है कि ध्यान में जाने और मंत्रों के उच्चारण के बाद भी मन अन्य बातों की ओर भागता है।

मानसिक ऊर्जा का स्रोत

जैसे किराने की दुकान खुली या नहीं? या आज खाना कौन बनाएगा? पर जब आप खुद के साथ समय बिताने की आदत डाल लेंगे तो मंत्र आपकी मानसिक शक्ति और ऊर्जा को बढ़ाएंगे और उच्च संस्कारों का निर्माण होगा। आपको अपने मन को इसके अनुकूल बैठाना होगा। अनचाही चीजों के बारे में सोचते रहना मन का स्वभाव होता है। जब भी हम चिंता करते हैं तो हमारा शरीर काफी सारी ऊर्जा खो बैठता है।

ऊर्जा मत खोओ

दो गलत तरह के मंत्रों का उपयोग करने से हम अपनी यह ऊर्जा खो बैठते हैं। पहला है आर्द, जिसका मतलब होता है बार-बार दु:खों को याद करते रहना। दूसरा है रौद्र, जिसका मतलब होता है गुस्से को आने देना। इनका परिणाम यह होता है कि शरीर बीमारियों का शिकार होने लगता है। अपने मन को आर्द और रौद्र से छुटकारा दिलाने के लिए अपनी आध्यात्मिक क्रिया जारी रखें, मंत्रों का उच्चारण करें और ध्यान में जाएं। महर्षि पातंजलि ने योगसूत्रों में कहा है- यदि स्तान संशय अतिरति प्रमाद आलस्य। बीमारी, उत्साह की कमी, शंका, चिंता आदि रुकावटों को दूर करने के लिए एक तत्व अभ्यास का प्रयोग करें। किसी भी एक मंत्र का उच्चारण करें, उस एक ध्वनि का, एक शब्दांश का लंबे समय तक अभ्यास करें।

मन का विचार

तो जब मन में विचार और मंत्र दोनों चल रहे हों, आपका मन और चैतन्य मंत्रों से भरा होना चाहिए। तब मन चिंताओं से मुक्त हो जाता है क्योंकि एक मंत्र में शक्ति के साथ-साथ एक खास स्पंदन भी होता है। जब उसका उच्चारण किया जाता है, तो वह ऊर्जा में बदल जाता है और आपके चैतन्य को भर देता है। जैसे-जैसे चैतन्य में यह ऊर्जा बढ़ती है, हम स्वयं के और करीब आ जाते हैं और हमारी हर चीज में- जैसे कि हमारे घर में, मन में शरीर और वातावरण में यह ऊर्जा और निश्चयात्मकता फैलती चली जाती है।

कपूर या खान सरनेम होने से मिलते हैं फायदे

अभिनेता अभिलाष थपलियाल कई फिल्मों में अपने अलग किरदारों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'दिल जंगली', 'केनेडी', 'मैदान' और दूसरी फिल्में में अदाकारी की है। अभिलाष थापलियाल ने अब फिल्म इंडस्ट्री में बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के अपनी जगह बनाने में आने वाली मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की है।

फिल्मी परिवार से होना है सौभाग्य

अभिलाष थापलियाल ने एचटी से बातचीत में बताया कि एक जाना-माना सरनेम इस इंडस्ट्री में उनके लिए दरवाजे खोल सकता है। उन्होंने कहा, 'बेशक। यह एक सौभाग्य है। अगर वह मिल जाए, तो उससे बेहतर कुछ नहीं। मेरा मतलब है, अगर मेरा सरनेम भी कपूर या खान होता, तो बात कुछ और ही होती।' उन्होंने खुद के बारे में कहा 'जरा सोचिए, एक एक्टर जो विलेन का रोल कर रहा है, जो एक शराबी का रोल कर रहा है, एक फोटोग्राफर का रोल कर रहा है। अगर कोई स्टार किड यह करता, तो चर्चा हो जाती?'

फिल्मी परिवार से न होने के नुकसान

अभिनेता ने उन लोगों को होने वाली मुश्किलों पर भी चर्चा की, जो फिल्मी परिवारों से नहीं आते। उन्होंने बताया कि बाहर से आए लोगों के पास अक्सर सीमित विकल्प होते हैं। उन्होंने कहा, 'एक बाहरी व्यक्ति के तौर पर, हम सिर्फ उन्हीं चीजों में से चुन सकते हैं, जो हमें ऑफर की गई हैं।'

टैलेंट अब भी मायने रखता है

भाई-भतीजावाद के फायदों को मानते हुए भी, अभिलाष ने इस बात पर जोर दिया कि टैलेंट अब भी जरूरी है। उन्होंने इस बात से सहमति जताई कि जब टैलेंट के साथ इंडस्ट्री का साथ भी मिल जाए, तो इससे करियर को काफी बढ़ावा मिल सकता है।

'केनेडी' में नजर थे आए

अभिलाष हाल ही में अनुराग कश्यप की फिल्म 'केनेडी' में नजर आए थे। इस फिल्म में राहुल भट्ट और सनी लियोनी भी अहम किरदारों में हैं।

टॉक्सिक में अपने किरदार को लेकर उत्साहित हैं कियारा

'केजीएफ' स्टार यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज में वक्त है। फिल्म यश के नए लुक के साथ-साथ अपनी स्टारकास्ट, खासकर महिला किरदारों को लेकर भी लगातार सुर्खियां बटोर रही है। अब फिल्म में नादिया का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की है। हालिया बातचीत में कियारा ने अपने किरदार को लेकर कहा कि नादिया का किरदार अब तक पढ़े गए किरदारों में सबसे अनोखा है। मेरी निर्देशक गीतु मोहनदास ने जिस तरह से इस किरदार को लिखा और उसकी यात्रा को आकार दिया है, उससे मैं बेहद उत्साहित हूं। मुझे लगा कि मैं इस चुनौती को स्वीकार करने और उनकी नजर में इस भूमिका को पर्दे पर उतारने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। फिल्म से कियारा का पहला लुक सामने आ चुका है। इसमें एक्ट्रेस ब्लैक ड्रेस में एक स्टेज पर खड़ी नजर आई थीं। इसके बाद इसी महीने की शुरुआत में फिल्म का पहला गाना 'तबाही' रिलीज किया गया है। हालांकि, अभी तक गाने का सिर्फ ऑडियो वर्जन ही सामने आया है। लेकिन गाने के पोस्टर में कियारा यश के साथ रोमांटिक पोज में दिखी थीं। इस गाने को विशाल मिश्रा ने गाया है और उन्हींने संगीत भी दिया है। गाने को हिंदी के अलावा कन्नड़, तेलुगु, तमिल और मलयालम भाषा में भी रिलीज किया गया है।

इस वजह से आगे बढ़ी रिलीज डेट

'टॉक्सिक' का टीजर भी सामने आ चुका है, जिसमें यश के नए लुक को देखकर फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हो गए थे। पहले 'टॉक्सिक' 19 मार्च को 'धुरंधर : द रिवेंज' के साथ ही रिलीज होने वाली थी। लेकिन गल्फ देशों में चल रहे तनाव के चलते फिल्म को आगे बढ़ा दिया गया। अब 'टॉक्सिक' 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

सयानी गुप्ता ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस; पहली फिल्म का किया एलान

अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने 'आर्टिकल 15', 'जॉली एलएलबी 2', 'फैन' और 'पार्च्ड' जैसी फिल्मों में काम किया है। अब वे बतौर निर्माता अपने करियर की शुरुआत कर रही हैं। सयानी ने अपना प्रोडक्शन हाउस, 'सयानी गुप्ता मूवीज' लॉन्च किया है। इस प्रोडक्शन हाउस की शुरुआत उनकी पहली शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' से हो रही है, जो इस बैनर के तहत बनने वाला पहला प्रोजेक्ट है। फिल्मों और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर एक दशक से ज्यादा समय तक काम करने के बाद अभिनत्री सयानी गुप्ता का कहना है कि प्रोडक्शन की तरफ उनका यह कदम इसलिए है, क्योंकि अब वे स्टोरीटेलिंग में ज्यादा शामिल होना चाहती हैं। सयानी ने कहा, 'यह मेरा एक पुराना सपना रहा है। मैं हमेशा से कुछ खास तरह की कहानियां कहना चाहता थी और इसका मकसद सहयोग के लिए एक ऐसा माहौल बनाना है, जो काम को सरल और सहज बनाए। हम धीरे-धीरे, लेकिन लगातार आगे बढ़ेंगे। एक समय में सिर्फ एक फिल्म पर ध्यान देंगे। हमारे लिए लेखन की गुणवत्ता, कला और कहानी कहने का तरीका हमेशा पहले रहेगा। ऐसा करने के लिए, हर प्रोजेक्ट को सही समय, देखभाल और पूरा ध्यान देना जरूरी है'।

इन फिल्मों के प्रोडक्शन में भूमिका निभा चुकी हैं सयानी

शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' पहला प्रोजेक्ट है। इसमें रेवती के साथ-साथ दरिया बेदी और अभय कौल मुख्य भूमिका में हैं। इसे सयानी ने लिखा है। निर्देशन का जिम्मा भी उन्होंने ही संभाला है और वे ही इसे प्रोड्यूस कर रही हैं। हालांकि, इससे पहले उन्होंने 'व्हेयर द विंड्स ब्लो' और 'ऊपर नीचे' जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ 'डियर मेन' और ऑस्कर के लिए क्वालिफाई करने वाली फिल्म 'शेमलेस' जैसी कई शॉर्ट फिल्में को-प्रोड्यूस की थीं, लेकिन 'आसमानी' उनका पहला पूरी तरह से अपना प्रोडक्शन है। इस फिल्म के लिए सयानी ने पूरे महाराष्ट्र में लोकेशन ढूंढने में एक साल से ज्यादा समय बिताया।

शाहरुख खान ने 'धुरंधर 2' पर नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

शाहरुख खान ने रणवीर सिंह की नई फिल्म 'धुरंधर 2' पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच मुंबई की एक पार्टी में अभिनेता को रणवीर सिंह के साथ देखा गया है। दोनों एक ही फ्रेम में नजर आए हैं।

सलमान-शाहरुख ने नहीं दी प्रतिक्रिया

फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। इसने दुनियाभर में 1500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। जहां कई मशहूर हस्तियों ने इस फिल्म की तारीफ की है, वहीं कुछ फैंस ने यह भी गौर किया है कि शाहरुख खान और सलमान खान ने अब तक इस फिल्म पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

एक ही फ्रेम में नजर आए शाहरुख और रणवीर

इसी चर्चा के बीच, मुंबई में हुई एक हाई-प्रोफाइल जन्मदिन पार्टी की एक तस्वीर सामने आई है। यह पार्टी एक आलीशान होटल में हुई। इस पार्टी में फिल्म जगत की हस्तियों और राजनीतिक हस्तियों का मेल देखने को मिला। तस्वीर में, शाहरुख खान और रणवीर सिंह दोस्तों के एक ग्रुप के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर में जहां कई लोग खड़े हैं वहीं रणवीर सिंह बैठकर पोज दे रहे हैं।
शाम का आनंद लेते नजर आए शाहरुख ग्रुप फोटो के अलावा, पार्टी के अंदर का एक और वीडियो भी ऑनलाइन वायरल हो रहा है। इसमें शाहरुख खान को अनंत अंबानी के साथ शाम का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। राधिका मर्चेंट भी पास ही खड़ी नजर आईं।

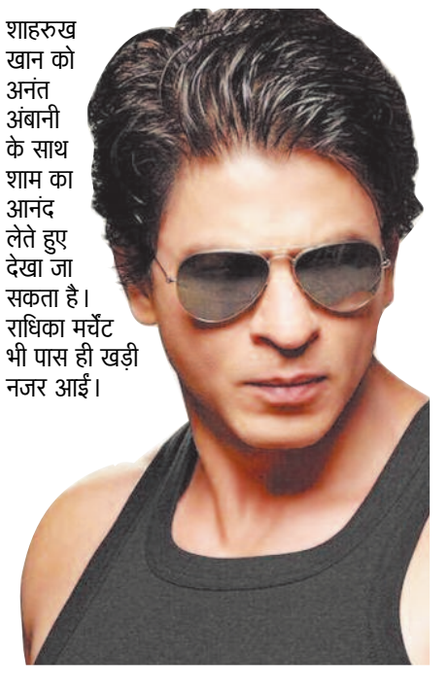

अब एनीमेशन फिल्में और सीरीज बनाएंगे सुभाष घई

निर्देशक सुभाष घई ने अब प्रोडक्शन क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ा लिया है। दरअसल, उनकी अपनी कंपनी मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड ने फिल्में बनाने के लिए एक बड़ी साझेदारी की है। निर्देशक की कंपनी ने प्रसिद्ध एनीमेशन कंपनी ग्रीन गोल्ड एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है।

इसके तहत मुक्ता आर्ट्स की नई डिवीजन एसजीएम स्टूडियो ग्रीन गोल्ड के साथ मिलकर एनीमेशन फिल्में और सीरीज बनाएगी। सुभाष घई ने अपने आधिकारिक इंस्टग्राम अकाउंट पर अपने स्टूडियो का लोगो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'मुक्ता आर्ट्स अब दुनियाभर के सिनेमा के लिए एनिमेशन फिल्में बनाने के नए दौर में कदम रखा रहा है। इसके लिए हमारी नई डिवीजन एसजीएम एनीमेशन स्टूडियो शुरू की गई है, जो प्रसिद्ध कंपनी ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ काम करेगी। निर्देशक ने कंपनी की ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड की प्रसंशा करते हुए कहा कि इस प्रसिद्ध कंपनी ने छोटा भीम जैसे कई सफल प्रोजेक्ट बनाए हैं। उन्होंने लिखा, 'हमें बहुत खुशी है कि हम अपनी भारतीय कहानियों को एनिमेशन के जरिए नई पीढ़ी और परिवारों तक पहुंचाएंगे। इसमें हमारे साथ राजीव चिलाका जी जैसे अनुभवी पार्टनर हैं। छोटा भीम और नरसिम्हा की सफलता ने हमें प्रेरित किया है कि हम अपनी मजबूत कहानियों पर और फिल्में बनाएं। राजीव जी को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई।'

इस साझेदारी से भारतीय एनीमेशन इंडस्ट्री को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है। यह सुभाष के करियर का नया अध्याय है। वे पहले भी कई नए कलाकारों को मौका दे चुके हैं। अब एनीमेशन के जरिए वे अपनी फिल्मी विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने जा रहे हैं। इससे पहले भी सुभाष घई ने कई बार एनीमेशन और एआई के बारे में खुलकर बातें की थीं। उन्होंने एक आयोजन के दौरान बातचीत में बताया था कि वे सबसे पहले कौन सी फिल्म निकालेंगे। उन्होंने कहा था, 'मैं सबसे पहले तो अपनी फिल्म कालीचरण को दिखाना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इसकी कहानी बहुत दिलचस्प और मजेदार है और मुझे लगता है कि आज के बच्चों को भी इसकी कहानी जाननी चाहिए। यह ऐसी फिल्म है जिसे थिएटर में भी दिखाया जा सकता है और एनीमेशन के रूप में भी बनाया जा सकता है।' उन्होंने कहा था, 'कहानी की मूल कहानी (प्लॉट) वही रहेगी, लेकिन कलाकार और उसे प्रस्तुत करने का अंदाज अलग होगा।'

हर इंसान की अपनी पसंद और अपना कंफर्ट जोन होता है

कभी इंवेस्टमेंट बैंकर बनने का लक्ष्य रखने वाली एक्ट्रेस नेहा हरसोरा अब टेलीविजन जगत का जाना-पहचाना नाम बन चुकी हैं। 'अग्नि वायु', 'थोड़ा सा बादल थोड़ा सा पानी', 'राज महल' और 'ध्रुव तारा' जैसे टीवी शोज ने नेहा को पॉपुलैरिटी दी। मुंबई में पैदा हुई नेहा के माता-पिता गुजरात से हैं। बातचीत में नेहा ने टीवी पर अपने डेब्यू, इंवेस्टमेंट बैंकर की पढ़ाई से इतर इस नए करियर, इसकी चुनौतियों और पढ़ाई की जरूरत पर बात की। नेहा साफ शब्दों में कहती हैं कि वह यह मानती हैं कि हर एक्टर के पास एक वैकल्पिक इनकम या पैशन जरूर होना चाहिए।

आपने एक्टिंग के साथ-साथ अपना ग्रेजुएशन और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कोर्स पूरा भी किया। टीवी के डिमांडिंग करियर के साथ पढ़ाई को कैसे बैलेंस किया? एजुकेशन को आप कितना जरूरी मानती हैं?

मेरे परिवार के लिए पढ़ाई सबसे ज्यादा जरूरी थी। मेरे लिए भी एजुकेशन हमेशा पहली प्राथमिकता रही, क्योंकि बचपन में मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक्टर बनूंगी। मेरे घरवालों ने साफ कहा था कि पहले ग्रेजुएशन पूरा करो, पढ़ाई खत्म करो, उसके बाद जो करना है वो करना। मैंने बी.कॉम किया और उसके बाद इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में सर्टिफिकेशन भी पूरा किया। मैं उसी फील्ड में आगे बढ़ने वाली थी पर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। साल 2021 में मुझे 'अग्नि वायु' से एक्टिंग में पहला बड़ा मौका मिला और यह ऐसा पेशा है, जिससे प्यार हो जाता है। फिर भी मुझे लगता है पढ़ाई बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारा फील्ड बहुत अनिश्चित है। ऐसे में, एक मजबूत बैकअप होना बहुत जरूरी है। पढ़ाई आपको मुश्किल वक्त से लड़ना सिखाती है और एक विकल्प भी देती है। मैं सच में मानती हूं कि हर कलाकार के पास कोई न कोई वैकल्पिक इनकम या पैशन जरूर होना चाहिए।

आपकी छोटी बहन येशा भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुकी हैं। एक ही इंडस्ट्री में बहन का होना आपके लिए मददगार है या चुनौती?

मेरे लिए यह बिल्कुल भी चुनौती नहीं है, बल्कि मुझे बहुत अच्छा लगता है। मुझे उस पर गर्व है। चूंकि, वह भी इसी फील्ड में है तो मैं उसे अपनी गलतियों से सीखने में मदद कर सकती हूं और उसे वो गलतियां दोहराने से रोक सकती हूं। वहीं, मुझे भी उससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। वह मेरी बहुत बड़ी ताकत रही है। अगर बहन येशा हरसोरा मेरे साथ न होती, तो शायद मैं इतनी कॉन्फिडेंट नहीं होती। जब परिवार साथ देता है तो आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है। वह भी बहुत अच्छा काम कर रही है। लोग जब मुझसे कहते हैं कि येशा बहुत बढ़िया कर रही है तो मुझे बेहद गर्व महसूस होता है। वह इतनी कम उम्र में अपने हमउम्र लोगों से कहीं आगे है।

अभी आपकी छवि एक प्यारी 'गर्ल नेक्स्ट डोर' लड़की की है, लेकिन एक एक्टर को हर तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं। बोल्ड रोल या इंटीमेट सीन को लेकर आप कितनी सहज हैं?

हर इंसान की अपनी पसंद और अपना कंफर्ट जोन होता है। किसी के लिए एक्टर बनना ही चुनौती होती है और किसी के लिए हर तरह के रोल के ओपन होना चुनौती बन जाता है। मेरे लिए भी यह एक सीखने की प्रक्रिया है। वैसे, यह जरूरी नहीं है कि अगर मैं बोल्ड रोल करूं या हॉट इमेज बनाऊं तभी मुझे काम मिलेगा या मुझे एक्टर माना जाएगा। इसे लेकर हर किसी का नजरिया अलग होता है। मैंने एक्टिंग इसलिए चुनी क्योंकि मैं इसमें सहज महसूस करती हूं। अगर मुझे लगता है कि मैं कोई चीज अच्छे से कर सकती हूं तो मैं उसमें 150 प्रतिशत देती हूं, लेकिन जो चीज मेरे कंफर्ट जोन से बाहर होती है, उसमें मैं कोशिश जरूर करूंगी पर शायद उतना परफेक्ट न कर पाऊं और मैं किसी भी प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को निराश नहीं करना चाहती।

खुद गुजराती होने के नाते अपने शो 'उड़ने की आशा' में मराठी किरदार निभाने के लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह थोड़ा मुश्किल जरूर था, क्योंकि मेरी मातृभाषा गुजराती है। हालांकि, मैं महाराष्ट्र में ही पैदा हुई, यहीं पली-बढ़ी हूं, लेकिन मेरे ज्यादा दोस्त मराठी बैकग्राउंड से नहीं थे। ऐसे में, जब मैं इस शो का हिस्सा बनी तो मैंने अपने मुंहबोले भाई से मराठी संस्कृति, रीति-रिवाज और त्योहारों के बारे में काफी बातें कीं। वैसे, हमने स्कूल में मराठी पढ़ी है। मराठी संस्कृति की बहुत-सी बातें बिना जाने रोजमर्रा में फॉलो भी करते हैं। जैसे, मुझे मिसल पाव बहुत पसंद है। इस किरदार ने मुझे वो सब करीब से समझने का मौका दिया।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप का नया आदेश- कॉलेज खेलों में नियम कड़े

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कॉलेज खेलों को लेकर एक बड़ा आदेश जारी किया है। इसका मकसद खेलों में नियम, निष्पक्षता और स्थिरता लाना है। इस आदेश के तहत खिलाड़ियों के ट्रांसफर, योग्यता और पैसे से जुड़े नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा। अगर कोई यूनिवर्सिटी इन नियमों का उल्लंघन करती है, तो उसे सरकारी फंड और कॉन्ट्रैक्ट से वंचित किया जा सकता है। सरकार चाहती है कि खिलाड़ियों के लिए पांच साल की स्पष्ट भागीदारी सीमा तय हो, ट्रांसफर नियम व्यवस्थित हों और सभी खिलाड़ियों को बेहतर मेडिकल सुविधा मिले। साथ ही, महिलाओं और ओलंपिक खेलों को भी आर्थिक रूप से मजबूत करने पर जोर दिया गया है। पे-फॉर-प्ले जैसे गलत पैसों के लेन-देन पर रोक लगाने की बात भी कही गई है। इस आदेश में डेटा कलेक्शन बढ़ाने और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस से भी जल्द कानून बनाने की अपील की है।

स्कूल में बुलिंग से छात्रा की मौत, 12 साल का बच्चा गिरफ्तार

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां 12 साल की एक छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में एक 12 साल के बच्चे को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, छात्रा को स्कूल में बुलिंग के दौरान धातु की पानी की बोतल से सिर पर मारा गया था। पहले उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी, लेकिन बाद में हालत बिगड़ने पर उसे दोबारा भर्ती किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि बच्ची और उसकी बहन को लंबे समय से स्कूल में परेशान किया जा रहा था, लेकिन स्कूल प्रशासन ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की। अब परिवार स्कूल प्रशासन पर भी जिम्मेदारी तय करने की मांग कर रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कैलिफोर्निया में भीषण जंगल की आग, लोगों को निकाला गया

सैकरामेंटो, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में तेजी से फैल रही जंगल की आग ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। तेज हवाओं के कारण आग बहुत तेजी से फैल रही है, जिससे कई इलाकों में लोगों को घर छोड़ने के आदेश दिए गए हैं। यह आग मोरेनो वैली इलाके के पास शुरू हुई और कुछ ही घंटों में बड़े क्षेत्र में फैल गई। प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज हवाओं के चलते हालात और बिगड़ सकते हैं। पेड़ गिरने और बिजली कटने का भी खतरा बना हुआ है। दमकल विभाग आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हवा की वजह से मुश्किलें बढ़ रही हैं। लोगों से सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

श्रीलंका सरकार ने सरकारी उद्यमों को बेचने का निर्णय वापस लिया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि पिछली सरकार द्वारा सरकारी उद्यमों को बेचने का निर्णय वापस ले लिया है। अटॉर्नी जनरल परिंदा रणसिंघे जूनियर ने तीन सदस्यीय पीठ को बताया कि श्रीलंकन एयरलाइंस, टेलीकॉम, इंश्योरेंस और लंका हॉस्पिटल्स को अब नहीं बेचा जाएगा। यह स्पष्टीकरण पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के कैबिनेट फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है। हालांकि, आईएमएफ की बेलआउट शर्तों के तहत घाटे को कम करने के लिए निजीकरण की बात कही गई थी।

चीन : कम्युनिस्ट पार्टी ने शिनजियांग के पूर्व प्रमुख के खिलाफ शुरू की जांच

बीजिंग, एजेंसी। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने शिनजियांग के पूर्व प्रमुख मा शिंगरुई के खिलाफ अनुशासन और कानून के उल्लंघन के संदेह में जांच शुरू की है। शिंगरुई 2021 से 2025 तक शिनजियांग के पार्टी सचिव रहे थे। उन पर लगे आरोपों का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन उन्हें इस साल हटा दिया गया था। शिनजियांग क्षेत्र उइगर मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों की नजरबंदी को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन ने वहां लाखों अल्पसंख्यकों को हिरासत में लिया था।

सूडान : अस्पताल पर ड्रोन हमले में 10 की मौत, 19 लोग घायल

खार्तूम, एजेंसी। सूडान के अर्धसैनिक बलों द्वारा देश के दक्षिण-मध्य भाग में एक अस्पताल पर ड्रोन हमले में 10 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य समूह (डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स) ने बताया कि सूडानी अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने व्हाइट नाइल प्रांत के अल-जबलैन अस्पताल पर ड्रोन से दो हमले किए। इस हमले में एक ऑपरेशन थिएटर और एक प्रसूति वार्ड को निशाना बनाया गया।

उत्तरी अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता के भूकंप से आठ लोगों की मौत

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस हुए। अफगानिस्तान नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि उत्तरी अफगानिस्तान में आए इस भूकंप में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। हम्माद ने शुक्रवार देर रात बताया कि भूकंप के बाद काबुल प्रांत में एक घर गिर गया, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और एक बच्चा घायल हो गया। राजधानी काबुल में भी तेज झटके महसूस किए गए। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप का केंद्र शुरू में 36.55 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.85 डिग्री पूर्वी देशांतर पर पाया गया। इसके अलावा भूकंप की गहराई 186.4 किलोमीटर थी।

शुक्रवार रात दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में घबराहट फैल गई और वे घरों और ऑफिस की बिल्डिंग से बाहर निकल आए। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और आस-पास के इलाकों सहित कई जगहों से भूकंप के झटके महसूस किए गए।

लोगों ने बताया कि बैठे-बैठे उन्हें अचानक झटके महसूस हुए, जिससे फर्नीचर और घर में रखी हुई या लटकी अन्य चीजें हिलने लगीं। कई लोगों ने कहा कि झटके कुछ सेकंड तक रहे लेकिन इतने तेज थे कि घर के अंदर भी साफ महसूस किए जा सकते थे।

कई रिहायशी इलाकों में, लोग सावधानी के तौर पर अपने घरों से बाहर निकल गए, जबकि ऑफिस में मौजूद लोग कुछ देर के लिए बिल्डिंग से बाहर निकल आए। अफगानिस्तान में कई तरह की प्राकृतिक आपदाएं आती हैं, लेकिन यहां भूकंप से सबसे ज्यादा मौतें होती हैं। हर साल औसतन लगभग 560 लोग मारे जाते हैं और सालाना लगभग 80 मिलियन डॉलर का नुकसान होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि 1990 से अब तक अफगानिस्तान में 5.0 से ज्यादा तीव्रता वाले कम से कम 355 भूकंप आए हैं। अफगानिस्तान यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट के किनारे पर है, जो इंडियन प्लेट के साथ एक ट्रांसग्रेशन जोन शेयर करता है। इसका मतलब है कि दोनों एक-दूसरे से मिल सकते हैं या एक-दूसरे को छू सकते हैं, और यह अपने दक्षिण में अरेबियन प्लेट से भी प्रभावित है, जिससे यह दुनिया के सबसे ज्यादा टेक्टोनिक रूप से सक्रिय इलाकों में से एक बन गया है। इंडियन प्लेट का उत्तर की ओर बढ़ना और यूरेशियन प्लेट से उसका टकराना आमतौर पर अफगानिस्तान में कई भूकंपों के लिए जिम्मेदार होता है। पूर्वी और उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान, खासकर उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और पाकिस्तान के साथ इसकी सीमाओं वाले इलाके, भूकंप के लिए खास तौर पर संवेदनशील हैं। इसमें बहुत ज्यादा आबादी वाला काबुल भी शामिल है, जहां अध्ययन के मुताबिक, भूकंप से हर साल सबसे ज्यादा औसत अनुमानित नुकसान होता है, जो 17 मिलियन डॉलर है। अफगानिस्तान के पहाड़ों में भूकंप खास तौर पर खतरनाक होते हैं। यहां वे लैंडस्लाइड को ट्रिगर कर सकते हैं, जिससे जान-माल का नुकसान बढ़ जाता है।

ईरान की धमकी: बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को निशाना बनाने का संकेत

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर दबाव बढ़ाने की ओर इशारा किया है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि तेहरान अपने विरोधियों पर दबाव बढ़ाने के लिए बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को भी निशाना बना सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी समुद्री नाकाबंदी अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर गहरा आर्थिक और लॉजिस्टिक दबाव बना रही है।

गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई सवाल पोस्ट करते हुए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को उजागर किया। उन्होंने इस जलमार्ग पर दुनिया की निर्भरता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि वैश्विक तेल, एलएनजी, गेहूं, चावल और उर्वरक शिपमेंट का कितना हिस्सा बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है?

गालिबाफ का इशारा बढ़ा रहा दुनिया की चिंता : ईरानी संसद के अध्यक्ष ने आगे कहा कि कुछ देश और कंपनियां इस रणनीतिक कदम से विशेष रूप से प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने पूछा, 'किन देशों और कंपनियों का इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले शिपमेंट में सबसे अधिक हिस्सा है?' इससे यह संकेत मिलता है कि इस्लामिक गणराज्य अपने प्रभाव को अधिकतम करने के तरीकों का मूल्यांकन कर रहा है।

ईरान के जवाबी हमलों में नहीं आई कमी : यह समुद्री रणनीति युद्ध के मैदान पर बढ़ते तनाव के साथ मेल खाती है। ईरान और उसके सहयोगियों ने एक सतत जवाबी अभियान ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत हमलों क नई लहर शुरू कर दी है, जिसने कब्जे वाले क्षेत्रों के भीतर महत्वपूर्ण इस्राइली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। यह हमले हाल की शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों की सीधी प्रतिक्रिया माने जा रहे हैं, जो क्षेत्रीय संघर्ष में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत देते हैं।

ऊर्जा सुविधाओं और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप : ईरान का कहना है कि यह जवाबी कार्रवाई उन हमलों का भी जवाब है, जिनमें ईरान की ऊर्जा सुविधाओं और नागरिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया गया। प्रेस टीवी ने बताया कि विरोधी ताकतों की पिछली कार्रवाइयों के कारण सैकड़ों ईरानी नागरिकों की मौत हुई थी, जिनमें मिनाब में एक प्राथमिक विद्यालय में लगभग 170 बच्चे शामिल थे।

वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव: पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बनीं भारतीय मूल की रिनी संपत, रचा नया इतिहास

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। अमेरिका की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में रिनी संपत ने इतिहास रचते हुए वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव के बैलेट में जगह बना ली है। वह इस पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। तमिलनाडु के थेनी में जन्मी रिनी संपत बचपन में ही अमेरिका चली गई थीं। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए गर्व का पल है। रिनी ने कहा कि वह सात साल की उम्र में अमेरिकन ड्रीम को पूरा करने के लिए अमेरिका आई थीं।

अब उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह सपना वॉशिंगटन डीसी के हर नागरिक के लिए हकीकत बने। उनके अभियान के मुताबिक, 4,500 से ज्यादा लोगों ने उनके समर्थन में हस्ताक्षर किए, जिसके बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर बैलेट में जगह मिली। 31 वर्षीय रिनी संपत पिछले एक दशक से वॉशिंगटन डीसी में रह रही हैं और एक सरकारी ठेकेदार के रूप में काम कर चुकी हैं। उनका चुनावी एजेंडा शहर की बुनियादी समस्याओं को सुधारने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि अगर वह मेयर बनती हैं, तो सड़कों की मरम्मत, सीवर और जल निकासी समस्याओं का समाधान, 911 सेवाओं में सुधार और महंगाई को कम करना उनकी प्राथमिकता होगी। रिनी संपत ने मौजूदा प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं।

उनका कहना है कि शहर की बुनियादी सेवाएं लगातार कमजोर हो रही हैं। उन्होंने हाल की बर्फबारी का जिक्र करते हुए कहा कि सड़कों और फुटपाथों की हालत खराब हो गई थी और कचरा प्रबंधन भी बिगड़ गया था। उन्होंने खुद को एक आउटसाइडर उम्मीदवार बताते हुए कहा कि वह पारंपरिक राजनीति से अलग हैं और किसी बड़े राजनीतिक समूह का समर्थन उन्हें नहीं मिला है। उनका मानना है कि शहर को नई सोच और जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेतृत्व की जरूरत है। रिनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, खासकर अपने दादा और पिता को दिया। उन्होंने कहा कि भारत से मिले संस्कार और परिवार की प्रेरणा ही उन्हें सार्वजनिक सेवा के लिए आगे बढ़ने की ताकत देती है।

अमेरिकी बजट प्रस्ताव में आया बड़ा बदलाव, घरेलू खर्च में की कटौती और रक्षा खर्च में ऐतिहासिक बढ़ोतरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित वित्तीय वर्ष 2027 के बजट में घरेलू कार्यक्रमों में बड़ी कटौती देखने को मिल रहा है। प्रस्तावित बजट में फेडरल एजेंसियों के व्यापक पुनर्गठन की रूपरेखा दी गई है, जबकि सुरक्षा, कानून-व्यवस्था जैसी प्रमुख प्राथमिकताओं के लिए फंडिंग बरकरार रखी गई है। बजट में 2026 के गैर-रक्षा स्तरों की तुलना में 10 फीसदी कटौती का प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य खर्च पर नियंत्रण और फेडरल सरकार के ढांचे में बदलाव करना है। इस योजना को 'फिजूल और अप्रभावी कार्यक्रमों' से हटकर बताया गया है, जबकि सीमा सुरक्षा, पुलिसिंग और वेटरन्स सेवाओं जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।

विभिन्न विभागों में बड़े पैमाने पर कटौती का खाका पेश किया गया है। कृषि विभाग को 20.8 अरब डॉलर की फंडिंग देने का प्रस्ताव है, जो 19 फीसदी की कमी को दर्शाता है। वाणिज्य विभाग का बजट 9.2 बिलियन डॉलर रखा गया है, जो 12.2 फीसदी कम है, जबकि शिक्षा विभाग को 76.5 बिलियन डॉलर मिलेंगे और इसे खत्म होने की राह पर बताया गया है। स्वास्थ्य और मानवीय सेवाओं की फंडिंग घटकर 111.1 बिलियन डॉलर हो जाएगी, जो 12.5 फीसदी की कमी को दर्शाता है, जबकि हाउसिंग और शहरी विकास में 13 फीसदी की कटौती होकर 73.5 बिलियन डॉलर हो जाएगी। राज्य विभाग और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों को सबसे ज्यादा कटौती का सामना करना पड़ रहा है। प्रस्तावित बजट के तहत 35.6 बिलियन डॉलर की फंडिंग की बात कही गई है, जो पिछले साल से 30 फीसदी कम है। बजट में, दूसरी चीजों के अलावा, शिक्षा ग्रांट, हाउसिंग इनिशिएटिव और विदेशी सहायता योजना सहित कई एजेंसियों के कई कार्यक्रमों को खत्म करने या एक साथ करने की बात कही गई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में इस योजना के तहत स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के पुनर्गठन का प्रस्ताव है, ताकि 'एडमिनिस्ट्रेशन फॉर अ हेल्दी अमेरिका' के तहत पोषण, खाद्य सुरक्षा और दीर्घकालिक बीमारियों की रोकथाम को प्राथमिकता दी जा सके। गृह सुरक्षा विभाग का बजट घटाकर 63 बिलियन डॉलर कर दिया जाएगा, जबकि बॉर्डर एनफोर्समेंट और इमिग्रेशन कंट्रोल में निवेश बरकरार रहेगा। इसी तरह, न्याय विभाग को लॉ एनफोर्समेंट के लिए ज्यादा फंडिंग मिलेगी, जबकि गैर-जरूरी समझे जाने वाले ग्रांट प्रोग्राम को कम या खत्म कर दिया जाएगा।

बजट में फेडरल ब्यूरोक्रेसी को कम करने और शिक्षा, हाउसिंग और वर्कफोर्स डेवलपमेंट जैसे क्षेत्र में राज्यों और लोकल सरकारों पर जिम्मेदारियां डालने पर जोर दिया गया है।

नाटो प्रमुख मार्क रुट्टे अगले सप्ताह वाशिंगटन में डोनाल्ड ट्रंप से करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन , एजेंसी। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रुट्टे 8 से 12 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी की यात्रा पर रहेंगे, जहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह जानकारी नाटो के प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान में दी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि 8 अप्रैल को रुट्टे, ट्रंप, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ बातचीत करेंगे। इस यात्रा में 9 अप्रैल को एक सार्वजनिक कार्यक्रम भी शामिल है, जिसमें रुट्टे द्वारा रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल फाउंडेशन एंड इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित एक चर्चा में भाषण देने और भाग लेने की उम्मीद है।

यह यात्रा ट्रांस अटलांटिक गठबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हो रही है, क्योंकि ईरान से जुड़े संघर्ष के बीच ट्रंप की हालिया आलोचना के बाद

तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय सहयोगियों के प्रति कड़ी असंतोष व्यक्त करते हुए नाटो पर अमेरिकी रणनीतिक उद्देश्यों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने तो यहां तक संकेत दिया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका 77 साल पुराने गठबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार कर सकता है, जिससे नाटो के भविष्य को लेकर सदस्य देशों में चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने यूरोप में सैन्य ठिकानों तक अमेरिकी सैन्य पहुंच को प्रतिबंधित करने और होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक मार्गों की सुरक्षा में नेतृत्व करने में रुचि नहीं दिखाने के लिए सहयोगी देशों की आलोचना की है। नाटो अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 8 अप्रैल को रुट्टे और ट्रंप के बीच होने वाली आगामी बैठक पर बारीकी से नजर रखी जाएगी, क्योंकि यह भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में गठबंधन की दिशा तय कर सकती है। ट्रंप के सत्ता में लौटने के बाद से कई संकटों के दौरान अमेरिकी नेता के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने की उनकी क्षमता के कारण, नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री रुट्टे को पर्यवेक्षकों द्वारा 'ट्रंप का सलाहकार' बताया गया है। उन्होंने लगातार तर्क दिया है कि ट्रंप के दबाव ने यूरोपीय देशों को रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे अंततः नाटो की क्षमताएं मजबूत हुई हैं। वाशिंगटन में होने वाली चर्चाओं में तेजी से अस्थिर होते वैश्विक वातावरण में गठबंधन की एकता, रक्षा प्रतिबद्धताओं और रणनीतिक समन्वय पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है।

एपस्टीन मामले में बड़ा समझौता: 7.25 करोड़ डॉलर का बनाया गया फंड

वॉशिंगटन , एजेंसी। दुनिया को झकझोर देने वाले जेफरी एपस्टीन यौन शोषण मामले में नया मोड़ आया है। बैंक ऑफ अमेरिका और पीड़ितों के बीच 7.25 करोड़ डॉलर का समझौता हुआ है, जिससे 60-75 महिलाओं को मुआवजा मिल सकता है। अदालत ने इसे प्रारंभिक मंजूरी दी है और साफ किया है कि हर पीड़ित तक इसकी जानकारी पहुंचनी चाहिए, ताकि कोई भी न्याय से वंचित न रहे।

दुनियाभर में कुख्यात वित्त कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन का घिनौना मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। नए-नए खुलासों और दस्तावेजों ने दुनियाभर के कई बड़े नेताओं और अरबपतियों की नींद उड़ा दी है। इसी बीच इस मामले में बैंक ऑफ अमेरिका और पीड़ित महिलाओं के वकीलों के बीच हुए समझौते के तहत 7.25 करोड़ डॉलर (करीब 600 करोड़ रुपये) का एक फंड बनाया गया है, जिससे पीड़ित महिलाओं को मुआवजा दिया जाएगा। अदालत के अनुसार, इस फंड का फायदा 60 से 75 महिलाओं को मिल सकता है, जिनका एपस्टीन ने 2008 के बाद यौन शोषण किया था। अमेरिकी जिला जज जेड एस. रैकॉफ ने इस समझौते को शुरुआती मंजूरी दे दी है

और अंतिम सुनवाई 27 अगस्त को होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी पीड़ितों तक इस फंड की जानकारी पहुंचनी चाहिए, ताकि कोई भी छूट न जाए। मामले में पीड़ित महिलाओं के वकीलों का आरोप था कि बैंक ऑफ अमेरिका ने एपस्टीन के संदिग्ध लेनदेन को नजरअंदाज किया, जबकि वह 2008 से 2019 के बीच लड़कियों और महिलाओं का शोषण कर रहा था।हालांकि बैंक ने आरोपों के बाद भी अपने बयान में कहा कि वह अपने पुराने रुख पर कायम है कि उसने किसी भी तरह के अपराध में मदद नहीं की, लेकिन इस समझौते से मामला खत्म होगा और पीड़ितों को कुछ राहत मिलेगी। जेफरी एपस्टीन को जुलाई 2019 में अवैध देह व्यापार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अगस्त 2019 में न्यूयॉर्क की जेल में उसकी मौत हो गई, जिसे आत्महत्या बताया गया। इसके बाद से इस मामले में लगातार नए-नए मोड़ सामने आ रहे है, जिसने दुनियाभर के कई दिग्गजों की रातों की नींद उड़ा दी है।

ईरान का इस्लामाबाद में बैठक से साफ इनकार, नहीं हो पाया युद्धविराम

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम कराने के प्रयास पूरी तरह विफल हो गए हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को मध्यस्थों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। ईरान ने पाकिस्तान सहित मध्यस्थता करा रहे देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि वह आने वाले दिनों में इस्लामाबाद में अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात करने को तैयार नहीं है और अमेरिका की मांगों को पूरी तरह अस्वीकार्य मानता है। कुल मिलाकर ये बातचीत अब 'डेड एंड' पर पहुंच गई है।

ईरान का इनकार और अमेरिका की मांगें सूत्रों के अनुसार, ईरान ने युद्धविराम के लिए अपनी शर्तें दोहराई हैं। शुरुआती दौर में ईरान ने कहा था कि वह तभी युद्ध समाप्त करेगा जब अमेरिका युद्ध मुआवजा दे, मध्य पूर्व के अपने सभी सैन्य ठिकानों से वापसी करे और भविष्य में किसी भी हमले से सुरक्षा की गारंटी दे। इन मांगों पर कोई समझौता नहीं होने के कारण बातचीत अटक गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के नेतृत्व में बातचीत को आगे बढ़ाने की यह कोशिश कोई सफलता हासिल नहीं कर सकी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि उसे अमेरिका की मांगें 'अस्वीकार्य' लगती हैं। वह पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक के लिए अपने कोई अधिकारी को नहीं भेजेगा। इस कड़े रुख ने बातचीत की मौजूदा रूपरेखा के दरवाजे प्रभावी रूप से बंद कर दिए हैं।

पाकिस्तान की निकल गई हवा : पिछले कुछ हफ्तों से पाकिस्तान बैकडोर कूटनीति के जरिए अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश कर रहा था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री इशाक डार ने सार्वजनिक तौर पर इस्लामाबाद में सार्थक और निर्णायक वार्ता की मेजबानी करने की पेशकश की थी। इसी दिशा में पाकिस्तान ने

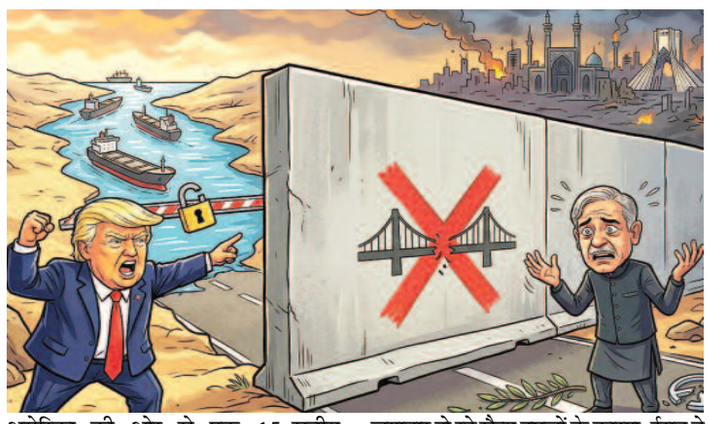

अमेरिका की ओर से एक 15-सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव ईरान को सौंपा था। इससे पहले, चीन और पाकिस्तान ने भी संयुक्त रूप से एक 5-सूत्रीय शांति योजना पेश की थी। हालांकि, अमेरिका की कुछ कठोर रणनीतिक मांगों और जमीनी स्तर पर लगातार हो रहे सैन्य हमलों के कारण, ईरान ने इस बातचीत से अपने कदम पीछे खींच लिए। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास की खाई इतनी गहरी है कि पाकिस्तान के लिए दोनों पक्षों को एक मेज पर लाना कूटनीतिक रूप से एक बेहद जटिल काम था, जो अंततः विफल साबित हुआ। शांति प्रयासों को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र में एक अमेरिकी युद्धक विमान (स्र-15श्च) को मार गिराने का दावा किया। पश्चिमी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी विशेष बलों ने एक पायलट का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया है, जबकि दूसरे की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। तुर्की और मिस्र तलाश रहे नए विकल्प इस कूटनीतिक गतिरोध के कारण शांति प्रयास अधर में लटक गए हैं। इसे देखते हुए तुर्की और मिस्र अब इस समस्या का समाधान इस्लामाबाद से बाहर तलाश रहे हैं। दोनों देश युद्धविराम की बची-खुची उम्मीदों को बचाने के लिए नए स्थानों पर विचार कर रहे हैं, जिनमें दोहा (कतर) और इस्तांबुल (तुर्की) बातचीत की मेजबानी के लिए प्रमुख विकल्पों के रूप में उभरे हैं।

क्यूबा में कैदियों की रिहाई, लेकिन उठे सवाल

हवाना, एजेंसी। क्यूबा सरकार ने करीब 2,000 कैदियों को रिहा करने का फैसला किया है, जिसे मानवीय कदम बताया जा रहा है। रिहाई के बाद कई परिवारों में खुशी का माहौल है। लोग अपने परिजनों से वर्षों बाद मिलकर भावुक हो गए। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह साफ नहीं है कि रिहा किए गए लोगों में कितने राजनीतिक कैदी शामिल हैं। कई संगठनों का आरोप है कि क्यूबा सरकार असली मुद्दे को छिपा रही है और राजनीतिक कैदियों को लेकर पारदर्शिता नहीं दिखा रही।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)